# भूमिका ।

दोहा ।

सर्व प्राणवल्लभ अवशि, अवशि मान जगदेत ।
अवशि कार्य्य यह सीखबो, बालापन ते हेत ॥

प्रियपाठक ! क्याही आनंदका विषयहै कि, यह कहावत ( दुनियाँ सोने फूल फूली है ) अत्यन्तही सत्य है. विचारनेका स्थल है कि दुनियाका फूल क्या पदार्थ है ?, अतः विद्या ! सो विद्या इस समयमें हरीच्छा व श्रीमहारानी राजराजेश्वरी की अतुल उदारतासे सारे संसारमें छत्रवत् छायरहीहै. अहा हा हा ! ! एक दिन वेथे कि कालवश विद्याकी जगह चारों ओरः अविद्याही वर्तमान थी; बडी शुश्रूषा, बडी विनय, बडे उद्योगसे विद्या प्राप्त होती थी परंतु जबसे विद्यारूपी महारानीका प्रबल प्रचंड मार्तंड उदय हुआ तबसे अविद्या अंधकारका लेश भी न रहा. पाठक ! यह जो विद्याज्ञान प्रकाश है यथा नाम तथा गुणाः इसमें प्रत्यक्ष प्रकट है, क्योंकि श्रीमन्महाराजाधिराज रणजीतसिंह साहब बहादुर व मुन्शी शामत-अली साहब सुप्रीनटंड रतलामकी सम्मतिसे श्रीयुत व्यास मथुरा-दासजी वैकुंठवासी पुष्करणा ब्राह्मण जेसलमेरनिवासीने अपनी उज्ज्वल उदारबुद्धिसे परमसरल रीति सह हिंदी भाषामें निम्र्माण किया यह महाशय परमदयालु गुणज्ञ नीतिज्ञ और धर्म्मवान् थे गणित भाषाके तो मानो स्वरूप थे सैकडों अनाथ बालकोंको इन्होंने विद्यादान दे पोषण भरणका द्वारा किया और सहस्र साहूकारोंके लडके इनसे पढ़कर हिसाब किताबमें निपुण हुए इन महाशयका यह नियम था कि प्रातःकालसे उठ पहर दिन चढे विद्याध्ययन कराना पश्चात् बही खाता लिखनेके नियम

बताना और यह सब काम परमार्थ ही करतेथे कुछ काल रतलाम- में मैंने भी इनके पास विद्याध्ययन किया है यथार्थमें इनकी योग्यता प्रशंसाके योग्य है। प्रथम इनकी पुस्तक रतलाममें छपीथी अव उनकी आज्ञानुसार हमने बडे परिश्रमसे शुद्ध करके और बहुतसे हिसाव जिनका लिखना आवश्यक था नवीन वनाकर सम्मि- लित किये जैसे अंगरेजी चलन पैसेका कोठा, अंगरेजी सोना- रोंकी तौल, डाक्टरोंकी तौल,काठ जमीन आदि मापना;चौकोर जमीन मापना, क्यूमेजर अर्थात् घन, कपडेकी अंगरेजी माप सराब की माप, वीर सरावकी माप, अन्नकी अंगरेजी माप, हिन्दुओंके छः ऋतु, मुसलमानी महीना, ज्योतिषविचार, नक्षत्रोंके नाम, योगोंके नाम, करण, होढाचक्र, नक्षत्र नाडीभेद. योनि- विचार, वर्णविचार, नक्षत्रयोनि, गणविचार, एकसौ एक शिक्षा- की रीतें, पगारका कोठा अंगरेजी गिनती, आदि, अब यह ऐसा अनूठा ग्रंथ बनगयाहै कि देखतेही बनिआवे पहाडा ककहरा, सवैया, डयोढा, हूंठा, ढयोंचा, प्यौचा, एकन्ना, गेरहा, छपका, मिश्रजोड, जोड, गुणा, बाकी, वाशिलबाकी, भाग त्रैराशिक,सब प्रकारके हुंडी पुरजा लिखनेकी रीत, वही खाता जमा खर्च लिख- नेकी रीत, चिट्ठी सरानामे लिखनेकी रीत, बोटपर लिखनेकी रीत सराफीके कायदे,सोना, चांदी, मोतीके सुगम हिसाब, पैमायश अर्थात् जमीन; खेत इत्यादि मापनेकी रीतें, आढत विषयके सब हिसाब, व्याज लगानेकी सुगमरीतें,व्यापार सम्बन्धी सब प्रकारके हिसाब इत्यादिके सिवाय बालबोध भी इसमें सम्मिलित किया गया है जो बालसे वृद्धतकको उपयोगी है अब विशेष प्रशंसा क्या लिखैं आप लोगोंके दृष्टिगोचरही है; आशा है कि इसका अलभ्य लाभ उठाकर कर्ताको धन्यवाद दीजियेगा ॥

खेमराज श्रीकृष्णदास श्रीवेङ्कटेश्वर स्टीम् प्रेस-मुंबई.

# विद्याज्ञानप्रकाशकी अनुक्रमणिका ।

इति ।

श्रीगणेशायनमः।

# ॐनामासिधं

## मूलाक्षरें.

### स्वर.

अ आ इ ई उ ऊ ऋ ॠ

ऌ ॡ ए ऐ ओ औ अं अः

### व्यंजनें.

क ख ग घ ङ, च छ ज झ ञ,
ट ठ ड ढ ण, त थ द ध न, प फ ब भ
म, य र ल व श ष स ह क्ष त्र ज्ञ

### बाराखडी.

क का कि की कु कू के कै को कौ कं कः
ख खा खि खी खु खू खे खै खो खौ खं खः
ग गा गि गी गु गू गे गै गो गौ गं गः
घ घा घि घी घु घू घे घै घो घौ घं घः
ङ ङा ङि ङी ङु ङू ङे ङै ङो ङौ ङं ङः

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| च | चा | चि | ची | चु | चू | चे | चै | चो | चौ | चं | चः |
| छ | छा | छि | छी | छु | छू | छे | छै | छो | छौ | छं | छः |
| ज | जा | जि | जी | जु | जू | जे | जै | जो | जौ | जं | जः |
| झ | झा | झि | झी | झु | झू | झे | झै | झो | झौ | झं | झः |
| ञ | ञा | ञि | ञी | ञु | ञू | ञे | ञै | ञो | ञौ | ञं | ञः |
| ट | टा | टि | टी | टु | टू | टे | टै | टो | टौ | टं | टः |
| ठ | ठा | ठि | ठी | ठु | ठू | ठे | ठै | ठो | ठौ | ठं | ठः |
| ड | डा | डि | डी | डु | डू | डे | डै | डो | डौ | डं | डः |
| ढ | ढा | ढि | ढी | ढु | ढू | ढे | ढै | ढो | ढौ | ढं | ढः |
| ण | णा | णि | णी | णु | णू | णे | णै | णो | णौ | णं | णः |
| त | ता | ति | ती | तु | तू | ते | तै | तो | तौ | तं | तः |
| थ | था | थि | थी | थु | थू | थे | थै | थो | थौ | थं | थः |
| द | दा | दि | दी | दु | दू | दे | दै | दो | दौ | दं | दः |
| ध | धा | धि | धी | धु | धू | धे | धै | धो | धौ | धं | धः |
| न | ना | नि | नी | नु | नू | ने | नै | नो | नौ | नं | नः |
| प | पा | पि | पी | पु | पू | पे | पै | पो | पौ | पं | पः |
| फ | फा | फि | फी | फु | फू | फे | फै | फो | फौ | फं | फः |
| ब | बा | बि | बी | बु | बू | बे | बै | बो | बौ | बं | बः |
| भ | भा | भि | भी | भु | भू | भे | भै | भो | भौ | भं | भः |

म मा मि मी मु मू मे मै मो मौ मं मः

य या यि यी यु यू ये यै यो यौ यं यः

र रा रि री रु रू रे रै रो रौ रं रः

ल ला लि ली लु लू ले लै लो लौ लं लः

व वा वि वी वु वू वे वै वो वौ वं वः

श शा शि शी शु शू शे शै शो शौ शं शः

ष षा षि षी षु षू षे षै षो षौ षं षः

स सा सि सी सु सू से सै सो सौ सं सः

ह हा हि ही हु हू हे है हो हौ हं हः

क्ष क्षा क्षि क्षी क्षु क्षू क्षे क्षै क्षो क्षौ क्षं क्षः

त्र त्रा त्रि त्री त्रु त्रू त्रे त्रै त्रो त्रौ त्रं त्रः

ज्ञ ज्ञा ज्ञि ज्ञी ज्ञु ज्ञू ज्ञे ज्ञै ज्ञो ज्ञौ ज्ञं ज्ञः

बाराखडी समाप्त.

गणेशजी.
शारदा.

हनुमान्.
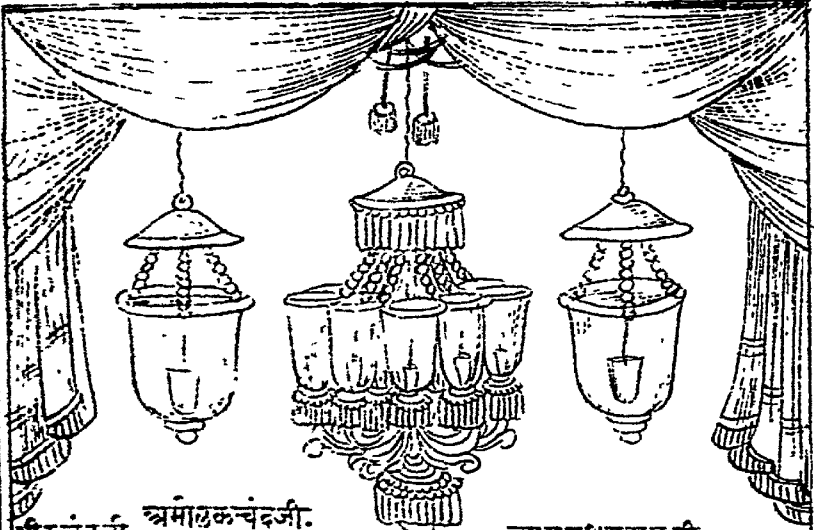
भीकचंदजी
अमोलकचंदजी.
व्यासमथुरालालजी.

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ए | बी | सी | डी | ई | एफ् | जी | एच् |
| A | B | C | D | E | F | G | H |
| आय्.जे | के | एल् | एम् | एन् | ओ | पी | क्यू |
| I J | K | L | M | N | O | P | Q |
| आर | एस् | टी | यू. व्ही | डब्ल्यू | एक्स | वाय | झेड |
| R | S | T | U V | W | X | Y | Z |
| ए | बी | सी | डी | ई | एफ् | जी | एच् |
| a | b | c | d | e | f | g | h |
| आय्. जे | के | एल् | एम् | एन् | ओ | पी | क्यू |
| i j | k | l | m | n | o | p | q |
| आर | एस् | टी | यू. व्ही | डब्ल्यू | एक्स | वाय् | झेड |
| r | s | t | u v | w | x | y | z |
| ए | बी | सी | डी | ई | एफ् | जी | एच् |
| *A* | *B* | *C* | *D* | *E* | *F* | *G* | *H* |
| आय्. जे | के | एल् | एम् | एन् | ओ | पी | क्यू |
| *I J* | *K* | *L* | *M* | *N* | *O* | *P* | *Q* |
| आर | एस् | टी | यू. व्ही | डब्ल्यू | एक्स | वाय | झेड |
| *R* | *S* | *T* | *U V* | *W* | *X* | *Y* | *Z* |
| ए | बी | सी | डी | ई | एफ् | जी | एच् |
| *a* | *b* | *c* | *d* | *e* | *f* | *g* | *h* |
| आय्.जे | के | एल् | एम् | एन् | ओ | पी | क्यू |
| *i j* | *k* | *l* | *m* | *n* | *o* | *p* | *q* |
| आर | एस् | टी | यू. व्ही | डब्ल्यू | एक्स | वाय | झेड |
| *r* | *s* | *t* | *u v* | *w* | *x* | *y* | *z* |

# મૂળાક્ષરો.

## સ્વર.

અ આ ઇ ઈ ઉ ઊ ઋ ૠ

ઌ ૡ એ ઐ ઓ ઔ અં અઃ

## વ્યંજન.

ક ખ ગ ઘ ઙ ચ છ જ ઝ ઞ ટ ઠ

ડ ઢ ણ ત થ દ ધ ન પ ફ બ ભ

મ ય ર લ વ શ ષ સ હ ળ ક્ષ જ્ઞ

૧ ૨ ૩ ૪ ૫ ૬ ૭ ૮ ૯ ૧૦

## બારાખડીઓ.

ક કા કિ કી કુ કૂ કે કૈ કો કૌ કં કઃ

ખ ખા ખિ ખી ખુ ખૂ ખે ખૈ ખો ખૌ ખં ખઃ

ગ ગા ગિ ગી ગુ ગૂ ગે ગૈ ગો ગૌ ગં ગઃ

ઘ ઘા ઘિ ઘી ઘુ ઘૂ ઘે ઘૈ ઘો ઘૌ ઘં ઘઃ

ઙ ઙા ઙિ ઙી ઙુ ઙૂ ઙે ઙૈ ઙો ઙૌ ઙં ઙઃ

ચ ચા ચિ ચી ચુ ચૂ ચે ચૈ ચો ચૌ ચં ચઃ

છ છા છિ છી છુ છૂ છે છૈ છો છૌ છં છઃ

જ જા જિ જી જુ જૂ જે જૈ જો જૌ જં જઃ

ઝ ઝા ઝિ ઝી ઝુ ઝૂ ઝે ઝૈ ઝો ઝૌ ઝં ઝઃ

ઞ ઞા ઞિ ઞી ઞુ ઞૂ ઞે ઞૈ ઞો ઞૌ ઞં ઞઃ

ટ ટા ટિ ટી ટુ ટૂ ટે ટૈ ટો ટૌ ટં ટઃ

ઠ ઠા ઠિ ઠી ઠુ ઠૂ ઠે ઠૈ ઠો ઠૌ ઠં ઠઃ

ડ ડા ડિ ડી ડુ ડૂ ડે ડૈ ડો ડૌ ડં ડઃ

ઢ ઢા ઢિ ઢી ઢુ ઢૂ ઢે ઢૈ ઢો ઢૌ ઢં ઢઃ

ણ ણા ણિ ણી ણુ ણૂ ણે ણૈ ણો ણૌ ણં ણઃ

ત તા તિ તી તુ તૂ તે તૈ તો તૌ તં તઃ

થ થા થિ થી થુ થૂ થે થૈ થો થૌ થં થઃ

દ દા દિ દી દુ દૂ દે દૈ દો દૌ દં દઃ

ધ ધા ધિ ધી ધુ ધૂ ધે ધૈ ધો ધૌ ધં ધઃ

ન ના નિ ની નુ નૂ ને નૈ નો નૌ નં નઃ

પ પા પિ પી પુ પૂ પે પૈ પો પૌ પં પઃ

ફ ફા ફિ ફી ફુ ફૂ ફે ફૈ ફો ફૌ ફં ફઃ

બ બા બિ બી બુ બૂ બે બૈ બો બૌ બં બઃ

ભ ભા ભિ ભી ભુ ભૂ ભે ભૈ ભો ભૌ ભં ભઃ

મ મા મિ મી મુ મૂ મે મૈ મો મૌ મં મઃ

ય યા યિ યી યુ યૂ યે યૈ યો યૌ યં યઃ

ર રા રિ રી રુ રૂ રે રૈ રો રૌ રં રઃ

લ લા લિ લી લુ લૂ લે લૈ લો લૌ લં લઃ

વ વા વિ વી વુ વૂ વે વૈ વો વૌ વં વઃ

શ શા શિ શી શુ શૂ શે શૈ શો શૌ શં શઃ

ષ ષા ષિ ષી ષુ ષૂ ષે ષૈ ષો ષૌ ષં ષઃ

સ સા સિ સી સુ સૂ સે સૈ સો સૌ સં સઃ

હ હા હિ હી હુ હૂ હે હૈ હો હૌ હં હઃ

ળ ળા ળિ ળી ળુ ળૂ ળે ળૈ ળો ળૌ ળં ળઃ

ક્ષ ક્ષા ક્ષિ ક્ષી ક્ષુ ક્ષૂ ક્ષે ક્ષૈ ક્ષો ક્ષૌ ક્ષં ક્ષઃ

જ્ઞ જ્ઞા જ્ઞિ જ્ઞી જ્ઞુ જ્ઞૂ જ્ઞે જ્ઞૈ જ્ઞો જ્ઞૌ જ્ઞં જ્ઞઃ

१॥श्रीगणेसजी
१॥श्रीशैमाहादे
व पारवतीधंन
जाको गुण सा
य ड़ ठोफलआ
घोचै हैऊॆह्रु ट
भंञपडी थाड़ी
१२३४५६७८९

श्रीगणेशाय नमः ।

# विद्याज्ञानप्रकाश प्रारंभ ।
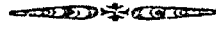
## दोहा ।

श्रीवल्लभसुतसूं विनति, कृपा करहु करतार । गोविंदगुण गायन करूं, चित मन हिरदै धार ॥ १ ॥ नगरजेसाणा शुभ वसो, रावल वैरीशाल । विद्याज्ञानप्रकाशकूं, कथियो मथुरालाल ॥ २ ॥ श्रीकृष्णाहि नित रटतहूं, एक मुक्तिके काज । विघ्न हरो सब सुख करो रखो हमारी लाज ॥ ३ ॥ ज्ञान बिना विद्या नहीं, विद्या विन नहिं बुद्धि । बुद्धि बिना ऋद्धी नहीं, ऋद्धि बिना नहिं वृद्धि ॥ ४ ॥ जो विद्याकूं नित रटै, दिन दिन दूणी थाय । जूं वरतैं त्यूँ नित वढै, करै विदेश सहाय ॥ ५ ॥ गणपति सरसुति सुमिरि कै, कर विद्या अभ्यास । विद्याज्ञानप्रकाशकूं, कथियो मथुरा-स ॥ ६ ॥ वीरमाँह ध्वज विदितहै, सातद्वीप नवखंड । दुष्ट-दमन सब दीनको, पूरणहार प्रचंड ॥ ७ ॥ तिनके अतिप्रिय मारुती, होतभये जनु भान । करि सहाय सब देवकी, किय असुरनकी हान ॥ ८ ॥ चाहतहूँ कुछ चित्तमें, वर्णन अति गुणगूढ । सुनत पढतही पुरुषकी, मिटत सकल मति मूढ ॥ ९ ॥ विद्याज्ञान प्रकाशते, मिटिहै सबकी पीर । जाको गुण वर्णन करूं, बुद्धी दे ध्वजवीर ॥ १० ॥ बालबुद्धिके कारणै, बहुत प्रकाशि होत । याके पढ़न रु सुननसों, बाढत ज्ञान बहोत ॥ ११ ॥ ज्ञानी ज्ञान विचार कै, याकूं हिरदै धार । याहीते सब होतहै,

वाणिज और व्यापार ॥ १२ ॥ बिना कांचकी आरसी, तामें सूझत नाय। ज्ञान बिना नर है पशू, मनुष नामके आय ॥ १३ ॥ विद्याधन ये गुप्तहै, विद्या सुखकी बेल। विद्याकूं नृप पूजते, विद्या कुछ नहिं सेल ॥ १४ ॥ विद्यासे बड़ होतहै, आदर करत जहान। जा घट विद्या है नहीं, वो नर पशू समान ॥ १५ ॥ विद्या-ज्ञानप्रकाशकूं, आदिहिते घोषंत ॥ याही ते सब लखपडे, मूल आदि औ अंत ॥ १६ ॥ पढ़ो पढावो औरकूं, याहै इसमें रीत। विद्याज्ञानप्रकाशको, पढ़ै सो होय निचींत ॥ १७ ॥ विद्यामें जो निपुण है, ता समान नहिं कोय। ऊँच नीच देखें नहीं, विद्या आदर होय ॥ १८ ॥ जहाँ रहत विद्वान् नर, ताकी शोभा होत। जा घरमें दीपक बरै, निश्चयकरे उदोत ॥ १९ ॥ विद्याज्ञानप्रकाशते, होत सबनको काज। विद्याकूं सब चहतहैं, विद्या चाहत राज ॥ २० ॥ तासूं शिक्षा देतहूं, मत रह निर्भय कोय। विद्या गुणकी खान है, हिरदे दीपक होय ॥ २१ ॥ चतुराई सब जगतमें, है विद्याको फूल। विद्याकूं पंडित कहे, ये विद्याको मूल ॥ २२ ॥ विद्याबिन नर अंध है, कछू न सूझत तोय। जा घट विद्या नित बसे, वाकूं सबै दिखाय ॥ २३ ॥ समझे वाकी रीत तो, कधी न आवे हार। जिस सरितामें नाव है, बैठ उतरजा पार ॥ २४ ॥ तन मन वशकर राखिये, सुरत निरतको खेल। गुणी उडावतहे कई, डोर न दूरी मेल ॥ २५ ॥ सुरतराख विद्या पढो, जबहि होयगो सुःख। विद्यावान कोइ पुरुषहै, कधी न पावै दुःख ॥ २६ ॥ विद्या सबको सारहै, विद्याही गुरुदेव। विद्याके वश सर्व है, विद्या सांची सेव ॥ २७ ॥ नगर

रतनपुरपर अजंट, सुप्रीनडंट मुनशीसाहब। सलामत आलीखान, बहादुरजीकी शत्रु खाय ताव ॥ २८ ॥ विद्याज्ञानप्रकाशकूं, आज्ञा कियो हजूर। सब दुनियाके कारणे, ग्रन्थहि करो जरूर ॥ २९ ॥ मथुरादास विचारकर, कर हिरदे उल्लास। अमोलपकूं मेहरमे, दीनों ज्ञानप्रकाश ॥ ३० ॥ चाकर अपनो जानके, किरपा कीनी पूर। अमोलपकी वीनती, रेहूंदास हजूर ॥ ३१ ॥ भूल चूक सब देखके, पंडित लेहु सुधार। माफ करो सब मोयकूं, गुणको अंत न पार ॥ ३२ ॥ हेतराम हिरदे रटे, विपुल बलीको नाम। कृपा होय हनुमानकी, सर्वसिद्धि हो काम ॥ ३३ ॥ उगणीसे गुणतीसके, दीपमाल गुरुवार। विद्याज्ञानप्रकाशकूं, कीनो व्यास तयार ॥ ३४ ॥ व्यास अमोल्प कृपासे, अपण इष्टकी माल। विद्याज्ञानप्रकाशकूं, कियो तयार सुजान ॥ ३५ ॥

## कवित्त।

गोवर्द्धनधारीको ध्यान धर बनायो ग्रन्थ, मथुरादास व्यास आज बुद्धि फयलाई है ॥ शिक्षाके कारण प्रकाशज्ञान कीनो त्यार, वालबुद्धि कारण ऐसी रीति सो चलाई है ॥ विद्याको दान-आज जानसो जगत, बीच, काढ़ काढ़ सार सबकी रीतिही मिलाई है ॥ पढेगा सुनेगा चित्त मनसूं याकूं याददेकै, मसहूर होगा सुप्रिनडंट साहबकी भलाई है ॥ १ ॥ श्रीपत सुजान ऐसे राजा रणजीतसिंह, क्षत्री वंश साँचे तेग तलवारमें शूरे हैं ॥ रतनकुल प्रगटे आप बुद्धीके सागर हो, मुनशीजी ऐसे हाकम रवी तोरेपूरे हैं ॥ बसा दियो माणकचौक बहोत रोजगार जहाँ,

ऐसा काम ठाना कोई काम ना अधूरे हैं ॥ चैन करे वस्ती रतनपुरी बीच सब आज, इनकी तपस्या आगे शत्रुनको चूरे हैं ॥ २ ॥ सुप्रिन्‌डंट साहब मुनशीजी बडे आप अकलके साग़र ऐसे यशधारी हैं ॥ खुदाकी मेहरन्याव करें अटलनीतसूं, चारखूंट बीच शोभा इनकी तो भारी है ॥ जहाँ जहाँ रहे वहां वस्ती आबाद करी, लंदनसे लिखा हुकुम इनका तो जारी है ॥ आत्मा राम कहे मीर मुन्शीजी शामत अली, आपकी तो हाकमीमें सुखी नर नारी है ॥ ३ ॥ रतनपुरी बीच आप पधारे इख्त्यारीले, बडे बडे काम किये सुकृतिके विचारी है ॥ मदरसा बनाया ऐसा जंबूद्वीप बीच नांय, सडक बनायी सब मेहेलहोत त्यारी है ॥ लखां रुपये खरचदपर लगाय दीने, ऐसी है उगम रीत नीतीसूं सुधारी है ॥ बाग बागातोंपे हमें शांतचितरहे सदा, सुखी है अमल जानु खुली गुलक्यारी है ॥ ४ ॥हुकुम दिया हाकमने बुद्धिसूं विचार आप, व्यास मथुरादासकूं ऐसी फरमाई है॥ करो ग्रन्थ त्यार सब लड़कोंके खातर येह, व्यास घर आय ऐसी अक्कही उपाई है ॥ हुजूरके हुकुमसों खरी बनी किताब ऐसी, जो किताब और जगे देखी कहुँ नाहीं है ॥ विद्याज्ञानप्रकाश ग्रन्थ कियो त्यार आपीनेसो, सफलकरी विद्या ऐसी सुरतही दौडाई है ॥ ५ ॥

## दोहा।

वासी जेसलनगरको, माधोरायसुत जान।<br>
ब्राह्मण पुष्करणा महीं, व्यास डवांणीमान ॥ १ ॥

## गिन्ती. (१३)

| १ | ११ | २१ | ३१ | ४१ | ५१ | ६१ | ७१ | ८१ | ९१ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| २ | १२ | २२ | ३२ | ४२ | ५२ | ६२ | ७२ | ८२ | ९२ |
| ३ | १३ | २३ | ३३ | ४३ | ५३ | ६३ | ७३ | ८३ | ९३ |
| ४ | १४ | २४ | ३४ | ४४ | ५४ | ६४ | ७४ | ८४ | ९४ |
| ५ | १५ | २५ | ३५ | ४५ | ५५ | ६५ | ७५ | ८५ | ९५ |
| ६ | १६ | २६ | ३६ | ४६ | ५६ | ६६ | ७६ | ८६ | ९६ |
| ७ | १७ | २७ | ३७ | ४७ | ५७ | ६७ | ७७ | ८७ | ९७ |
| ८ | १८ | २८ | ३८ | ४८ | ५८ | ६८ | ७८ | ८८ | ९८ |
| ९ | १९ | २९ | ३९ | ४९ | ५९ | ६९ | ७९ | ८९ | ९९ |
| १० | २० | ३० | ४० | ५० | ६० | ७० | ८० | ९० | १०० |

## (१४) एकाके पाहडे.

| १ | १ | १ | २ | १ | २ | ३ | १ | ३ | ४ | १ | ४ | ५ | १ | ५ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | २ | २ | २ | २ | ४ | ३ | २ | ६ | ४ | २ | ८ | ५ | २ | १० |
| १ | ३ | ३ | २ | ३ | ६ | ३ | ३ | ९ | ४ | ३ | १२ | ५ | ३ | १५ |
| १ | ४ | ४ | २ | ४ | ८ | ३ | ४ | १२ | ४ | ४ | १६ | ५ | ४ | २० |
| १ | ५ | ५ | २ | ५ | १० | ३ | ५ | १५ | ४ | ५ | २० | ५ | ५ | २५ |
| १ | ६ | ६ | २ | ६ | १२ | ३ | ६ | १८ | ४ | ६ | २४ | ५ | ६ | ३० |
| १ | ७ | ७ | २ | ७ | १४ | ३ | ७ | २१ | ४ | ७ | २८ | ५ | ७ | ३५ |
| १ | ८ | ८ | २ | ८ | १६ | ३ | ८ | २४ | ४ | ८ | ३२ | ५ | ८ | ४० |
| १ | ९ | ९ | २ | ९ | १८ | ३ | ९ | २७ | ४ | ९ | ३६ | ५ | ९ | ४५ |
| १ | १० | १० | २ | १० | २० | ३ | १० | ३० | ४ | १० | ४० | ५ | १० | ५० |

## एकाके पहाडे. (१५)

| ६ | १ | ६ | ७ | १ | ७ | ८ | १ | ८ | ९ | १ | ९ | १० | १ | १० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६ | २ | १२ | ७ | २ | १४ | ८ | २ | १६ | ९ | २ | १८ | १० | २ | २० |
| ६ | ३ | १८ | ७ | ३ | २१ | ८ | ३ | २४ | ९ | ३ | २७ | १० | ३ | ३० |
| ६ | ४ | २४ | ७ | ४ | २८ | ८ | ४ | ३२ | ९ | ४ | ३६ | १० | ४ | ४० |
| ६ | ५ | ३० | ७ | ५ | ३५ | ८ | ५ | ४० | ९ | ५ | ४५ | १० | ५ | ५० |
| ६ | ६ | ३६ | ७ | ६ | ४२ | ८ | ६ | ४८ | ९ | ६ | ५४ | १० | ६ | ६० |
| ६ | ७ | ४२ | ७ | ७ | ४९ | ८ | ७ | ५६ | ९ | ७ | ६३ | १० | ७ | ७० |
| ६ | ८ | ४८ | ७ | ८ | ५६ | ८ | ८ | ६४ | ९ | ८ | ७२ | १० | ८ | ८० |
| ६ | ९ | ५४ | ७ | ९ | ६३ | ८ | ९ | ७२ | ९ | ९ | ८१ | १० | ९ | ९० |
| ६ | १० | ६० | ७ | १० | ७० | ८ | १० | ८० | ९ | १० | ९० | १० | १० | १०० |

## (१६) ग्याराके पहाडे.

| ११ | १ | ११ | १२ | १ | १२ | १३ | १ | १३ | १४ | १ | १४ | १५ | १ | १५ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ११ | २ | २२ | १२ | २ | २४ | १३ | २ | २६ | १४ | २ | २८ | १५ | २ | ३० |
| ११ | ३ | ३३ | १२ | ३ | ३६ | १३ | ३ | ३९ | १४ | ३ | ४२ | १५ | ३ | ४५ |
| ११ | ४ | ४४ | १२ | ४ | ४८ | १३ | ४ | ५२ | १४ | ४ | ५६ | १५ | ४ | ६० |
| ११ | ५ | ५५ | १२ | ५ | ६० | १३ | ५ | ६५ | १४ | ५ | ७० | १५ | ५ | ७५ |
| ११ | ६ | ६६ | १२ | ६ | ७२ | १३ | ६ | ७८ | १४ | ६ | ८४ | १५ | ६ | ९० |
| ११ | ७ | ७७ | १२ | ७ | ८४ | १३ | ७ | ९१ | १४ | ७ | ९८ | १५ | ७ | १०५ |
| ११ | ८ | ८८ | १२ | ८ | ९६ | १३ | ८ | १०४ | १४ | ८ | ११२ | १५ | ८ | १२० |
| ११ | ९ | ९९ | १२ | ९ | १०८ | १३ | ९ | ११७ | १४ | ९ | १२६ | १५ | ९ | १३५ |
| ११ | १० | ११० | १२ | १० | १२० | १३ | १० | १३० | १४ | १० | १४० | १५ | १० | १५० |

ग्याराके पहाडे. (१७)

| १६ | १ | १६ | १७ | १ | १७ | १८ | १ | १८ | १९ | १ | १९ | २० | १ | २० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १६ | २ | ३२ | १७ | २ | ३४ | १८ | २ | ३६ | १९ | २ | ३८ | २० | २ | ४० |
| १६ | ३ | ४८ | १७ | ३ | ५१ | १८ | ३ | ५४ | १९ | ३ | ५७ | २० | ३ | ६० |
| १६ | ४ | ६४ | १७ | ४ | ६८ | १८ | ४ | ७२ | १९ | ४ | ७६ | २० | ४ | ८० |
| १६ | ५ | ८० | १७ | ५ | ८५ | १८ | ५ | ९० | १९ | ५ | ९५ | २० | ५ | १०० |
| १६ | ६ | ९६ | १७ | ६ | १०२ | १८ | ६ | १०८ | १९ | ६ | ११४ | २० | ६ | १२० |
| १६ | ७ | ११२ | १७ | ७ | ११९ | १८ | ७ | १२६ | १९ | ७ | १३३ | २० | ७ | १४० |
| १६ | ८ | १२८ | १७ | ८ | १३६ | १८ | ८ | १४४ | १९ | ८ | १५२ | २० | ८ | १६० |
| १६ | ९ | १४४ | १७ | ९ | १५३ | १८ | ९ | १६२ | १९ | ९ | १७१ | २० | ९ | १८० |
| १६ | १० | १६० | १७ | १० | १७० | १८ | १० | १८० | १९ | १० | १९० | २० | १० | २०० |

(१८) इक्कीसोंके पहाडे.

| २१ | १ | २१ | २२ | १ | २२ | २३ | १ | २३ | २४ | १ | २४ | २५ | १ | २५ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| २१ | २ | ४२ | २२ | २ | ४४ | २३ | २ | ४६ | २४ | २ | ४८ | २५ | २ | ५० |
| २१ | ३ | ६३ | २२ | ३ | ६६ | २३ | ३ | ६९ | २४ | ३ | ७२ | २५ | ३ | ७५ |
| २१ | ४ | ८४ | २२ | ४ | ८८ | २३ | ४ | ९२ | २४ | ४ | ९६ | २५ | ४ | १०० |
| २१ | ५ | १०५ | २२ | ५ | ११० | २३ | ५ | ११५ | २४ | ५ | १२० | २५ | ५ | १२५ |
| २१ | ६ | १२६ | २२ | ६ | १३२ | २३ | ६ | १३८ | २४ | ६ | १४४ | २५ | ६ | १५० |
| २१ | ७ | १४७ | २२ | ७ | १५४ | २३ | ७ | १६१ | २४ | ७ | १६८ | २५ | ७ | १७५ |
| २१ | ८ | १६८ | २२ | ८ | १७६ | २३ | ८ | १८४ | २४ | ८ | १९२ | २५ | ८ | २०० |
| २१ | ९ | १८९ | २२ | ९ | १९८ | २३ | ९ | २०७ | २४ | ९ | २१६ | २५ | ९ | २२५ |
| २१ | १० | २१० | २२ | १० | २२० | २३ | १० | २३० | २४ | १० | २४० | २५ | १० | २५० |

इक्कीसोंके पहाडे. 

| | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| २६ | १ | २६ | २७ | १ | २७ | २८ | १ | २८ | २९ | १ | २९ | ३० | १ | ३० |
| २६ | २ | ५२ | २७ | २ | ५४ | २८ | २ | ५६ | २९ | २ | ५८ | ३० | २ | ६० |
| २६ | ३ | ७८ | २७ | ३ | ८१ | २८ | ३ | ८४ | २९ | ३ | ८७ | ३० | ३ | ९० |
| २६ | ४ | १०४ | २७ | ४ | १०८ | २८ | ४ | ११२ | २९ | ४ | ११६ | ३० | ४ | १२० |
| २६ | ५ | १३० | २७ | ५ | १३५ | २८ | ५ | १४० | २९ | ५ | १४५ | ३० | ५ | १५० |
| २६ | ६ | १५६ | २७ | ६ | १६२ | २८ | ६ | १६८ | २९ | ६ | १७४ | ३० | ६ | १८० |
| २६ | ७ | १८२ | २७ | ७ | १८९ | २८ | ७ | १९६ | २९ | ७ | २०३ | ३० | ७ | २१० |
| २६ | ८ | २०८ | २७ | ८ | २१६ | २८ | ८ | २२४ | २९ | ८ | २३२ | ३० | ८ | २४० |
| २६ | ९ | २३४ | २७ | ९ | २४३ | २८ | ९ | २५२ | २९ | ९ | २६१ | ३० | ९ | २७० |
| २६ | १० | २६० | २७ | १० | २७० | २८ | १० | २८० | २९ | १० | २९० | ३० | १० | ३०० |

 इकतीसोंके पहाडे.

| | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ३१ | १ | ३१ | ३२ | १ | ३२ | ३३ | १ | ३३ | ३४ | १ | ३४ | ३५ | १ | ३५ |
| ३१ | २ | ६२ | ३२ | २ | ६४ | ३३ | २ | ६६ | ३४ | २ | ६८ | ३५ | २ | ७० |
| ३१ | ३ | ९३ | ३२ | ३ | ९६ | ३३ | ३ | ९९ | ३४ | ३ | १०२ | ३५ | ३ | १०५ |
| ३१ | ४ | १२४ | ३२ | ४ | १२८ | ३३ | ४ | १३२ | ३४ | ४ | १३६ | ३५ | ४ | १४० |
| ३१ | ५ | १५५ | ३२ | ५ | १६० | ३३ | ५ | १६५ | ३४ | ५ | १७० | ३५ | ५ | १७५ |
| ३१ | ६ | १८६ | ३२ | ६ | १९२ | ३३ | ६ | १९८ | ३४ | ६ | २०४ | ३५ | ६ | २१० |
| ३१ | ७ | २१७ | ३२ | ७ | २२४ | ३३ | ७ | २३१ | ३४ | ७ | २३८ | ३५ | ७ | २४५ |
| ३१ | ८ | २४८ | ३२ | ८ | २५६ | ३३ | ८ | २६४ | ३४ | ८ | २७२ | ३५ | ८ | २८० |
| ३१ | ९ | २७९ | ३२ | ९ | २८८ | ३३ | ९ | २९७ | ३४ | ९ | ३०६ | ३५ | ९ | ३१५ |
| ३१ | १० | ३१० | ३२ | १० | ३२० | ३३ | १० | ३३० | ३४ | १० | ३४० | ३५ | १० | ३५० |

## एकतीसोंके पहाडे. (२१)

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| ३६ १ ३६ | ३७ १ ३७ | ३८ १ ३८ | ३९ १ ३९ | ४० १ ४० |
| ३६ २ ७२ | ३७ २ ७४ | ३८ २ ७६ | ३९ २ ७८ | ४० २ ८० |
| ३६ ३ १०८ | ३७ ३ १११ | ३८ ३ ११४ | ३९ ३ ११७ | ४० ३ १२० |
| ३६ ४ १४४ | ३७ ४ १४८ | ३८ ४ १५२ | ३९ ४ १५६ | ४० ४ १६० |
| ३६ ५ १८० | ३७ ५ १८५ | ३८ ५ १९० | ३९ ५ १९५ | ४० ५ २०० |
| ३६ ६ २१६ | ३७ ६ २२२ | ३८ ६ २२८ | ३९ ६ २३४ | ४० ६ २४० |
| ३६ ७ २५२ | ३७ ७ २५९ | ३८ ७ २६६ | ३९ ७ २७३ | ४० ७ २८० |
| ३६ ८ २८८ | ३७ ८ २९६ | ३८ ८ ३०४ | ३९ ८ ३१२ | ४० ८ ३२० |
| ३६ ९ ३२४ | ३७ ९ ३३३ | ३८ ९ ३४२ | ३९ ९ ३५१ | ४० ९ ३६० |
| ३६ १० ३६० | ३७ १० ३७० | ३८ १० ३८० | ३९ १० ३९० | ४० १० ४०० |

## (२२) सवाया.

| | | | |
|---|---|---|---|
| १ १। १। | ११ १। १३।।। | २१ १। २६। | ३१ १। ३८।।। |
| २ १। २॥ | १२ १। १५ | २२ १। २७॥ | ३२ १। ४० |
| ३ १। ३।।। | १३ १। १६। | २३ १। २८।।। | ३३ १। ४१। |
| ४ १। ५ | १४ १। १७॥ | २४ १। ३० | ३४ १। ४२॥ |
| ५ १। ६। | १५ १। १८।।। | २५ १। ३१। | ३५ १। ४३।।। |
| ६ १। ७॥ | १६ १। २० | २६ १। ३२॥ | ३६ १। ४५ |
| ७ १। ८।।। | १७ १। २१। | २७ १। ३३।।। | ३७ १। ४६। |
| ८ १। १० | १८ १। २२॥ | २८ १। ३५ | ३८ १। ४७॥ |
| ९ १। ११। | १९ १। २३।।। | २९ १। ३६। | ३९ १। ४८।।। |
| १० १। १२॥ | २० १। २५ | ३० १। ३७॥ | ४० १। ५० |

सवाया. ( २३ )

| ४१ १। ५१। | ५१ १। ६३।।। | ६१ १। ७६। | ७१ १। ८८।।। |
|---|---|---|---|
| ४२ १। ५२॥ | ५२ १। ६५ | ६२ १। ७७॥ | ७२ १। ९० |
| ४३ १। ५३।।। | ५३ १। ६६। | ६३ १। ७८।।। | ७३ १। ९१। |
| ४४ १। ५५ | ५४ १। ६७॥ | ६४ १। ८० | ७४ १। ९२॥ |
| ४५ १। ५६। | ५५ १। ६८।।। | ६५ १। ८१। | ७५ १। ९३।।। |
| ४६ १। ५७॥ | ५६ १। ७० | ६६ १। ८२॥ | ७६ १। ९५ |
| ४७ १। ५८।।। | ५७ १। ७१। | ६७ १। ८३।।। | ७७ १। ९६। |
| ४८ १। ६० | ५८ १। ७२॥ | ६८ १। ८५ | ७८ १। ९७॥ |
| ४९ १। ६१। | ५९ १। ७३।।। | ६९ १। ८६। | ७९ १। ९८।।। |
| ५० १। ६२॥ | ६० १। ७५ | ७० १। ८७॥ | ८० १। १०० |

( २४ ) सवाया. डेढा.

| ८१ १। १०१। | ९१ १। ११३।।। | १ १॥ १॥ | ११ १॥ १६॥ |
|---|---|---|---|
| ८२ १। १०२॥ | ९२ १। ११५ | २ १॥ ३ | १२ १॥ १८ |
| ८३ १। १०३।।। | ९३ १। ११६। | ३ १॥ ४॥ | १३ १॥ १९॥ |
| ८४ १। १०५ | ९४ १। ११७॥ | ४ १॥ ६ | १४ १॥ २१ |
| ८५ १। १०६। | ९५ १। ११८।।। | ५ १॥ ७॥ | १५ १॥ २२॥ |
| ८६ १। १०७॥ | ९६ १। १२० | ६ १॥ ९ | १६ १॥ २४ |
| ८७ १। १०८।।। | ९७ १। १२१। | ७ १॥ १०॥ | १७ १॥ २५॥ |
| ८८ १। ११० | ९८ १। १२२॥ | ८ १॥ १२ | १८ १॥ २७ |
| ८९ १। १११। | ९९ १। १२३।।। | ९ १॥ १३॥ | १९ १॥ २८॥ |
| ९० १। ११२॥ | १०० १। १२५ | १० १॥ १५ | २० १॥ ३० |

डेढा.



| २१ १॥ ३१॥ | ३१ १॥ ४६॥ | ४१ १॥ ६१॥ | ५१ १॥ ७६॥ |
|---|---|---|---|
| २२ १॥ ३३ | ३२ १॥ ४८ | ४२ १॥ ६३ | ५२ १॥ ७८ |
| २३ १॥ ३४॥ | ३३ १॥ ४९॥ | ४३ १॥ ६४॥ | ५३ १॥ ७९॥ |
| २४ १॥ ३६ | ३४ १॥ ५१ | ४४ १॥ ६६ | ५४ १॥ ८१ |
| २५ १॥ ३७॥ | ३५ १॥ ५२॥ | ४५ १॥ ६७॥ | ५५ १॥ ८२॥ |
| २६ १॥ ३९ | ३६ १॥ ५४ | ४६ १॥ ६९ | ५६ १॥ ८४ |
| २७ १॥ ४०॥ | ३७ १॥ ५५॥ | ४७ १॥ ७०॥ | ५७ १॥ ८५॥ |
| २८ १॥ ४२ | ३८ १॥ ५७ | ४८ १॥ ७२ | ५८ १॥ ८७ |
| २९ १॥ ४३॥ | ३९ १॥ ५८॥ | ४९ १॥ ७३॥ | ५९ १॥ ८८॥ |
| ३० १॥ ४५ | ४० १॥ ६० | ५० १॥ ७५ | ६० १॥ ९० |



डेढा

| ६१ १॥ ९१॥ | ७१ १॥ १०६॥ | ८१ १॥ १२१॥ | ९१ १॥ १३६॥ |
|---|---|---|---|
| ६२ १॥ ९३ | ७२ १॥ १०८ | ८२ १॥ १२३ | ९२ १॥ १३८ |
| ६३ १॥ ९४॥ | ७३ १॥ १०९॥ | ८३ १॥ १२४॥ | ९३ १॥ १३९॥ |
| ६४ १॥ ९६ | ७४ १॥ १११ | ८४ १॥ १२६ | ९४ १॥ १४१ |
| ६५ १॥ ९७॥ | ७५ १॥ ११२॥ | ८५ १॥ १२७॥ | ९५ १॥ १४२॥ |
| ६६ १॥ ९९ | ७६ १॥ ११४ | ८६ १॥ १२९ | ९६ १॥ १४४ |
| ६७ १॥ १००॥ | ७७ १॥ ११५॥ | ८७ १॥ १३०॥ | ९७ १॥ १४५॥ |
| ६८ १॥ १०२ | ७८ १॥ ११७ | ८८ १॥ १३२ | ९८ १॥ १४७ |
| ६९ १॥ १०३॥ | ७९ १॥ ११८॥ | ८९ १॥ १३३॥ | ९९ १॥ १४८॥ |
| ७० १॥ १०५ | ८० १॥ १२० | ९० १॥ १३४ | १०० १॥ १५० |

**ढाया.** (२७)

| | | | |
|---|---|---|---|
| १ २॥ २॥ | ११ २॥ २७॥ | २१ २॥ ५२॥ | ३१ २॥ ७७॥ |
| २ २॥ ५ | १२ २॥ ३० | २२ २॥ ५५ | ३२ २॥ ८० |
| ३ २॥ ७॥ | १३ २॥ ३२॥ | २३ २॥ ५७॥ | ३३ २॥ ८२॥ |
| ४ २॥ १० | १४ २॥ ३५ | २४ २॥ ६० | ३४ २॥ ८५ |
| ५ २॥ १२॥ | १५ २॥ ३७॥ | २५ २॥ ६२॥ | ३५ २॥ ८७॥ |
| ६ २॥ १५ | १६ २॥ ४० | २६ २॥ ६५ | ३६ २॥ ९० |
| ७ २॥ १७॥ | १७ २॥ ४२॥ | २७ २॥ ६७॥ | ३७ २॥ ९२॥ |
| ८ २॥ २० | १८ २॥ ४५ | २८ २॥ ७० | ३८ २॥ ९५ |
| ९ २॥ २२॥ | १९ २॥ ४७॥ | २९ २॥ ७२॥ | ३९ २॥ ९७॥ |
| १० २॥ २५ | २० २॥ ५० | ३० २॥ ७५ | ४० २॥ १०० |

(२८) **ढाया.**

| | | | |
|---|---|---|---|
| ४१ २॥ १०२॥ | ५१ २॥ १२७॥ | ६१ २॥ १५२॥ | ७१ २॥ १७७॥ |
| ४२ २॥ १०५ | ५२ २॥ १३० | ६२ २॥ १५५ | ७२ २॥ १८० |
| ४३ २॥ १०७॥ | ५३ २॥ १३२॥ | ६३ २॥ १५७॥ | ७३ २॥ १८२॥ |
| ४४ २॥ ११० | ५४ २॥ १३५ | ६४ २॥ १६० | ७४ २॥ १८५ |
| ४५ २॥ ११२॥ | ५५ २॥ १३७॥ | ६५ २॥ १६२॥ | ७५ २॥ १८७॥ |
| ४६ २॥ ११५ | ५६ २॥ १४० | ६६ २॥ १६५ | ७६ २॥ १९० |
| ४७ २॥ ११७॥ | ५७ २॥ १४२॥ | ६७ २॥ १६७॥ | ७७ २॥ १९२॥ |
| ४८ २॥ १२० | ५८ २॥ १४५ | ६८ २॥ १७० | ७८ २॥ १९५ |
| ४९ २॥ १२२॥ | ५९ २॥ १४७॥ | ६९ २॥ १७२॥ | ७९ २॥ १९७॥ |
| ५० २॥ १२५ | ६० २॥ १५० | ७० २॥ १७५ | ८० २॥ २०० |

ढाया. हूटा. २९

| ८१ २॥ २०२॥ | ९१ २॥ २२७॥ | १ ३॥ ३॥ | ११ ३॥ ३८॥ |
|---|---|---|---|
| ८२ २॥ २०५ | ९२ २॥ २३० | २ ३॥ ७ | १२ ३॥ ४२ |
| ८३ २॥ २०७॥ | ९३ २॥ २३२॥ | ३ ३॥ १०॥ | १३ ३॥ ४५॥ |
| ८४ २॥ २१० | ९४ २॥ २३५ | ४ ३॥ १४ | १४ ३॥ ४९ |
| ८५ २॥ २१२॥ | ९५ २॥ २३७॥ | ५ ३॥ १७॥ | १५ ३॥ ५२॥ |
| ८६ २॥ २१५ | ९६ २॥ २४० | ६ ३॥ २१ | १६ ३॥ ५६ |
| ८७ २॥ २१७॥ | ९७ २॥ २४२॥ | ७ ३॥ २४॥ | १७ ३॥ ५९॥ |
| ८८ २॥ २२० | ९८ २॥ २४५ | ८ ३॥ २८ | १८ ३॥ ६३ |
| ८९ २॥ २२२॥ | ९९ २॥ २४७॥ | ९ ३॥ ३१॥ | १९ ३॥ ६६॥ |
| ९० २॥ २२५ | १०० २॥ २५० | १० ३॥ ३५ | २० ३॥ ७० |

(३०) हूटा

| २१ ३॥ ७३॥ | ३१ ३॥ १०८॥ | ४१ ३॥ १४३॥ | ५१ ३॥ १७८॥ |
|---|---|---|---|
| २२ ३॥ ७७ | ३२ ३॥ ११२ | ४२ ३॥ १४७ | ५२ ३॥ १८२ |
| २३ ३॥ ८०॥ | ३३ ३॥ ११५॥ | ४३ ३॥ १५०॥ | ५३ ३॥ १८५॥ |
| २४ ३॥ ८४ | ३४ ३॥ ११९ | ४४ ३॥ १५४ | ५४ ३॥ १८९ |
| २५ ३॥ ८७॥ | ३५ ३॥ १२२॥ | ४५ ३॥ १५७॥ | ५५ ३॥ १९२॥ |
| २६ ३॥ ९१ | ३६ ३॥ १२६ | ४६ ३॥ १६१ | ५६ ३॥ १९६ |
| २७ ३॥ ९४॥ | ३७ ३॥ १२९॥ | ४७ ३॥ १६४॥ | ५७ ३॥ १९९॥ |
| २८ ३॥ ९८ | ३८ ३॥ १३३ | ४८ ३॥ १६८ | ५८ ३॥ २०३ |
| २९ ३॥ १०१॥ | ३९ ३॥ १३६॥ | ४९ ३॥ १७१॥ | ५९ ३॥ २०६॥ |
| ३० ३॥ १०५ | ४० ३॥ १४० | ५० ३॥ १७५ | ६० ३॥ २१० |

(३१)

**हूटा.**

| | | | |
|---|---|---|---|
| ६१ ३॥२१३॥ | ७१ ३॥२४८॥ | ८१ ३॥२८३॥ | ९१ ३॥ ३१८॥ |
| ६२ ३॥२१७ | ७२ ३॥२५२ | ८२ ३॥२८७ | ९२ ३॥ ३२२ |
| ६३ ३॥२२०॥ | ७३ ३॥२५५॥ | ८३ ३॥२९०॥ | ९३ ३॥ ३२५॥ |
| ६४ ३॥२२४ | ७४ ३॥२५९ | ८४ ३॥२९४ | ९४ ३॥ ३२९ |
| ६५ ३॥२२७॥ | ७५ ३॥२६२॥ | ८५ ३॥२९७॥ | ९५ ३॥ ३३२॥ |
| ६६ ३॥२३१ | ७६ ३॥२६६ | ८६ ३॥३०१ | ९६ ३॥ ३३६ |
| ६७ ३॥२३४॥ | ७७ ३॥२६९॥ | ८७ ३॥३०४॥ | ९७ ३॥ ३३९॥ |
| ६८ ३॥२३८ | ७८ ३॥२७३ | ८८ ३॥३०८ | ९८ ३॥ ३४३ |
| ६९ ३॥२४१॥ | ७९ ३॥२७६॥ | ८९ ३॥३११॥ | ९९ ३॥ ३४६॥ |
| ७० ३॥२४५ | ८० ३॥२८० | ९० ३॥३१५ | १०० ३॥ ३५० |

(३२)

**पोणा**

| | | | |
|---|---|---|---|
| १ ।।। ।।। | ११ ।।। ८। | २१ ।।। १५।।। | ३१ ।।। २३। |
| २ ।।। १॥ | १२ ।।। ९ | २२ ।।। १६॥ | ३२ ।।। २४ |
| ३ ।।। २। | १३ ।।। ९।।। | २३ ।।। १७। | ३३ ।।। २४।।। |
| ४ ।।। ३ | १४ ।।। १०॥ | २४ ।।। १८ | ३४ ।।। २५॥ |
| ५ ।।। ३।।। | १५ ।।। ११। | २५ ।।। १८।।। | ३५ ।।। २६। |
| ६ ।।। ४॥ | १६ ।।। १२ | २६ ।।। १९॥ | ३६ ।।। २७ |
| ७ ।।। ५। | १७ ।।। १२।।। | २७ ।।। २०। | ३७ ।।। २७।।। |
| ८ ।।। ६ | १८ ।।। १३॥ | २८ ।।। २१ | ३८ ।।। २८॥ |
| ९ ।।। ६।।। | १९ ।।। १४। | २९ ।।। २१।।। | ३९ ।।। २९। |
| १० ।।। ७॥ | २० ।।। १५ | ३० ।।। २२॥ | ४० ।।। ३० |

पौणा. ( ३३ )

| ४१ ।।। ३०।।। | ५१ ।।। ३८। | ६१ ।।। ४५।।। | ७१ ।।। ५३। |
|---|---|---|---|
| ४२ ।।। ३१॥ | ५२ ।।। ३९ | ६२ ।।। ४६॥ | ७२ ।।। ५४ |
| ४३ ।।। ३२। | ५३ ।।। ३९।।। | ६३ ।।। ४७। | ७३ ।।। ५४।।। |
| ४४ ।।। ३३ | ५४ ।।। ४०॥ | ६४ ।।। ४८ | ७४ ।।। ५५॥ |
| ४५ ।।। ३३।।। | ५५ ।।। ४१। | ६५ ।।। ४८।।। | ७५ ।।। ५६। |
| ४६ ।।। ३४॥ | ५६ ।।। ४२ | ६६ ।।। ४९॥ | ७६ ।।। ५७ |
| ४७ ।।। ३५। | ५७ ।।। ४२।।। | ६७ ।।। ५०। | ७७ ।।। ५७।।। |
| ४८ ।।। ३६ | ५८ ।।। ४३॥ | ६८ ।।। ५१ | ७८ ।।। ५८॥ |
| ४९ ।।। ३६।।। | ५९ ।।। ४४। | ६९ ।।। ५१।।। | ७९ ।।। ५९। |
| ५० ।।। ३७॥ | ६० ।।। ४५ | ७० ।।। ५२॥ | ८० ।।। ६० |

( ३४ ) पाणा. ४चा.

| ८१ ।।। ६०।।। | ९१ ।।। ६८। | १ ४॥ ४॥ | ११ ४॥ ४९॥ |
|---|---|---|---|
| ८२ ।।। ६१॥ | ९२ ।।। ६९ | २ ४॥ ९ | १२ ४॥ ५४ |
| ८३ ।।। ६२। | ९३ ।।। ६९।।। | ३ ४॥ १३॥ | १३ ४॥ ५८॥ |
| ८४ ।।। ६३ | ९४ ।।। ७०॥ | ४ ४॥ १८ | १४ ४॥ ६३ |
| ८५ ।।। ६३।।। | ९५ ।।। ७१। | ५ ४॥ २२॥ | १५ ४॥ ६७॥ |
| ८६ ।।। ६४॥ | ९६ ।।। ७२ | ६ ४॥ २७ | १६ ४॥ ७२ |
| ८७ ।।। ६५। | ९७ ।।। ७२।।। | ७ ४॥ ३१॥ | १७ ४॥ ७६॥ |
| ८८ ।।। ६६ | ९८ ।।। ७३॥ | ८ ४॥ ३६ | १८ ४॥ ८१ |
| ८९ ।।। ६६।।। | ९९ ।।। ७४। | ९ ४॥ ४०॥ | १९ ४॥ ८५॥ |
| ९० ।।। ६७॥ | १०० ।।। ७५ | १० ४॥ ४५ | २० ४॥ ९० |

ढैंचा. ( ३५ )

| २१ ४॥ ९४॥ | ३१ ४॥ १३९॥ | ४१ ४॥ १८४॥ | ५१ ४॥ २२९॥ |
|---|---|---|---|
| २२ ४॥ ९९ | ३२ ४॥ १४४ | ४२ ४॥ १८९ | ५२ ४॥ २३४ |
| २३ ४॥ १०३॥ | ३३ ४॥ १४८॥ | ४३ ४॥ १९३॥ | ५३ ४॥ २३८॥ |
| २४ ४॥ १०८ | ३४ ४॥ १५३ | ४४ ४॥ १९८ | ५४ ४॥ २४३ |
| २५ ४॥ ११२॥ | ३५ ४॥ १५७॥ | ४५ ४॥ २०२॥ | ५५ ४॥ २४७॥ |
| २६ ४॥ ११७ | ३६ ४॥ १६२ | ४६ ४॥ २०७ | ५६ ४॥ २५२ |
| २७ ४॥ १२१॥ | ३७ ४॥ १६६॥ | ४७ ४॥ २११॥ | ५७ ४॥ २५६॥ |
| २८ ४॥ १२६ | ३८ ४॥ १७१ | ४८ ४॥ २१६ | ५८ ४॥ २६१ |
| २९ ४॥ १३०॥ | ३९ ४॥ १७५॥ | ४९ ४॥ २२०॥ | ५९ ४॥ २६५॥ |
| ३० ४॥ १३५ | ४० ४॥ १८० | ५० ४॥ २२५ | ६० ४॥ २७० |

( ३६ ) ढैंचा.

| ६१ ४॥ २७४॥ | ७१ ४॥ ३१९॥ | ८१ ४॥ ३६४॥ | ९१ ४॥ ४०९॥ |
|---|---|---|---|
| ६२ ४॥ २७९ | ७२ ४॥ ३२४ | ८२ ४॥ ३६९ | ९२ ४॥ ४१४ |
| ६३ ४॥ २८३॥ | ७३ ४॥ ३२८॥ | ८३ ४॥ ३७३॥ | ९३ ४॥ ४१८॥ |
| ६४ ४॥ २८८ | ७४ ४॥ ३३३ | ८४ ४॥ ३७८ | ९४ ४॥ ४२३ |
| ६५ ४॥ २९२॥ | ७५ ४॥ ३३७॥ | ८५ ४॥ ३८२॥ | ९५ ४॥ ४२७॥ |
| ६६ ४॥ २९७ | ७६ ४॥ ३४२ | ८६ ४॥ ३८७ | ९६ ४॥ ४३२ |
| ६७ ४॥ ३०१॥ | ७७ ४॥ ३४६॥ | ८७ ४॥ ३९१॥ | ९७ ४॥ ४३६॥ |
| ६८ ४॥ ३०६ | ७८ ४॥ ३५१ | ८८ ४॥ ३९६ | ९८ ४॥ ४४१ |
| ६९ ४॥ ३१०॥ | ७९ ४॥ ३५५॥ | ८९ ४॥ ४००॥ | ९९ ४॥ ४४५॥ |
| ७० ४॥ ३१५ | ८० ४॥ ३६० | ९० ४॥ ४०५ | १०० ४॥ ४५० |

बडीएका. (४१)

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | १ | १ | ११ | ११ | १२१ | २१ | २१ | ४४१ | ३१ | ३१ | ९६१ |
| २ | २ | ४ | १२ | १२ | १४४ | २२ | २२ | ४८४ | ३२ | ३२ | १०२४ |
| ३ | ३ | ९ | १३ | १३ | १६९ | २३ | २३ | ५२९ | ३३ | ३३ | १०८९ |
| ४ | ४ | १६ | १४ | १४ | १९६ | २४ | २४ | ५७६ | ३४ | ३४ | ११५६ |
| ५ | ५ | २५ | १५ | १५ | २२५ | २५ | २५ | ६२५ | ३५ | ३५ | १२२५ |
| ६ | ६ | ३६ | १६ | १६ | २५६ | २६ | २६ | ६७६ | ३६ | ३६ | १२९६ |
| ७ | ७ | ४९ | १७ | १७ | २८९ | २७ | २७ | ७२९ | ३७ | ३७ | १३६९ |
| ८ | ८ | ६४ | १८ | १८ | ३२४ | २८ | २८ | ७८४ | ३८ | ३८ | १४४४ |
| ९ | ९ | ८१ | १९ | १९ | ३६१ | २९ | २९ | ८४१ | ३९ | ३९ | १५२१ |
| १० | १० | १०० | २० | २० | ४०० | ३० | ३० | ९०० | ४० | ४० | १६०० |

(४२) बडीएका.

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ४१ | ४१ | १६८१ | ५१ | ५१ | २६०१ | ६१ | ६१ | ३७२१ | ७१ | ७१ | ५०४१ |
| ४२ | ४२ | १७६४ | ५२ | ५२ | २७०४ | ६२ | ६२ | ३८४४ | ७२ | ७२ | ५१८४ |
| ४३ | ४३ | १८४९ | ५३ | ५३ | २८०९ | ६३ | ६३ | ३९६९ | ७३ | ७३ | ५३२९ |
| ४४ | ४४ | १९३६ | ५४ | ५४ | २९१६ | ६४ | ६४ | ४०९६ | ७४ | ७४ | ५४७६ |
| ४५ | ४५ | २०२५ | ५५ | ५५ | ३०२५ | ६५ | ६५ | ४२२५ | ७५ | ७५ | ५६२५ |
| ४६ | ४६ | २११६ | ५६ | ५६ | ३१३६ | ६६ | ६६ | ४३५६ | ७६ | ७६ | ५७७६ |
| ४७ | ४७ | २२०९ | ५७ | ५७ | ३२४९ | ६७ | ६७ | ४४८९ | ७७ | ७७ | ५९२९ |
| ४८ | ४८ | २३०४ | ५८ | ५८ | ३३६४ | ६८ | ६८ | ४६२४ | ७८ | ७८ | ६०८४ |
| ४९ | ४९ | २४०१ | ५९ | ५९ | ३४८१ | ६९ | ६९ | ४७६१ | ७९ | ७९ | ६२४१ |
| ५० | ५० | २५०० | ६० | ६० | ३६०० | ७० | ७० | ४९०० | ८० | ८० | ६४०० |

घडीएका. घडीग्यारा. (४३)

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ८१ | ८१ | ६५६१ | ९१ | ९१ | ८२८१ | ११ | ११ | १२१ | १२ | ११ | १३२ |
| ८२ | ८२ | ६७२४ | ९२ | ९२ | ८४६४ | ११ | १२ | १३२ | १२ | १२ | १४४ |
| ८३ | ८३ | ६८८९ | ९३ | ९३ | ८६४९ | ११ | १३ | १४३ | १२ | १३ | १५६ |
| ८४ | ८४ | ५६७० | ९४ | ९४ | ८८३६ | ११ | १४ | १५४ | १२ | १४ | १६८ |
| ८५ | ८५ | ७२२५ | ९५ | ९५ | ९०२५ | ११ | १५ | १६५ | १२ | १५ | १८० |
| ८६ | ८६ | ७३९६ | ९६ | ९६ | ९२१६ | ११ | १६ | १७६ | १२ | १६ | १९२ |
| ८७ | ८७ | ७५६९ | ९७ | ९७ | ९४०९ | ११ | १७ | १८७ | १२ | १७ | २०४ |
| ८८ | ८८ | ७७४४ | ९८ | ९८ | ९६०४ | ११ | १८ | १९८ | १२ | १८ | २१६ |
| ८९ | ८९ | ७९२१ | ९९ | ९९ | ९८०१ | ११ | १९ | २०९ | १२ | १९ | २२८ |
| ९० | ९० | ८१०० | १०० | १०० | १०००० | ११ | २० | २२० | १२ | २० | २४० |

(४४) घडीग्यारा.

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १३ | ११ | १४३ | १४ | ११ | १५४ | १५ | ११ | १६५ | १६ | ११ | १७६ |
| १३ | १२ | १५६ | १४ | १२ | १६८ | १५ | १२ | १८० | १६ | १२ | १९२ |
| १३ | १३ | १६९ | १४ | १३ | १८२ | १५ | १३ | १९५ | १६ | १३ | २०८ |
| १३ | १४ | १८२ | १४ | १४ | १९६ | १५ | १४ | २१० | १६ | १४ | २२४ |
| १३ | १५ | १९५ | १४ | १५ | २१० | १५ | १५ | २२५ | १६ | १५ | २४० |
| १३ | १६ | २०८ | १४ | १६ | २२४ | १५ | १६ | २४० | १६ | १६ | २५६ |
| १३ | १७ | २२१ | १४ | १७ | २३८ | १५ | १७ | २५५ | १६ | १७ | २७२ |
| १३ | १८ | २३४ | १४ | १८ | २५२ | १५ | १८ | २७० | १६ | १८ | २८८ |
| १३ | १९ | २४७ | १४ | १९ | २६६ | १५ | १९ | २८५ | १६ | १९ | ३०४ |
| १३ | २० | २६० | १४ | २० | २८० | १५ | २० | ३०० | १६ | २० | ३२० |

बड़ीग्यारा। ( ५९ )

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १७ | ११ | १८७ | १८ | ११ | १९८ | १९ | ११ | २०९ | २० | ११ | २२० |
| १७ | १२ | २०४ | १८ | १२ | २१६ | १९ | १२ | २१६ | २० | १२ | २४० |
| १७ | १३ | २२१ | १८ | १३ | २३४ | १९ | १३ | २४७ | २० | १३ | २६० |
| १७ | १४ | २३८ | १८ | १४ | २५२ | १९ | १४ | २६६ | २० | १४ | २८० |
| १७ | १५ | २५५ | १८ | १५ | २७० | १९ | १५ | २८५ | २० | १५ | ३०० |
| १७ | १६ | २२७ | १८ | १६ | २८८ | १९ | १६ | ३०४ | २० | १६ | ३२० |
| १७ | १७ | २८९ | १८ | १७ | ३०६ | १९ | १७ | ३२३ | २० | १७ | ३४० |
| १७ | १८ | ३०६ | १८ | १८ | ३२४ | १९ | १८ | ३४२ | २० | १८ | ३६० |
| १७ | १९ | ३२३ | १८ | १९ | ३४२ | १९ | १९ | ३६१ | २० | १९ | ३८० |
| १७ | २० | ३४० | १८ | २० | ३६० | १९ | २० | ३८० | २० | २० | ४०० |

( ५६ ) आना.

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| )। | ≡) | ।-)।।। | ॥)॥ | ।।।≡)। | ।।।-)।।। |
| )॥ | ≡)। | ।=) | ॥)।।। | ॥≡)॥ | ।।।=) |
| )।।। | ≡)॥ | ।=)। | ॥-) | ॥≡)।।। | ।।।=)। |
| -) | ≡)।।। | ।=)॥ | ॥-)। | ।।।) | ।।।=)॥ |
| -)। | ।) | ।=।।। | ॥-)॥ | ।।।)। | ।।।=)।।। |
| -)॥ | ।)। | ।≡) | ॥-)।।। | ।।।)॥ | ।।।≡) |
| -)।।। | ।)॥ | ।≡)। | ॥=) | ।।।)।।। | ।।।≡)। |
| =) | ।)।।। | ।≡)॥ | ॥=)। | ।।।-) | ।।।≡)॥ |
| =)। | ।-) | ।≡)।।। | ॥=)॥ | ।।।-)। | ।।।≡)।।। |
| =)॥ | ।-)। | ॥) | ॥=)।।। | ।।।-)॥ | १) |
| =)।।। | ।-)॥ | ॥)। | ॥≡) | | |

## संख्या.

| | |
|---|---|
| १ | एक. |
| १० | दश. |
| १०० | सौ. |
| १००० | हजार. |
| १०००० | दशहजार. |
| १००००० | लाख. |
| १०००००० | दशलाख. |
| १००००००० | करोड. |
| १०००००००० | दशकरोड. |
| १००००००००० | अर्व. |
| १०००००००००० | खर्व. |
| १००००००००००० | दशखर्व. |
| १०००००००००००० | पद्म. |
| १००००००००००००० | महापद्म. |
| १०००००००००००००० | जलधि. |
| १००००००००००००००० | अंत्य. |
| १०००००००००००००००० | मध्य. |
| १००००००००००००००००० | परार्ध. |

### विगतजोडलगावणेकी.

पसतर तो कची पायां लेषणी फेर आना लेषणा फेर पक्की पायां लेषणी पछे पेला अषर लेषणो पीछे जतरा अषरा होवे सो लेषे जाणा इणीतर लगाणी.

और पेलां कच्ची पायां लेषणी एक पायी आवे तो एक धरणी दो पायी आवे तो दोय धरणी तीन पाई आवे तो तीन पाई धारणी चार आवे जदी आलायदो) करणो हाथको एक आनो गुणो असी तरे चार पायांपर एक एक आनो बधायाजाणो और आनामें पण आनो एक आवे जठे एक आनो करणो दोय आवे जठे दोय आना करणा तीन आवे जठे तीन आना करणा और चार आना आवे जठे आलायदो ) करणो हाथको एक पावलो लेषणो इसीतरेसे आनाकी जोड लगावणी. चार चार आनापर एक आलायदो देणो और चार चार आनापर एक एक पावलो हाथको बधाये जाणे और पक्की पायांकी जोडमांहे एक पावलेकी एक पाय धरणी दोय पावलेकी दोय पाय धरणी तीन पावलेकी तीन पाई धरणी चार पावलेकी आर करणी ) हाथको एक रुप्यो लेषणो आसीतरे चार पक्की पायांपर अरा दीये जाणो हाथको रुप्यो एक एक चार चार पायांपर बधाये जाणो. और रुपयाकी जोड लगावणी जदी कच्ची पायांकी लगायने हाथको आवे सो आना सामल लेपणो और आनाकी जोड़ लगायने हाथको आवे सो पक्की पायां सामल लेपणो प्र. रुपयामें एकसे लगायने ९ तक तो आवे जूं आंक जोडम धरणो और दश आवे जठे मिडीं मेलणी हाथको एक लेपणा असीतर दश दशपर एक एक सुम लगाणी हाथको पण दशलासे एक एक बधाय जाणो इस तरे जोड लगाणी.

## जोड लगावणेकी रीती.

| | | |
|---|---|---|
| २ २ ४ ५ | ३५४०१॥≡। | ३३५४ ॥= |
| १ ३ ५ ४ | ६४५५५।॥≡॥ | ३५४५ ॥= |
| ३ ९ ३ १ | ७८५४७॥=। | ३५४५४ ॥≡ |
| ३ ५ ४ ५ | २३०५४॥≡॥ | ६९५४३ ॥≡ |
| ९ १ ८ १ | ७३५४३९।॥≡। | ७९३५४३॥≡ |
| ३ ९ ३ ६ | ९७३४५४॥≡॥ | १००००४ ॥≡ |
| ४ ३ १ ३ | ७३५४०३॥≡॥ | ६५०३०३० ॥≡ |
| ७ ९ ० ३ | ६७४५४॥।≡।॥ | ७३५४३०१ ॥≡ |
| ३ ६ ४० ८ | २७१३३०३।=॥ | १४८६२७७९॥= |

बाकी काडणी जणीकी विगतके ऊपर जो अंक होवे उस माहे सूंनी चल आंक काटने बाकी जो अंक तथा आना पाई आवे सो लष देणी.

## बादबाकी.

| | | |
|---|---|---|
| २५४५४ | ३३५४५॥≡॥ | ३५४५०३॥=॥ |
| बाद ३५४५ | बाद १५४५॥≡॥ | बाद३५४०५॥≡। |
| बाकी २१९०९ | बाकी ३२००० | बा.३१९०९७॥≡। |
| १३४५०१०१ | १०००००००१॥ | १००००००००१ |
| बाद१३४५०१०॥ | बाद १००००००० | बाद१०००००००॥ |
| बा.१२१०६०९०॥ | बाकी ९००००००००॥ | बाकी१००००००००॥ |

गुणाकार ।

| | | |
|---|---|---|
| १५४५४ | ३५४५५ | १३५४५३५४१ |
| गुणाकार२१ | ३५३५ | १५४५५४५ |
| १५४५४ | गुणाकार | गुणाकार |
| ३०९०८ | १७७२७५ | इसतरेसूं ६७७२६७७०५ |
| ३२४५३४ | १४१८२०० | करणी ५४१८१४१६४० |
| जुमले | १७७२७५०० | ६७७२६७७०५०० |
| | १०६३६५०० | ६७७२६७७०५००० |
| | १२५६८७९७५ | ५४१८१४१६४०००० |
| | | ६७७२६७७०५००००० |
| | जुमले | १३५४५३५४१०००००० |
| | | २०९३४९५४३०२४८४५ |

भागाकार ।

| | | |
|---|---|---|
| ३२४५३४ | १२५६८ | १२५६८७९७५ |
| २१ भाग | १०६३५ | जणाने भागदेणो. |
| १५४५४ | बाकी १९३३७ | ३५४५ |
| ११४ | १७७२५ | जणेकारु ३५४५५ |
| १०५ | बाकी १६१२९ | प्या हुवा. |
| ९५ | १४१८० | |
| ८४ | बाकी १९४९७ | |
| ११३ | १७७२५ | |
| १०५ | बाकी १७७२५ | |
| ८४ | | |

# विगत हुंडियाका लेषाकी.

लेषा पक्का रुप्या होवे उणाकां कच्चा करणा सो भावप्रत १०६।) होवे तो एक आनीको बट्टो प्र. ११२॥) होवे तो दोय आनीको बट्टो प्र. ११८॥।) होवे तो तीन आनीको बट्टो प्र. १२५) होवे तो सवाया लिषणा प्रत. १३१) होवे तो रु० १।) को बट्टो और प्र. २३७॥) होवे तो रु. १।=) को बट्टो और भाव प्र. इणसूं कमती जादा होवे तो जतरे आनेको बट्टो होवेने भाव बधा होवे तो बधा देणो भाव घटती होवे तो घटाय देणो और रुप्या एकका अंकजणी भाव घाले जणी भावलेषणा और रु. १) का अंक १००) भागणा आणी तरे सूं पक्का कच्चा करणा बट्टो बारलो.

१८२२॥) रु. १५००) पक्का जणांका कच्चा करणा प्र. २ बट्टा. रु १≡) नेका अंक २॥।) को हुवो जणीने पनरेका गुणा देणा जणाका रु. २॥।) को सेकडा हुवो सो रु. १७८१) बाकी अंक २॥।) बध्या सो उणाका रु. ४१ ।) हुवा जुमले भेला करने सिरे चढादेणा.

२८१०॥।-।) रु. २२२२) पक्का जणीका कच्चा करणा प्र. २६॥) लेषे सो बटो प्र. रु१।) १॥) आषको हुवो सवाया करनेअंक १॥) का दाम बधाय देणा.

२३०२॥-) रु. १७५१) पक्का जणेका कच्चा करणा प्र. १३१॥) लेषे बट्टो प्र. ।-)अंक ।) काहुवो सो रु. १७००) का पांच अनी अंक ।) के हिसाबसूँ रु. २२३५॥) हुवा.

रु. ९१ का आना २९९ अंक. १२॥। हुआ जणीका रु. ६७–) हुवा जुमलै ० २३०२॥–) हुवा.

३८७७।)॥। रुपया ३४३१ ।) पक्का जणीका कच्चा करणा प्र. ११३) जणीका रु.=) अंक. ॥ हुवा.

## लेपा कच्चा रुप्या जणाका करणा वट्टो वारलो.

भावप्रत २५) लेपे होवे तो भीतरसूं सवाया करणा. भाव प्रत पच्चिस सूं वधती होवे तो भीतरसूं सवाया करणा जणां माहेसूं आंकरा दाम घट्टाय देणा और पच्चीससूं घटती भाव होवे तो आंकरा दाम वधाय देणा अंक रुप्या १) का रुप्या १००) लेपणा जण भाव वाले रतरा अंक रुप्या १) का भांगणा.

७१)॥। रुप्या १००) कच्चा जणीका करणा प्रत १२६ ॥) लेपे सो भीतरसूं सवाया रुप्या ८०) हुवा फेर अंक १॥) बध्यो जणाका अंक १२० हुवा सो प्रत १२६ ॥) के भाव सूं काटचा जणाका रुप्या ॥।≡)।वाद करणा रु ८०) माहसूं.

८०।≡) रुप्या १००) कच्चा जणेका पक्का करणा प्रत १२४।–) लेपे सो भीतरसूं सवाया रुप्या ८०)तो एक हुआ फेर अंक ॥≡) वधाया जणीका अंक ५९ सो प्रत १२४।–) लेपे आना रुप्या ।≡) हुवा सो रुप्या ८०) में वधाय देणा.

२८९१–)॥। रुप्या ३५३१) कच्चा जणेका पक्का करणा प्रत १३ ॥)

२७११॥=)॥ रुप्या ३४९१) कच्चा जणाका पक्का करणा
प्रत १२७।)

---

लेषा हुंडावणका कच्चाका पक्का करणा बट्टो भीतरलो

रुप्या १) का अंक जणे भाव घाले जतरा गुणना और रुप्या १) का अंक प्रत १००) के भाव भांगणा भाव प्रत ८०) लेषे होवे तो सवाया माहे सूं करणा और भाव प्रत असीसू बधती होवे तो सवाया करणा जणमें बधायदेणा और भाव प्रत ८०) सूं कमती होवे तो सवायासूं घटाय देणा.

२८९३।) रुप्या ३१५०) कच्चा जमाका पक्का करणा प्रत
८१॥) सो भीतरसूं सवाया रुप्या २८४०) एक हुआ
और रुप्या १॥) बधायो जणे का रु. ५३ ।) एक हुवा
जुमले रुप्या २८९३ ।) हुवा इसी तरेसों करे जाणा.

२४४९=) रुप्या ३१५०) कच्चा जणाका पक्का करणा प्रत ७७।।।)
लेषे जणाका रुप्या भितरसूं सवाया रुप्या २५२०) हुआ
फेर अंक २।) काटणा सो रु. ७० ॥=) बाद किना
बाकी रु.२४४९=)

१२॥।) रुप्या १५॥) कच्चा जणेका पक्का करणा प्रत ८२।)
जणैका भितरसूं सवाया रुप्या १२) एक हुवा अंक २।)
का तौ एक बधाण और आना रु. ॥) का एक बधाणा जणेका
अंक ३३॥।) अंक हुवा और आना आठका अंक ४१=)
जुमले अंक ७॥=) जणेका प्रत १००) रुप्या ॥=)हुआ
सो सवाया बधायमें बधाय देणा जीणीका रुप्या १२॥।

१६।।।=) रुप्या २१।।) कच्चा जणाका पक्का प्रत ७८।।) जणा का रु. १७) बाकी रु. ।।) तो एक बंचो और अंक २१।।।=) अंक वध्या जणीका सो घटाणा रुप्या ।) १९।।=) बाद बाकी अंक १२।) का आना रुप्या =) घटाणा बाकी रु. १६।।।=)

---

लेपा पक्का रुप्या जणांका कच्चा करणा जाणीकी विगत.

बट्टो भीतर लो रु. १ का अंक १००) लेषणा और जणे भाव घाले जतरा अंक रुप्या १ का काटणा और भाव प्रत ८०) लेषे घाले तो सवाया करणा और भाव प्रत ८०) सूं बधती होवे तो सवाया माहे सूं घटाय देणा. और भाव प्रत ८०) सूं कमती होवे तो सवायाम सूं बधाय देणा.

१२२।।≡)। रुप्या १००) पक्काजणेका कच्चा करणा प्रत ८१।।) बाकी रुप्या १८।।) बध्या जणाका सवाया रुप्या २२=) हुवा जणा माहे सूं अंक १।।) का दाम घटाणा सो अंक २४।।≡) हुवा उणाका प्रत ८१।।) लेषे रुप्या ।=)।।। हुवा सो रुप्या २२=) मधे बाद कीना. बाकी रुप्या २२।।≡।) रहा.

१२९ ।≡।) रुप्या १००) पक्का जणाका कच्चा करणा प्रत ७७।) लेषे सो रुप्या १००) तो एक हुवा बाकी रुप्या २२।।।) रहा जणाका रुप्या २८।≡) हुवा और अंक २।।।) का बधाणा जणाका अंक ७८।) रहा सो

प्रत ७७।) लेषे रुप्या १) हुवा सो रुप्या २८।≡) में बधाणा जुमले रुप्या १२९।≡) हुवा.

---

विगत लेषा सोनेके हिसाबके लिषनेकी तरह.

सोनो तोलो १ कारु, घालने मासे एक को केवतो जणी भाव घाले उतराई अंक हुवा रती एकरो घाले तो पण जणी भाव तोळो होवे उतरा अंक लेषणा और मुंगरो घाले तो- पण जणी भाव तोळे घाले उतरा अंक लेषणा अंक भांगणा ईणी भांत मासामें तो रुप्या १) का अंक १२ काटणा और रती यामें आने एकका अंक ६ काटणा और मुंगामें आने एक का अंक १८ काटणा इणीतरेसूं सोनेका लेषा करणा. और तो लाका तो जण भाव घाले और जतरा तोलाको घाले उणाना उतरा गुणदेण और इणी सिवाय फेर जतरे रुप्या तोलो घाले जतरा आनाको पूण मासो लेषणो और पूण मासाका उतराई दाम लेषणा.

३४९॥≡)॥ सोनो तोळा १५।) मासा १।)रती १) प्रत २२॥)
३॥ सोनो मासा २ प्रत २१) लेषे तो अंक ४२) हुवा
प्रत रुप्या १) का अंक १२

।-)॥। सोनो रती १॥ प्रत २२॥) लेषे अंक ३३॥) हुवा
जणाका प्रत -) का अंक ६) काटणा.

≡) सोनो मुंग २॥) प्रत २१॥ लेषे अंक ५३॥) हुवा
जणेका प्रत -) का अंक १८ काटणा.

१ ।≡)॥ सोनो मासो ॥।) प्रत २२॥)

रती४॥ मुंग ।) सोनो तोळो १) का रु. २१) जदी रु. १) को लेणेसो रु. १) का अंक १६) लेवणा और रती एक भारका अंक २१) काटणा.

मुंग ॥।) सोनो तोळे अंक का रु. २२॥) जदी-)को लाणो सो १८) हुआ मुंग एकका अंक २२॥) काटणा.

---

लेपा चांदी कारी विगत लिपते.

रुप्या १. की चांदी मासा जतरा घाले उतरा मासाका रु. १२) लेपणा और मासे एक का अंक १६) लेषणा और रु. १) की जतरा मासा घाले जतरा अंक आने एक का काटणा इसतरेसूं भाजकार करणी और रु.-) को तथा दो या चार आनाकी चांदी मंगावे तो आने ९कको जितरे मासे रुपये १) की होय उससूं आधी रती केहेणी.

२७॥।=।) चांदी तोळा २१॥) प्रत रु. १) की मासा ९।)
≡॥) चांदी रुप्या१) की मासा ९॥) जदी मासा २ को कांई हुवोके अंक ३२) हुवा और आने -) का अंक ९॥) काटणा.

रती ४ मुंग २।) चांदी रु.१)की मासा ४॥।) जदी आना रु.=) की कतरी अंक १४।) हुवा रती अंक भरका अंक ३॥।) काटणा. और चांदी का लेपा घालेने मासे १ को घाले तो मासे १) का अंक १६) लेषणा और आने एक का अंक रु. १) का जतरा मासा घाले उतरा भागणा.

मासो॥) अंक॥।) चांदी रु.१) का मासा८॥)जदी आना रु.-) की कतरी हुई जंदी जतरा मासा घाले उणाका डेढा मुंग

करने बताय देणा फेर मुंग मासा १ के अंक २४ काटणा किसवास्तेके कहां कहां मासेमें रती छे भी होती हैं. जीससे मुंग २४ सब जगे होतेहैं तो मुंग पे हिसाब होवे तो भुल न पडे.

---

लेपा अंमलकरी विगत लिपते.

आमल घडी १ का रु. जतरा घाले उतरा अंक सेरऽ१ का लेषणा और रु०-॥ भरका पण उतराईज अंक लेषणा और रुप्या १ भरका घाले तोपण उतराईज अंकलेषणा और सेरमें जतरा सेरका धडा होवे उतरा अंकको रुप्यो १॥ लेणो और आनाभरमें उतरा अंकरो रुप्या -॥ लेषणो और रुप्या भरमें सेर जतरा रुप्या भारको होवे. उणोना सोलाका भाग देणो सोलाके भागसूं जतरा होवे उणाका जतरा सेरकी धडी होवे उतरा उणा देने उतरां आकारो आनो रु. -॥ गुण लेणो.

९००९॥ अंमल मण ४५॥॥ प्रत ४९॥॥ लेषे घडी ऽ१० की.

१०।)॥। अंमल सेरऽ२प्रत ५१॥। लेषे घडी १ऽ१०॥ की जणेका अंक १०३ ) प्रत रु. अंक १०॥ काटणा.

॥=॥॥अंमल घडी १ का रु. ४७॥॥ जदी रु.=॥ भरको कांई हुवोजणोका अंक ९५ हुआ आने एकका अंक १० काटणा.

≡॥ दमडी २॥। घाट अंमल घडी १ का रुप्या ४८॥ जदी रुप्या १॥॥ भरको कांई हुवो सो अंक ७२॥। हुवा आने एकरा अंक २५ काटणा. करण ऽ१ रु. ४०॥

मरको छे सो सोलेके भागसूं अंक २॥ हुवा जणाना १०
गुणादीना सो अंक २५ हुआ.

रु. ८ भार होवे रु. ५०) की अंमल धडी १) जदी रु. १) कोला
वोऽ १ रु. ४०) भारको धडा १ऽ१० का जतरा रु. भार
को सेर हुवोने जतरो सेरकी धडी होवे उतरा आकारो रु. १)
का गुणना जतरे दुधडी १ होवे उतग आंकारो रु. १)
भर लेपणो अंक रु. १) का ४००) हुवा भाव प्रत ५०)
का रु. १ भर काटणी.

और अफीमका बोजाका लेपा पण घडासूं होवेछे.
बोज १ मण छ ६ को धडी १ ।) की जणी भाव घाले तो
चोबीस गुणे देने बोज एकका के देणा.
१२२६) प्रत ५१॥) लेपे धडी जदी बोज १ का.
और अमलकी पेटी मण २ ॥) की होवे छे पेटीमें रतल
१४० ) ममाई मधे गणीजे छे सो पेटीको भाव होवे उतरा अंक
रतल १ का गुणना और रु. १ का अंक १४० काटणा.
२२) पेटी १ का रु. १५४०) जदी रतल २ का कांई हुवा सो
अंक ३०८० हुवा रु. १ का अंक १४० के भाव काटणा.

लेपा रुईका लिपते.

जतरा रुपे बोरी १ जदीऽ१ को कांई हुवो जतरा रुप्या
बोरी होवे उतरा अंक सेर एकका लेपणा और जतरा मणकी
बोरी होवे गुणना अंक ७। इ गुणाकरने उतरा अंक को
रु. -) लेपणो और आनेरु. -) भरको घाले तो जीता रु. बोरी.

होवे उणा आनाका रु. प्र. होवे उतरा अंक आने एक भरका लेषणा. और आने एकका काटना. जातामणकी बोरी होवे उणांनां अंक ७। री गुणा देणे उतरा अंकको आनो एक लेषणो.

और रुप्या १) को लावणी होवे जदी जता मणकी बोरी होवे उणा अंक ७। या गणने उतरा अंक रु. १ का लेषणा और सेर १ का जतरा रुपे बोरी होवे उतरां आनाका रुप्या करने उतरा अंक लेषणा और रुप्या-) को घाले तो पण इण मुजब अंक करणा. रुप्या-) भरका अंक इण मुजब काटणा.

≡) रुईकी बोरी १ का रुप्या ७० बोरी मण ८ की जदी ऽ१ को कांई होवेके ऽ१ के अंक ७०) हुवा अने एकका अंक २० करणा.

ऽ। रुईकी बोरी १ का रु. ८०) बोरी ८ की जदी रु०-) भरको कांईहुयोके आना असीका रु० ५) हुवा सो आने एक भरका अंक ५ हुवा सो अने एकका अंक २० काटणा जदी अंक ५ को ऽ। सेर हुवो.

ऽ४।≡) बोरीका रुप्या ८१) बोरी रुई मण ९ की जदी रुप्या १) की किती हुईके रु. १ का अंक नव अढया २२॥ लेषणा औरऽ१ भरका अंक जता रु. बोरी रु. उतरा आना कारु. होवे उतरा लेषणा सो अंक ५-) कोऽ १ लेषणो.

सेर। रुईकी बोरी १ का रु. ८० जदी रु०-) की लावणी बोरीमण ८ की सो आने एकका अंक आठ अढाया २० हुवा आने एक भरका अंक ५ काटणाके जते रुपे

बोरी होवे उतरा आनाका ३५ करणा उतरा अंक आने एक भरका लेषणा.

जितने रुपये बोरी तो मणका उससे दूणा आना और आद-मणका उतई रुप्या और धड़ीका उससे आधा आना और पानसेरका उससे चौथाई आना.

---

लेपा कपडाका.

जतरे रुपे कापडो होवे, उतरा अंक नगाका लेपणा और रु. १ का अंक २० काटणा और जतरा रुपये थान होवेने हाथाको लावणो सो थानका हाथ पूछ लेणा जतरा रुपे थान होवे उतरा अंक हाथ एकका लेपणा और जतरा हाथ को थान होवे उणना १६ को भाग देलेणा सोळेके भागसूं जतरा अंक वैठे उतरा अंकरो आनो एक लेपणो और रु. १) को लावणो होवे जदी थानका हाथ होवे उतरा अंक रुपे १) का लेपणा और जणभाव चाले उतरा अंकारो हाथा काटणो और एकको लावणो होवे तो जतरा रु. थान होवे उतरा अंक रु.-) का गणना और हाथ १ का जतरा हाथाको थान होवे उतरा अंक काटणा.

---

विगत कपडो वगैरे लेपाकी.

१॥।) कोडी १ का रु. ३५) जदी नग १ को करणो कोडीमें नग २० होवेछे सो नग १ का अंक ३५ हुवा प्रत २० का

।≡) कपडो थान एकका रु. १०) थान हाथ ४५ को जदी हाथ २ को लावणो जदी अंक २० हुवा आनेके अकरा अंक २॥।-) काटणा.

हा. ५॥।) कपडो थान १ का रु. १२॥) थान हात ७२ का जदी रु० १) को कतरो आयोके अंक ७२ हुवा हाथ १ का अंक १२)

हा. ॥) कपडो थान १ का रु. १२ ॥) थान ५० हाथको जदी रु०=) को कतरो हुवोके अंक २५ हुवा. अंक ५० की हाथ १ लेषणो.

॥) कपडाको थान १ का रु० १०) थान नग ४२ को जदी गजमें अंक ८ जदी अंक ३ को कांई हुवो सो अंक १ का अंक १० ॥) लेषणा. आने १ का अंक जतरा गजको थान होवे उनसूं आधा काटणा सो २१ का काटणा अंक ३१॥) हुवा आने १ क अंक २१).

---

लेषा कनारगोटो तथा कलावत्तु तथा पेमषराकी.

कलावत्तु तोलो १ का रुप्या २।) जदी मासे १ के लावणो जतरे रु. तोलो होवे उतरा आना होवे उतरा अंक मासा १ क लेषणा और रत्ती १ का पण उतराई लेषणा भागणा मासेको वाले जदी तोलो रु.-) का १२ और रत्तीको वाले जदी मासेकी रत्ती ६ होवे तो रु०-) ७२ काटणा और मासे की रत्ती ८ होवे तो अंक ९६ को आनो लेषणो.

)। कलावत्तु तथा कनारी तथा पेमष तोलो १ का रु. २॥-) जदी मासे १। को कांई हुयो अंक ५१ हुवा -) का अंक १२.

॥।) दमडी १॥ तोले का रु० २।=) जदी रती १॥) क्या हुवा मासेमें रत्ती ६-) अकरा अंक ७२.

॥॥१ ॥ दमडी तोलो १ का रु. २=) जदी रत्ती २। को कांई होवो मासे एककी रत्ती ८

---

लेषा रोजगार आदमी वगैरे नोकराकारी विगत.

जतरा रुप्याको महिनो होवे उतरा दिन १ का अंक लेपणा और रुप्या १ का जतरा दिना को महिनो होवे उतरा अंक काटणा.

॥=)॥ मास १ का रु. ११) जदी दिन २॥ को अंक २७॥
१)॥ मास १ के रु. ४॥) जदी दिन ७ को अंक ३१॥ प्रत ३०
॥≡। ) मास १ का रु. ५) जदी दिन ४॥ को मास १ का दिन
३२ जदी अंक २॥ हुवा रु. १ का अंक ३२

१॥ सिधश्री सवाई जेपूर शुभसुथाने भाई नारायण दास गणेशदास जोग श्री रतलामसूं लषतु गणेशदास सिवपरसादको जैगोपाल वांचजो उपरंच हुंडी १ रुप्या १०००) अषरे रुप्या एक हजारकी नेमे रुपे पांचसोहोका देवणा पुरा इठे राषा सोभागमल चांदमल पास. मिती आसोज वदी १ थी दिन २१ पीछे साहा जोग रुप्या हुंडी चलणका सनद दरसनदको जबाव देजण जोग दीजो संमत १९२९ आसोज वदी १

नेमे नेम रुपे अढाईसो का चोगणा पुरा रु. एक हजार कर दीजो.

रुपया १०००)

१॥ सिधश्री सवाई जेपुर शुभसुथाने भाई नारायणदास गणेशदास जोगश्री रतलामसुं लषतु गणेशदास शिवप्रसादको जैगोपाल वांचजो उपरंच हुंडी १ रुपे एक हजारकी अषरे रुपे एक हजारकी नेमे रुपे पांचसोहोका दुणा पुरा इठे राषा सो-भागमल चांदमल पास मिती आसोज वदी १ थी दीन २१ पीछे साहाजोग रु. हुंडीचलणकी लषी हती सो राषावालो धणी केवे छे के हुंडी षोईगई छे सो हुंडी षोयगई होवे तो आपणो रोजनामो षातो नकल रोकड चोकसदेषने इण पेट परमाणे सिकार दाम दीजो कदास हुंडी आगे सकारी होवे तो पेट रद्दछे वांचीने फेर दीजो सनत नग २ तुमारे ऊपर कीनीछे जणे मधे सनत नग १ का दाम मुजरे भरदे सो संमत १९२९ आसोज सुदी १

१॥ सिधिश्री सवाई जेपुर शुभसुथानेक भाई नारायणदास गणेशदास जोगश्री रतलामसुं लषतु गणेशदास सिवप्रसा-

दको जैगोपाल वांचजो उपरंच हुंडी १ रुप्या एक हजारकी अषरे रुपये एक हजारकी नेमे रुपये पांच सोहोंका दुगणा पुरा इठे राषा सोभागमल चांदमल पास मिती आसोज वदी १ थी दीन २१ पीछे सहाजोग रुप्या हुंडी चलणका लषा हता जणेकी पेठलषी मिति आसोजसुदी १ लषी जो रुप्या वालो धणी केवेछे के हुंडी तथा पेठ दोनों षोयगयीछे सो हुंडी तथा पेठ दोनोई षोई होवे तो आपणो रोजनामो षातो नकल रोकड चोकस देषने इणे पर पेठ परमाणे सिकार दाम दीजो कदास हुंडी तथा पेठ आगे सकारी होवें तो परपेठ रद्दछे वांचीने फेर दीजो सनत नग २ तुमारे उपर किनीछे जणे मधे सनत नग १ का दाम मुजरे भरदेसा संमत १९२९ आसुज सुद ११

परपेठ छै.

१॥ सिधश्री सवाईजेपूर शुभसुथाने सरवोपमा लायक सकल सराफेका पंच समस्त जोग श्री रतलामसुं लषतु सरव सराफेका पंच समस्तका जोहार वांचजो उपरंच हुंडी १ रुप्या १०००) नारायणदास गणेश उपर लिषी ईठासूं गणेशदास शिवप्रसादकी राषा सोभागमल चाँदमलपास आसोज वदी १

थी दीन २१ पीछे सहाजोग रुपया हुंडी चलणका जणेकी पेठ लषी मिती आसोज सुदी १ परपेट लषी आसोज सुद ११ की लषी हतीसो राषावालो धणी केवे छे के हुंडी तथा पेठ तथा पर पेठ तीनोई षोईगईछे सो हुंडी तथा पेठ तथा पर पेठ षोई गई होवे तो थे उणको रोजनामो षातो नकल रोकड वहां चोकस देषने अणे मेजर परवाणे सरकार दाम दीजो कदास हुंडी तथा पेठ तथा परपेठ तीनोई माहेली आगे सकारी होवे तो मेजर रद्दछे वांचेने फेर दीजो सनत नग ४ चार उणारे उपर किनी छे जणे मधे सनत नग १ एकरा दाम मुजरा भर देसां संमत १९२९ काती बदी १

। साष १ मगनीरामजी बभूतसिंघजीकी.

। साष १ गणेशदास कसनाजीकी.

। साष १ धनरूपमल राजमलकी.

। साष १ लछमणदास फतेमलकी.

। साष १ शिवलाल मोतीलालकी.

---

१॥ लडकोंका दसकत जमावणा जदी पाटीपे इणेभात लषदेणा सो उस मुजब नीचे लडको देषा देष मांडे तो दसकत जलदी जमे,

१॥ श्री प र मे स र जी.

१॥ श्री दा ता ध न को स भा व

बा ला मा हे ष गु घं टा आ ई

पु ठ ज ड ढ रु तु च रे छे

था णी ञ फा;

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९

श्री ।

॥ विगत नकल जमा षरच करणेकी के कुल हुंडीकी नकल १६ होवे छे जणे मधे नकल नग ८ हमारे घरु और नकल नग ८ तुमारे घरु केवेछे और हमारे घरु किसनें केवेछे के जो रु. आदेसावर चलण उसना तो हमारे घरु ओर रु. जणी गांममें दुकान होवे वो रु. तुमारे घरु. केवेछे सो बाजब छे सो नकल लेहणी जठे भाव होवे तो मिती कची करणी जठे भाव नहीं होवे जठे मिती पक्की करणी.

---

विगत नकल नग ८ हमारे घरु जणीकीके हुंडी.

१ आपा आपणी षुसीसूं देसावर उपर करा.

२ आपा आपणी षुसीसूं देसावर वाले पासे करावां आपके उपर.

३ तीजी आपा आपणी षुसीसूं लेषी भेजी.

४ चौथी आपा आपणी षुसीसूं मंगावी.

५ पांचमी आपा आपणी षुसीसूं देसावर वाले पासे दूसरे देसावर की करावां

६ छठी आपा आपणी षुसीसूं देसावर वाले पासे दूजे देसावर ना भेजवां

७ आपा आपणी षुसीसूं दुसरे देसावरकी मँगावां. आप

८ आपणी षुसीसूं दुसरे देसावरकी वटावणी भेजा तथा दुसरे देसावरसूं वटावणी भेजवां.

---

१॥सिद्धश्री बम्बई बंदर शुभसुथाने भाई गणेशदास ठाकुरदास जोग श्रीरतलामसूं लषतु गणेशदास शिवप्रसादको जगोपाल बांचजो उपरंच हुंडी १ रु. १०००) अषरे रु. एक हजारकी नेमे रु. पांचसोहोका देवणा पुरा इठे राषा भाई गणेशदास किसनाजी पास मिती भादवा वदी ८ थी दिन ४५ पीछे साहाजोग रु. हुंडी चलणका दीजो संमत १९२८) मिती भादवा वदी ८

या हुंडी आपा आपणी षुसीसूंकराजे कोंछे

१२५० भाई गणेशदास किसनाजीके लेषे मिती भादवा वदी ९ हुंडी १.

रु. १०००) श्रीबम्बईकी तुमाना दिनी भाई गणेशदास ठाकुरदास उपर लिषी इठा सूं हमारी राषा तुमारे पास मिती भादवा वदी ४ थी दीन ४५ पीछे साहाजोग रु. हुंडी चलणका प्रत २५) लेषे पाना ७९।१०००) श्रीबम्बई षाते भाई गणेशदास ठाकुर

दासका जमा हमारे व ' । ' रु. मिति आसोज सुदी ९ हुंडी १ तुमारे उपर किनी. पाना ७३.
२५० ) श्रीहुंडावण षाते जमा. पाना ८०
०।

निसाणी तुमारे घरु मांडजो.

श्री ।

१॥सिधश्री रतलाम शुभसुथाने भाई गणेशदाश शिवप्रसाद जोग श्री बम्बईसूं लषत गणेशदास ठाकुरदासको जयगोपाल वांचजो उपरंच हुंडी १ रु. १००० ) अषरे रु० एकहजारकी नीमे रु. पांचसोहोका दुवणा पुरा इठे राषा भाई गणेशलाल सोभागमल पास मिती आषाड सुदी १५ थी दीन ५१ एकावन पीछे साहाजोग रु. हुंडी चलण का दीजो संमत १९२९ आषाढसुदी ५

चिट्ठी बम्बईकी गणेशदास ठाकुरदासकी आई जणीमें समाचार लिषा हुंडी १ रु. १००० ) तुमारे खाते रतलामकी किनी छे प्र, ८० ) लेषे सो जमा षरच कर लीजो देणी पुगा सिकार दीजो चिट्ठी लिखी मिती आषाढ सुदी ५

याहुंडी आपा आपने उपर आमारे षाते करावाजीरो १००० ) भाई मगनी रामजी बख्तसिंघजीका जमा भादवा वदी ११ हुंडी १ हमारे उपरा लिषी श्रीबम्बईसूं गणेशदास ठाकुरदासकी राषा गणेशलाल सोभागमल पास

मिती आसाढसु. ९ थी दीन ५१ पीछे साहाजोग रु. हुंडी चलणका. पाना ७८

८००) श्री बम्बई खाते भाई गणेशदास ठाकुरदास के लेषे हमारे घरु. मिती आसाढ सुदी १९ हुंडी १ रु. १०००) श्रीरतलामकी हमारे षाते हमारे उपर किनी भाव प्रत ८०) लेषे सो चिट्ठी तुमारी आषाढ सुदी. ७ सूं जमा षरच किना. पाना ७३.

२००) श्रीहुंडावणषाते लेषे. पाना ८०

---

श्री ।

१॥सिधश्री मम्बई बंदर शुभसुथाने भाई गणेशलाल सोभागमल जोग श्रीरतलामसूं लिषतु मगनीराम बभूतसिंघको जोहार वांचजो उपरंच हुंडी १ रु. १०००) अषररु. एकहजार की निमे रु. पांचसोहोका देवणा पुरा इठे रापा गणेशदास सिवप्रसाद पास मिती भादवा वदी० ९ थी दीन ४५ पीछे साहाजोग रु, हुंडी चलणका दीजो संमत १९२९ मिती भादवा वदी ९.

याहुंडी आप आपणी षुसीसूं हमारे घरु. देसावरनालेणी भेजीतकेछे

१२५० भाई मगनीरामजी बभूतसिंघजीका जमा मिती ०। भादवा वदी ९.

हुंडी १ रु. १०००) श्रीमम्बईकी तुमारी लिनी गणेशलाल सोभागमल उपर लिषी इठासूं तुमारी राषा

हमारे पास भादवा वदी ९ थी दीन ४९ पीछे साहाजोग रु. हुंडी चलणको प्रत २९ ) लेषे पाना ७८

१००० ) श्रीमम्बई षाते गणेशदास ठाकुरदासके लेषे हमारे घरु. मिती आसोज सुद ९ हुंडी श्रीमम्बईकी लेणी भेजी. पाना ७३.

२९० ) श्रीहुंडावणषाते लेषै. पाना ८०

०।

---

श्री।

१॥ सिधश्री रतलाम शुभसुथाने भाई मगनीरामजी बखुतसिंघजी जोग श्रीमम्बई सूं लषतु गणेशलाल सोभागमलको जोहार वांचजो उपरंच हुंडी १ रु. १००० ) अषरे रु. एक हजारकी निमे रु. पांचसोहोका देणा पुरा इठे राषा गणेशदाश शिवप्रसाद रतलामवाला पास मारफत गणेश ठाकुर दासकी मिती सावण वदी ९ थी दीन ५१ पीछे साहाजोग रु. हुंडी चलणका दीजो.

। या हुंडी मम्बाईवाले पास आपा आपनी षुसीसूं मगाई जो छे.

। चिठ्ठी मम्बाईकी गणेशदास ठाकुरदासकी आई.
१००० ) हुंडी रतलामकी हमारे षाते प्रत ८० ) लेषे
परीदने काल दिन बीडीछे सकरायने जमा करजो.

) चिठ्ठी लषी मिती सावण वदी १० सम्मत १९२९
१००० ) भाई मगनीराम बखुतसिंघजीका लेषे मिती भाद-

वासुदी १९ हुंडी १ तुमारे ऊपर लिषी श्री मम्बई सुं गणेशलाल सोभागमलकी राषा हमारे पास मार- फत भाई गणेशदास ठाकुरदासकी मिती सावण वदी ९ थी दीन ५१ पीछे साहाजोग रु. हुंडी चलणका पाना ७८.

८०० ) श्रीमम्बई षाते भाई गणेशदास ठाकुरदास के जमा हमारे घरु मिती सावण वदी ९ हुंडी १ रुपया १००० ) श्रीरतलामकी तुमारी हमारे षाते प्रत ८० ) लेषे भेजे सो चिट्ठी तुमारी सावणवदी १० सूं जमा षरच किना. पाना ७३ ॥

२०० ) श्रीहुंडावणषाते जमा. पाना ८०

० ।

---

श्री ।

निसाणीरतलामषाते गणेशदाससिवप्रसादके नांवमांडजो:

१॥ सिधश्री सवाई जेपूर शुभसुथाने भाई गणेशदास नाराय- णदास जोग श्री मम्बईसूं लषतु गणेशदास ठाकुरदासको जैगोपाल वांचजो उपरंच हुंडी १ रु. १००० ) अषपरे रु. एक हजारकी नेमे रु. पांचसोहोका दुवणा पुरा इठे राषा नेणसूष

मुलतानचंद पास मिती सावण वदी १० थी दीन ५१ पीछे साहाजोग रु. हुंडी चलणका दीजो संमत १९२९ सावणवदी १०

। याहुंडी आपणे षाते मम्बाईवाले पासे जेपुरकी कराई.

। चिठी श्रीमम्बाईकी भाई गणेशदास ठाकुरदासकी आई समाचार इणी मुजबछै चिठी मिती सावण वदी ११ की आई.

१००० ) हुंडीरु १००० ) श्रीजेपुरकी तुमारे षाते कराई सो भावप्रत १०२॥ ) लेषा किनीछे राषा नेणसुष मुलतानचंद पास मिती सावण वदी १० दीन ५१ पीछे सो जेपुरनो समाचार लषदीजौ.

---

१०३५ ) श्रीमम्बईपाते भाई गणेशदास ठाकुरदासके लेषे हमारे घरु मिती सावण वदी १० हुंडी १ रु. १००० ) श्रीजेपुरकी भाई गणेशदास नारायणदास उपर लिषी हमारे षाते श्रीमम्बईसूं तुमारी राषा नेणसुष मुलतानचंद पास मिती सावण वदी १० थी दीन ५१ पीछे साहाजोग हुंडी चलणका प्रत १०२॥ लेषे चिठी तुमारी सावण वदी ११ सूं जमाषरच किना पाना ७३.

१००० ) श्री जेपुरषाते भाई गणेशदास नाराय-
१० णदासका जमा हमारे घरु मिती आसोज वदी १ तुमारे उपर हमारे षाते मम्बईसूं गणेशदास ठाकुरदास किनी पाना ७५.

२९ ) श्री हुंडावण षाते जमा. पाना ८०.

---

१॥ सिधश्री सवाई जेपुर शुभसुथाने भाई सषाराम गंभीरमल जोग श्री मुम्बईसूं लषतु गणेशलाल सोभागमलको जोहार वांचजो उपरंच हुंडी १ रु. १०००) अखरे रु. एक हजारकी नेमा रु. पांचसोहोका देवणा पुरा इठेराषा गणेशदास ठाकुरदास पास मिती सावन वदी १० थी दीन ५१ पीछे साहाजोग रु. हुंडी चलणका दीजो संमत १९२९ सावण सुदी १०

चिठी मुम्बईका भाई गणेशदास ठाकुरदासकी मिती सावण सुदी ११ की आई जणीमें समाचार

१०००) हुंडी १ श्री जेपुरकी तुमारे षाते जेपुरना गणेशदास नारायणदासना भेजी प्रत १०३॥) लेषे सो हमारी जमाखरच करलीजो.

---

१०३२॥) श्री मम्बईखाते भाई गणेशदास ठाकुरदासका
०। जमा हमारे घरु मिती सावण सुदी १० हुंडी १ रु १०००) श्री जेपुरकी तुमा हमारे षाते श्रीजेपुरना गणशदास नारायणदासना भेजी सुषरामगंभीरमल उपर लषी श्री मम्बईसूं गणेशलाल सोभागमलकी राषा तुमारे पास मिती सावण सुदी १० थी दीन ५१ पीछे साहाजोग रु. हुंडी चलण प्रत १०३॥) लेषे चिठी तुम्हारी सावण सुदी ११ सूं जमाषरच किना. पाना ७४.

१०००) श्रीजेपुरषाते गणेशदास नारायणदासके लेषे
०। हमारे घरु मिती आसोज सुदी १ हुंडी १ ) जे-

पुरकी हमारे पाते मम्बईसूं भेजी. पाना ७९

३२॥ ) श्रीहुंडावण पाते लेपे. पाना ८०

।०

---

श्री।

१॥ सिधश्री मंदसोर शुभसुथाने भाईगणेशदास पुनमचंद जोग श्रीमम्बई बंदरसूं लिपतु गणेशलाल सोभागमलको जोहार बांचजो उपरंच हुंडी १ रु. १०००) अपरे रु. एक हजारकी नेमे रु. पांचसोहोका देवणा पुरा इठे रापा गणेशदास सिवपरसाद रतलामवाले पास मारफत गणेशदास ठाकुरदासकी मिति सावणवदी १ दीन ५१ पीछे साहाजोग रु. हुंडी चलणका दीजो संमत १९२९ सावण वदी १

चिट्ठी मम्बईकी मिति सावण वदी २ की गणेशदास ठाकुरदासकी आई.

१०००) हुंडी श्री मंदसोरकी तुमारे पाते तुमाना भेजी सो इणचिट्ठीमधे सारलीजो प्रत ७९॥=)

लेपे हमारी जमा करजो.

---

१०००) श्रीमंदसोरपाते भाई पेतसीदास गोविंदरामके लेपे

०। हमारे घरु मिती भादवासुदी ७ हुंडी १ श्रीमंदसोरकी लेणी भेजी गणेशदास पुनमचंद उपर लिपी श्रीमम्बई सूं गणेशलाल सोभागमलकी रापा हमारे पास मारफत गणेशदास ठाकुरदास मम्बई वालेकी मिती सावण वदी १ थी दीन ५१ पीछे साहाजोग रु. हुंडी चलणका पाना ७९.

७९६।) श्रीमम्बई षाते गणेशदास ठाकुरदासका जमा हमारे घरु मिति सावण वदी १ हुंडी रु. १०००) श्रीमंदसोर की हमारे षाते तमा भेजी प्रत ७९॥=) लेषे सो चिठ्ठी तुमारी सावण वदी २ सूं जमाषरच किनो. पाना ७३.

२०३॥।) श्रीहुंडावण षाते जमा पाना ८०

---

१॥ सिधश्री सवाई जेपुर शुभसुथाने भाई सुषरामजी गंभीरमलजी जोग श्री रतलामसूं लिषतु मगनीरामजी बभुतसिंघजीको जोहार वांचजो उपरंच हुंडी १ रु. १००० अषरे एकहजारका नीमे रु० पांच सोहोका देवणा पुरा इठे राषा गणेशदास शिवप्रसाद पास मिती भादवा वदी १० थी दीन २१ पीछे साहाजोग रु. हुंडी चलणका दीजो संमत १९२९ सावण वदी १०

चिठ्ठी मम्बईकी गणेशदास ठाकुरदासकी मिती सावण सुदी १ की आई जणीमें समाचार इणभांत.
१०००) हुंडी जेपुरकी भेजी सो पूगीछे प्रत १०३॥) वटाईछे सो सावण सुदी १ की मितीरी हमारे नामे मांडजो.

---

१०००) भाई मगनीरामजी बभुतसिंघजीका जमा मिति सावण वदी १० हुंडी १ रु. १०००) श्री जेपुरकी तुमारी लिनीसुवराम गंभीरमल उपर लिषी इठासूं तुमारी राषा हमारे पास मिती सावन वदी १० थी

दीन २१ पीछे साहाजोग रु. हुंडी चलणका प्रत ३०) लेषे पाना ७८.

१०३५) श्रीमम्बई पाते भाई गणेशदास ठाकुरदासके लेषे हमारे
०। घरु मिति सावणसुदी १ हुंडी १ रु. १०००) श्री जेपूरकी तुमाना वटाणी भेजी सो तुमां प्रत १०३॥) लेषे वटाई सो चिट्ठी तुमारी सावण सुदी १ सूं नावे मांडा. पाना ७४.
३५) श्रीहुंडावणपाते लेषे. पाना ८१.

---

।०

। और हुंडी देसावर की वटावणी आवे जणेनां रात दनसूं वटावणी रातदन जणे देसावरकी हुंडी होवे और उणे देसावरका दन उठे पडता होवे जतरा लपीमितीसूं रापदेणे अने उपरा दन जादा हुंडीमें होवे तो लपी मिति माहे हुंडी देणी जणेने भरदेणा तथा दीन हुंडीमें लपी मितीसूं कमती होवे तो हुंडीबेचणी जणेसूं भरलेणा कदास दनाको व्याज भाव माहे करलीनो होवे तो जणदन सब दो हुंडीको करनो जणी मितीका नावे मांडणा कदास भाव माहे नई भरलेवै तो लपी मितीसूं दन काटणै नावे मांडणीं सो व्याजपातेमें आई जावे.

---

अणेभांत नकल नग ८ तुमारे घरु कीछे.
१ हुंडी देसावर वाले आपकी षुसीसूं करे.
२ दूजे देसावरसूं आपणे उपर करावे.

३ देसावरवालो आपनी लेहेणी भेजै.
४ देसावर वालो दूजे देसावर भेजावै.
५ देसावरकी वटावणी भेजै.
६ आपके देसावरकी मँगावै आपके घरु.
७ देसावरकी आपरे घरु करावै.
८ आपणी नेसाणीकी दुजे देसावर उपरे करै.
आणि भांत विगतछे.

---

हुंडी आपणे उपर देसावरवालो तमारे घरु किनी जणीरी.

१॥ सिधश्री रतलाम शुभसुथाने भाई गणेशदास शिवप्रसाद जोग श्री मम्बई बंदर लषतु गणेशदास ठाकुरदासका जैगोपाल वांचजो उपरंच हुंडी १ रु. १०००) की अषरे रु. एक हजारको निमे रु. पांचसोहोका दुबणा पुरा अठे राषा भाई गणेशलाल सोभागमलपास मिती आसाडसुदी ११ थी दिन ५१ पीछे साहाजोग रु. हुंडी चलणका संमत १९२९ आसाड सुदी ११

१०००) श्री मम्बई षाते भाई गणेशदास ठाकुरदास को लेषे
१० तुमारे घरु मिती भादवा सुदी २ हुंडी १ हमारे उपर लिषी तुमारी राषा गणेशलाल सोभागमल पास मिती आसाडसुदी ११ थी दीन ५१ पीछे साहाजोग रु. हुंडी चलणका. पाना ७१.

१०००) मगनीरामजी बभुतसिंघजीना जमा मिती भादवासुदी २ पाना ७८.

---

निसाणी तुमारे वरू
मांडजो.

श्री।

॥ सिधश्री मम्बई बन्दर शुभसुथाने भाई गणेशदास ठाकुरदास जोगश्री रतलामसूं लिषतु गणेशदास सिवप्रसाद को जैगोपाल वांचजो उपरंच हुंडी १ रु. १०००) अषरे एकहजारकी निमे रु. पांचसोहोका दूवणा पुरा इठे राषा भाई मगनीरामजी बभुतसिंघजी पास मिती भादवा वदी १३ थी दीन ४५ पीछे साहाजोग रु. हुंडी चलणका सनद दुरसनदकी जाब देवे जणी धणी जोग दीजो सम्मत १९२९ भादवा वदी १३.

। चिट्ठी मम्बईमां गणेशदास ठाकुरदासना मिती-भादवा वदी १४ संमत १९२९ के लषीजणीमे समा-चार १०००) हुंडी श्रीमम्बईकी तुमा तुमारे षाते कराई सो प्रत २४॥) लेषे किनी राषा मगनीरामजी बभुतसिंघ पासे भादवा वदी १३ दीन ४५ पीछे इसी लषी.

१२४६।) भाई मगनीरामजी बभुतसिंघजीके लेषे मिंती भादवा वदी १३ हुंडी १ रु. १०००) की मम्बईकी तुमाना दिनी गणेशदास ठाकुरदासउपर लषी इठासूं. पाना ७८ हमारी राषा तुमारे पास मिती भादवा वदी १३ थी दीन ४५ पीछे साहाजोग रु. हुंडी चलनका सनद

दरसनदका जबाब देजणे धनी जोग प्रत २४॥=)
१२४९) श्रीमम्बईषाते भाईगणेशदास ठाकुरदासके
०।

जमा तुमारे घरू. मिती भादवा वदी १२ हुंडी
रु. १०००) श्रीमम्बईकी तुमारे षाते तुमारे उपर
किनी प्रत २४॥) लेषे पा. ७२
१।) श्री हुंडावणषाते जमा. पाना ८०

---

याहुंडी देसावरवालो आपना उणीके साते लेणी भेजीतीकी
१॥ सिधश्री रतलाम शुभसुथाने भाई मगनीरामजी ब-
भुतसिंवजी जोग श्रीमम्बईसूं गणेशलाल सोभागमलका
जोहार वांचजो उपरंच हुंडी १ रु. १०००) अषरे रु. एक
हजारकी निमेरु. पांचसोहोका देवणा पुरा इठे राषा. भाई गणे-
शदास ठाकुरदास पास मिती आसाड सुदी ८ थी दीन ५१ पीछे
साहाजोग रु. हुंडीचलणका सनद दरसनदको जबाब दे
जणे धणी जोग सिकारजो संमत १९२१ आसाड सुदी ८
१०००) भाई मगनीरामजी बभुतसिंघजीके लेषे मिती भादवा
वदी १४ हुंडी २ तुमारे उपर लषी श्रीमम्बईसूं गणेश-
लाल सोभागमलकी राषा गणेशदास ठाकुरदासपास
मिती आसाड सुदी ८ थी दीन ५१ पीछे साहाजोग
रु. १ हुंडी चलणका सनद दरसनदको जबाब देवे
जडी जोग. पान ७८.

१०००) श्रीमम्बईषाते भाई गणेशदास ठाकुरदास-

का जमा तुमारे घरु मिती भादवा वदी १४ हुंडी श्रीरतला-मकी लेणी आई. पाना ७१.

---

हुंडी दिसावरवालाके पाते दूजे दिसावर मं भेजावे जनकी.

१॥ सिधश्री रतलाम शुभस्थाने भाई धनरूपमल राजमल जोगश्री अजमेरसूं लिपतू धनरूपमल वागमलको जोहार बांचजो उपरंच हुंडी १ रु. १०००) आपरे रु. एकहजारकी निमे रु. पांचसोहोका दूणा पूरा अठे राप्या गणेशदास ठाकु-रदास मम्बईवाला पास मारफत भाई हंसराज गंभीरचंदकी मिती सावण सुदी १५ थी दीन २१ पीछे साहाजोग रु. हुंडी चलणका दीजो

१०००) धनरूपमल राजमलके लपे मिती भादवा सुदी ६ हुंडी १ तुमारे ऊपर लपी श्रीअजमेरसूं धनरूपमल वाग-मलकी रापा गणेशदास ठाकुरदास श्रीबम्बईवाले पास मारफत हंसराज गंभीरचंदकी मिती श्रावण सुदी १५ थी दिन २१ पीछे साहाजोग रुपेया हुंडी चल-णका, पाना ७९.

१०००) श्रीबम्बई पाते भाई गणेशदास ठाकुरदासका जमा तुमारे घरु मिती भादवा सुदी ६ हुंडी १ रतलाम की तुहारे पाते श्री अजमेरसूं हंसराज गंभीरचन्दने भेजी पाना ७२.

श्री

। हुंडीबेची सवाईराम हिंमतराम
गणेशदास ठाकुरदास जोग मार्फत
हंसराज मेघराजकी रतलाम मांह
बेची गणेशदास शिवप्रसाद सिव
। लाल मोतीलाल जोग,

श्री

॥ सिधश्री मम्बई बंदर शुभसुस्थाने भाई सुरतराम राय-भाणजोग श्रीसवाई जैपुरसूं लिषतू लिछमणदास सिवप्रसा-दको जैगोपाल वांचजो उपरंच हुंडी १ रु. १०००) अषरे रु. एक हजारकी निमे रुपैया पांचसोहोका दूणा पूरा आठे राख्या सवाईराम हिंमतराम पास मार्फत पदमसी तेजसीकी मिती भादवा वदी १ थी दिन ५१ पीछे साहाजोग रु. हुंडी चलणका. दीजो.

या हुंडी मम्बईवालाके षाते इंदोरसूं आई सो वटाई जिणकी नकलछे.

१२६५॥=) भाई शिवलाल मोतीलालके लेषे मिती भादवा
०। सुदी ७ हुंडी१ रु. १०००) श्रीमम्बईकी तुमानें दीनी सुरतरामरायभान ऊपरा लषी श्रीसवाई जेपुरसूं लछमणदास सेवादासकी पाना राषा सवाईराम हिंमतराम पास मारफत पदमसी तेजसी की भादवा वदी १ थी दिन ५१ पीछे साहाजोग रु.

हुंडी चलणका भाव प्रत २६॥-) मिती याको व्याज भावमें लिनो.

१२६५) श्रीमम्बई षाते गणेशदास ठाकुरदासका
०। जमा तुमारे घरू मिती भादवा सुदी ७ हुंडी १ रु. १००० ) श्रीमम्माईकी तुमारे षाते श्रीइंदोरसूं. हंसराज मेघराज भेजी सो भावप्रत २६॥ ) गई मिती सुधी बे-टाई सो तुमारी जमा किनी. पाना ७६
॥=) श्रीहुंडावणषाते जमा. पाना. ८१.
०।

१॥ सिधश्री मन्दसोर शुभसुथाने भाई गणेशदास पुनमचन्द जोग श्रीइंदोरसूं लषतु गंभीरचन्द लषमीचन्दको जुहार बंचजो उपरंच हुंडी १ रु. १०००) अपरे रु. एकहजार की नेमे रु. पांच सोहोका दूणा पूरा इठे राषा हंसराजमेघराज पास भादवा वदी १ थी दिन ९ पीछे साहाजोग रु. हुंडी चलणका या हुंडी देसावरवाले वटाणी भेजी जिणाकी नकल छे.

९९६।) श्री इंदोरषाते भाई हंसराज मेघराजका जमा तुमारे घरु मिती भादवा सुदी ७ हुंडी १ रु. १०००) श्रीमन्दसोरकी तुमां बटाणी भेजी गणेशदास पुनमचन्द ऊपर लिषी श्रीइंदोरसूं फत्तेचन्द सेवगकी राष्या तुमारे पास भादवा वदी १ थी दिन ९ पीछे प्रत ९९॥=) लेषै गई मितीकी वटाई सो जमा किना पाना ७७

१०००) श्रीमन्दसोर षाते भाई षेतसीदास गोविन्दरा-
।० . मकै लेषे हमारे घरू मिती भादवा सुदी १०
हुंडी १ श्री मन्दसोरकी लेणी भेजी. पाना. ७५
३॥) बादश्री हुंडावण षाते जमा. पाना ८१.

। ९९६।) बाकी षरा.

या हुंडी देशावर वालेके षाते मोलले के भेजीतको.

१॥ सिधश्री मम्बई शुभसुथाने भाई गणेशलाल सोभाग-
मल जोग श्रीरतलामसूं लषतु मगनीराम बभूतसिंघको
जुहार वांचजो उपरंच हुंडी १ रु. १०००) अषरे रु. एकहजा-
रकी नेमे रु. पांचसोहोका दूणा पूरा इठे राष्या गणेशदास ठाकुर-
दास मम्बई वाला पास मारफत गणेशदास शिवप्रसादकी
मिती भादवा सुदी ७ थी दिन ४५ पीछे साहाजोग रु. हुंडी
चलणका सनद दरसनदको जबाव देजिणधणी जोगदीजो.

चिट्ठी श्री मम्बईने गणेशदास ठाकुरदासनै दिनी
मिती भादव सुदी ८ जणमें समाचार इणभात लिष्या
१०००) हुंडी १ श्री मम्बईकी तुमा तुमार घरू मंगाई सो
इणी चिट्ठी मधे सार लीजो प्रत २५॥=) लेषे हमारी
जमा करजो.

१२५६।) श्रीमम्बईपाते भाई गणेशदास ठाकुरदासके लेषे
तुमारे घरू मिती भादवा सुदी ७ हुंडी १ रु. १०००)
श्रीमम्बईकी तुमारे षाते तुमानै भेजी गणेशलाल
सोभागमल ऊपर लषी उठासूं मगनीराम बभुत-
सिंघकी राषा तुमारे पास मार्फत हमारी मिती

भादवा सुदी ७ थी दीन ४५ पिछे साहाजोग रु. हुंडी चल-
णका सनंद दरसनंदको जाब दे जिण धणी जोगसिकारजो
प्रत २५॥=) पाना ७२.

१२५५) भाई मगनीराम बभूतसिंघका जमा मिती भादवा
०।
सुदी ७ हुंडी १ रु.·१०००) श्री मम्बईकी तुमारी लीनी
प्रत २५॥) लेषे. पाना. ७८

१।) श्री हुंडावण पाते जमा. पाना. ८१
०।

---

या हुंडी देसावर वालो आपणी निसाणीकी
दूने देसावर उपर करी

निसाणी श्रीरतलामषाते
गणेशदासशिवप्रसादके
षाते मांडजो.

श्री

१॥स्विश्री मम्बई शुभस्थाने भाई हंसराज मेघराज जोगश्री
इंदोरसुं लिषतु गणेशदास ठाकुरदासको जैगोपाल वांचजो उपरंच
हुंडी १ रु. १०००) अखरे एकहजारकी नेमे रु. पांचसो-
होका दूणा पूरा इठे रापा भाई गणेशलाल सोभागमल पास
मिती भादवा सुदी ७ थी दीन ४५ पीछे साहायोग रु. हुंडी चल-
णका दीजो संमत १९२९ भादवा सुदी ७

। चिट्ठी १ श्री मम्बईकी गणेशदास ठाकुरदासकी

मिती भादवा सुदी ७ की आई जिणमें समाचार इण भात.

१०००) हुंडी १ श्री इंदोरकी तुमारी निसाणीकी हंसराज मेघराज ऊपर कीनीछे सो सिकरावणेका समाचार इंदोरनैं लिष दीजो राष्या भाई गणेशलाल सोभागमलपास मिती भादवा सुदी ७ थी दिन ४५ पाछ.

---

१२६५) श्रीमम्बईषाते भाई गणेशदास ठाकुरदासके लेषे तुंमारे घरु मिति भादवासुदी ७ हुंडी १ रु. १०००) श्री इंदोरकी तुमा हमारी निसाणीकी कीनी हंसराज मेघराज ऊपर लिषी तुमारी राष्या गणेशलाल सोभागमल पास मिती भादवा सुदी ७ थी दिन ४५ पीछे साहाजोग रु. हुंडी चलणका प्रत २६॥) पाना ७२
१०००) श्री इंदोरषाते भाई हंसराज मेघराजका
०।

जमा हमारे वरु मिती काती वदी ७ हुंडी १ तुमारे ऊपर हमारे षाते श्रीमम्बईसू गणेशदास ठाकुरदास कीनी सो जमाषरच कीनो. पाना ७६.

२६५) श्री हुंडावणषाते जमा. पाना ८१.
०।

---

या हुंडी एक जिसमें दो निसाणी होती हैं सो आधी हमारे घरू और आधी तुमारे घरू मंडतीहै सो उसका जमाषरच इसतरहसे बहीमें मांडना.

श्री

(हुंडी रु. ५००) तुमारे घरू नामे मांडजो.

(हुंडी रु. ५००) हमारे घरू नामे मांडजो.

१॥ सिधश्री मम्बई बंदर शुभसुथाने भाई गणेशदास ठाकुरदास जोग श्रीरतलामसूं लिषतु गणेशदास शिवप्रसादको जैगोपाल बांचजो उपरंच हुंडी १ रु. १०००) अषरे रु. एक हजारकी निमे रु. पांचसोहोका दूणा पुरा इठे राष्या भाई गणेसदास किसनाजी पास मिती भादवा सुदी ७ थी दिन ४५ पीछे साहजोग रु. हुंडी चलणका सनंद दरसनंदको जबाब देजिण जोग संमत १९२९ भादवा सुदी ७ रु. १२५१)
भाई गणेशदास किस्नाजीके लेषे मिती भादवा सुदी ७ हुंडी १ रु. १०००) श्रीमम्बई की तुमानै दीनी गणेशदास ठाकुरदास ऊपर लिषी इठासूं हमारी राष्या तुमारे पास भादवा सुदी ७ थी दिन ४५ पीछे साहाजोग रु. हुंडी चलणका सनंद दरसनदको जवाब देजिण जोग प्रत २५=) पाना ७९.
५००) श्री मम्बई षाते भाई गणेशदास ठाकुरदासका जमा
हमारे घरु काती वदी ७ हुंडी १ रु. १०००) तुमारे ऊपर कीनी जिणमधे रु. ५००) हमारे घरु मांडजो. पाना ७४

१२५) श्रीमम्बई षाते गणेशदास ठाकुरदासका जमा तुमारे वरू भादवा सुदी ७ हुंडी १ रु. १०००) की तुमारे ऊपर किनी जिण मधे रु. ५००) तुमारे वरू मांडी प्रत २५) लषे. पाना ७७.

०। १२६।) श्री हुंडावणषाते जमा. पाना ८१.

---

१२५१।)

---

श्री

। सेरे निसाणी रु. ५००) की.
तुमारे वरु मांडजो.
। सेरे निसाणी रु. ५००)
हमारे वरु नावे मांडजो.

१॥ सिधश्री रतलाम शुभसुथाने भाई गणेशदास शिवप्रसाद जोगश्री मम्बईसूं लिपंतू गणेशदास ठाकुरदासको जैगोपाल वांचजो उपरंच हुंडी १ रु. १०००) आषरे रु. एक हजारकी नेमे रु. पांचसोहोका दूणा पूरा इठे राषा गणेशलाल सोभागमल पास मिती सावण सुदी १ थी दिन ५१ पीछे साहाजोग रु. हुंडी चलणका दीजो संमत १९२९ मिती सावण सुदी १

हुंडीके पुठे हुंडी सहीकरा

५००) सहीकरी ठाकुरसीतेजपाल जोग

। इण हुंडीका रु० ५००) ठाकुरसी तेजपाल भरपाया.

५००) सहीकरी निमाजी पेमराजजोग.

। इण हुंडीका रु. ५००) निमाजी पेमराज भरपाया

---

। हुण्डी १ रु० १०००) श्रीरतलामकी श्रीमम्बई सूं गणेशदास ठाकुरदासकी गपा गणेशलाल सोभागमल पास सावण सुदी १ थी दिन ६१ पीछे सहाजोग हुंडी चलणका.

५००) हुंडी उपर सेरे नेसाणी गणेशदास ठाकुरदास मम्बईवालेके घरु

५००) श्रीमम्बईखाते गणेशदास ठाकुरदासके
।० लेषे तुमारे घरु मिति आसोज वदी ६
हुंडी १ रु. १०००) जणमधे रु० ५००)
निसाणी तुमारे घरू मांडी. पा. ७६

५००) हुंडी उपर सेरे निसानी हमारे घरू.

४००) श्रीमम्बईपाते गणेशदास ठाकुर-
०। दासके लेषे हमारे घरु सावण
सुदी १ हुंडी १ रु. १०००) मधे
रु. ५००) की हमारे पाते किनी
प्रत ८० लेषे चिट्ठी
तुमारी सावण सुदी १
सूं पाना ७४.

१००) हुंडावणषातेलेषपाना ८१
०।

१०००)

५००) ठाकुरसी तेजपालका जमा आसोजवदी ६
०। हुंडी १ रु. १०००)
हमारे ऊपर आई जिण मधे रु. ५००) तुमारे जोग
सिकारी पाना ८०
५००) नेमाजी षेमराजका जमा मिती आसोज वदी ६
हुंडी १ रु. १०००) जिण मधे रु. ५००) तुमारे जोग
शिकारी पाना ८०

१०००)

। यो जमाषरच सीगेवालो छे। चिट्ठी देसावरकी आवेसो
श्री।

। सिधश्री रतलामशुभसुथाने भाई गणेशदास शिवप्रसाद जोग श्री तालसूं रामजी कालूरामको जैगोपाल वांच जो अठाका समाचार भला छै थारा सदा भला चाहिये उपरंच कागद २ तथा ४ आमैं दीनाछा सो पूगा लिखजो और समाचार १ वांचजो सम्मत १९२९ सावण सुदी १

। और चोकारा थेला नग ५ बंधाई दीजो और थेलानग ६ भाव साहू बेंच दीजो.

१०००) हुंडी २ तुमारी निसानी की इंदोरकी हंसराज मेघराज उपर किनी छै राष्या विट्ठलदास सुभकरणदास

पास सावण सुदी १ थी दिन १५ पीछे सो सिकारदेवणेकी लीषदीजो.

---

चिट्ठी पीछी दिसावरकी आवे जिणको जबाब इणभांत लिखणा.
सिधश्रीतालशुभसुथाने भाई रामजीकालूराम जोग श्रीरतला मसूं लिखतु गणेश शिवप्रसादको जैगोपाल वांचजो अठाका समाचार भला छै तुमारा सदा भला चाहिजे उपरंच कागद २ तथा ४ आगे दीनाछ सो पूगा लिषजो.
। और कागद तुमारो सावण सुदी १ को लिष्यो सावण सुदी ३ नैं आयो समाचार लिष्या सो वांच्या कागद हमारो पूगो लिष्यो सो ठीक छै जठा पीछै फेर दीनो छै सो पूगो लिषजो.
। और अफीमका थेला नग ११ भेजा सो पूगाछै.
। थेला नग ५ तुमारा लिष्यां मुजब बंधाय दीनाछै जिणकी गोटी नग १५५० हुई छै चीक मण २८॥ अठाका तोलरो उतर्यो छै.
। और थेला नग ६ प्रत ४४ लेषे काचासू बैचासू बैचा छै सो जाणजो.
१०००० हुंडी श्रीइंदोरकी किनी सो सिकारदेवणे की लिष दीनी छै सो प्रत २६॥ लेषे हमारा जमा करजो.
। संमत् १९२९ सावण सुदी ५ फेर दिसावरांका भाव होवे सो लिषणा.
। अफीम बंधायो जिणको बधाईको षरच नासैं इसतरे से देसावरवालेके नामे मांडणो.

५९॥=) श्री ताल षाते रामजी कालूरामके लेषे तुमारे घरु
। सावण सुदी ५ चीकरा थेला नग ५ तुमारा बंधाया
जिणकी बंधाई षरचका चीक मण २८॥) ऊपर जिण
का बोजा नग ४ का षरचका नावे मांडा. अब
सिरस्ता बोजाका १ का १२ से लगात १६॥)
तकका है, पाना७७.

९) तेल मण १॥) प्रत ६ बोज १ लारे सेर
१०) १॥=) पाली पासीमण १॥ प्रत १५) बोज
१ लारे रु. १५)
६) पाली आषी माणी १) प्रत ६ बोज १
लारे मण २
४२॥) बधाई तथा फिराई तथा आदमीको रोजगार
मालरे पास सोवेजणीको मास ४ का उथा माल
बंधे जणेका थणी गोल तथा फेराईको भुंगडा तथा
तमाषू माजुमवगैरेके परचा मण २८॥) का प्रत
मण १ लारे प्रत १॥)उघडा.

---

५९॥=) वलता श्री आफीमके षरच षाते
जमा पाना, ८१

---

अफीमकी गोटी दिसावरवालाकी वेची जिणको जमा-
षरच इसी तरेसे करणो,

५५०५।)॥ भाई बगसीराम मंगलचंदके लेषे मिती काती
सुदी १ आफीमकी बटी मण २३।) १= षरी प्रत
५९॥=) लेषे षरासूं ताल वालाकी तुमानै ५

जिणका नामे मांडा हस्ते दलाल रुघजी कोठारी तथा नायलचंद बागडो पाना ७९.

९४१९॥ ) श्रीतालषाते भाई रामजी कालूराम-
का जमा तुमारे घरू मिती काती सुदी
१ आफीमकी बट्टी मण.
२३। ) १= षरेसो प्रत ९४ ) षरासू तुमा-
री बेची सो तुमारा जमा की-
ना पाना उतार भेजो.
९४९३॥=॥ ) असल बट्टी-
मण २३। ) १= प्र-
त ९९ लेषे जणी
का पाना. ७७

---

७८=॥ ) बाद परचका.
२७।≡॥ ) आडत रु. ९४९३॥=॥ )की प्रत
॥ ) सत १
९॥।-) दलाली का मण २३। प्रत-)
धडी १ लेषे.
१।≡ ) धरमादाय प्रत -) मण १ लारे
२=।॥ ) आफीमको खरच परचुणमा-
। लवाला लेवालका तथा छोक-
राका प्रतना ) मण १

---

३६॥=॥ )

४१।ﾉ हासलमण ३० का प्र-
त १॥=ﾉ लेषे थेलानग
९ प्रतथेला १ मण ६
७८=॥ﾉ

५४१५॥ﾉबाकी खरा.

३९-॥ﾉ श्री आडतखाते जमालेवाल पास बेचवाल पास.
०। १॥=ﾉ२७।≡॥ﾉपाना ८१ﾉ

| | | |
|---|---|---|
| ५॥।ﾉ | श्रीदलालीखाते जमा. | पाना ८१ |
| १।≡।ﾉ | श्रीधरमादाषाते जमा. | पाना ८२ |
| ०। | | |
| ४१।ﾉ | श्रीहासलखाते जमा. | पाना ८२ |
| ०। | | |
| २=॥।ﾉ | श्रीआफीमकेखरचखाते जमा. | पाना८१ |

५५०५।ﾉ॥

। अमलको चीक दिशावरवालेको दो धणीनैं बेचणो जि-
णको जमाखरच इसतरह काढणो.

। मिती सावण सुदी ५ चीक मण ३४। तालवाला रामा-
जी कालुरामको प्रत ४३॥। लेषे खरासूं बगसीराम मंगल
चन्दनें तथा ठाकुरसी उदेरामनैं बेचो हस्ते दलाल रुघजी
तथा धरमचन्द.

२९८३॥ﾉ भाई ठाकुरसी उदेरामके लेषे चीकमण १७ प्रत
४३॥।=ﾉ लेषे परेसूं तुमानैं दीनो छै जणीका सावण सुदी ५
प्रत ७९

३०२७॥=ु भाई बगसीराम मंगलचंदके नामें सावण सुदी ५ चीकमण १७ प्रत ४३॥।=ु लेखे तुमानें दीनो जणीका पाना ८०

---

---

५९००।-॥ श्री तालखाते रामाजी कालूरामका जमा तुमारे वरू सावण सुदी ५ चीकरा थेला नग ६ तुमारा बेच्या जणको चीकमण ३४।ु पराप्रत ४३॥।ु लेखे वेच्यो जिणका जमाखरच कीना ऊपनाको पानो १ उतार भेज्यो. पाना ६५
५९९३॥।ु अमल·चीकरा.

---

९३।=॥ुबादपरचका.
३ु॥आडत रु. ५९९३॥।ु प्रता।ु सत१
८॥-ु दलाली मण ३४। प्रत।ु ६
४९॥ु हासलमण ३६ का थेला
प्रत १।=ु मण १
३।ु आफीमके खरच छोकराव
माल खरीदनेवाला वगैरे मण
१ प्रतदेढ-॥ु
२=ु धरमादो मण ३३।ु का
प्रत-ु मण १

---

९३।=॥ु
५९००।-ु ॥बाकी परापरे

४७-॥) श्री आडतखाते जमा बेचवालपास लेवालपास
०। पाना ८१२०)॥ १७=)

४९॥) श्रीहासलखाते जमा पाना ८२
०।

८॥-) श्रीदलालीषाते जमा पाना ८१
०।

३।) श्रीअफीमके षरचषाते जमा. पाना ८१
०।

२=) श्रीधरमादायषाते जमा. पाना ८२
०।

६०१०॥=

१॥ विगत षातो षताणेकी को जो षातो इसमुजब इणी विगत सूं षतावे तो हिसाब देशावरनै भेजै तथा और किसी दुकानदार हिसाब करे तो और वहां देषणेको काम पडे नहीं षातेसूं देषने सब काम होई जावे.

विगत रकम देशावरकी षतावे जिसकी.

। हुंडी लेणी भेजां तथा लेणी आवे तथा वटाणी भेजां तथा वटाणी आवे जिणमें विगत इण भात करणी नकल होवे तो नकलको पानो करणो रोकड होवे तो रोकडको पानो करणो मिती करणी हुंडी भेजी तथा आई होवे तो करणी जणी उपरा होवे तो औ आसामीको: नाम लिषणो लिषी मिती होवे सो करणी तिथी दिन करणा भाव होवे तो करणो इणी भांत हुंडीको देशावर षातो षतावणो.

। हुंडी आपा करा तथा करावा तथा देशावरवालो करै तथा करावे जणकी नकलतथा रोकड होवे जणे को पाणो करणो

मिती होवे सो करणी हुंडी उपर होवे सो करणी राषा पण करणा मितीलषी करणी तथा दीन होवे सो करणो भाव होवे तो करणो जितनी विगत नकलमें होवे सो सब षातामें करणी फकत धणीको नाम नहीं करणो सो नामषातेमें होवे जछे जणेसूं.

। और देशावर सूं माल मंगावा तथा भेजा तथा उणीको वेचवा वास्ते आवे जणींकी विगत षातेमें इस तरेहसूं करणी.

। माल जिनस कपडो वगैरे मँगाई जिसकी.

। रु. का अंक और नकलको पानो मिती जो होवे सो करणी रकम तुमा भेजी सो तुमारे लिपे मुजब जमा

। किनी. माल जिनस वगैरे देशावरवालोंने आपणे पास षरीद

। मंगाई. नकलको पानो रु. को आंक करणे मिती होवे सो करणी रकम तुमाना भेजी जणीरो पानो एक उतार तुमाना भेजो जणी मुजब नामे मांडकर इतनी विगत

। करणी और माल अमल वगैरे चीज देशावरवालों या वेचनेकूं भेजे सो नकलमें तो जमाषरच विगतवार होवेछे पण देशावरके षातेमें इसमुजब विगत करणी.

)नकल पाना मिती करणी कपडा तुमारो वेचो जण का उपनाको पानो तुमना उतार भेजो सो जमाषरच किना.

)जमा करणो मिती होवे सो करणी अमलको चीक होवे

तो चीक करणो बट्टी होवे तो बट्टी करणी मग गत चेतावणीके माल मण इतनो तुमारो वेचो जणेको उड़-नाको पानो एक उतारभेजो इतनी विगत षातेमें करणी । और बजारको षातो षताणो जिसमें फकत रुपीयाको अंक और नकल होवे तो नकलको पानो और रोकडा होवे तो रोकडको पानो मिती होवे सो करणी जमा जे रकम होवे तो जमा पासे षताणी लेषे होवे तो लेषवास्ते षताणी और नकल रोकडको पानो तथा रु. को अंक तथा मिती सुवाय बजारु षातेमें दूसरो दाषलो कांई करणो नहीं फकत उपर लषो सो करणो.

। और माल जिनस वगैरे की रकम षताणी जिसकी विगत षा-तेमें इसतरे करणी.

। माल अमल जिनस घरु लेवे उस षातेमें विगत इतनी करणी नकल तथा रोकड होवे जिसको पानो और रु. को अंक माल जिनस मण होवे तो मण करणा और नग होवे तो नग करणा और कुछभी करणो नहीं और माल जिनस किसीकी पाती षाते लेवे उसकी विगत इसतरे षातेमें पताणीके रु. को अंक और नकल रोकडको पानो होवे सो और मिती होवे सो मण होवे तो मण करणा और नग होवे तो नग करणा सो षाते सो माल जिनसकी झडती मिलजावै और पाती दारको व्याजपण षातेपै जड जावे और वही देषणेको कामकरै नहीं सो इसतरेसे रकम षातेमें उपर लिषे मुजब षताणी

। और परच का पाता व व्याज तथा वटा तथा दूसरा पे-रीच सट्टा वगैरे हुंडावणका पातेमें विगत इसतरेसे क-रणी के नकल तथा रोकडको पानो रु. को अंक और कांईवी करणो नहीं.

। और सीरकार वगैरे चागीरदार का पाता होवे तो इसतरेसे पातासें विगत करणी.

विगत लेप पासे जो रकम होवे जणीकी नकल तथा
। रोकडको पानो होवे सो करणो रु. को अंक करणो मिती होवे सो करणी चिट्ठी १ आपकी आई जिसकी दिया जिसका नाम करणा तो पाते सो हिसाव होय जावे नहीं तो सव वहां देपणी पड़े

। विगत जमा पासे जो रकम होवे उसकी पातेमें इसमु-जव करणीके नकल तथा रोकडको पानो और रु. अंक सिती होवे सो करणी और जिसने रु. में भरे जिस ध-णीका नाम करणाके आपके वदल जिसने भरा होवे उसका नाम करणाके भरेसो जमा कीना पावती १ लिपदिनी.

---

मिसल तुमारे घरु

१॥ पातो १ श्री मम्बईपाते भाई गणेशदास ठाकुरदास सेती-
लेखो तुमारे घरुरुप्या.

| ~ | ~ |
|---|---|
| १०००) नकलपान ८२ भादवा वदी १४ हुण्डी १ रतला | १०००) नकलपान ८० भादवा सुदी २ हुंडी १ हमा |

मकी लेणी आई मगनी-
राम बभूतसिंघ उपर आ-
साढवदी८दीन५१ पीछे.
१२४५) नकलपान ५२ भादवा
बदी १३ हुंडी १रु१०००
श्रीमंबईकी तुमारे खाते
तुमारे उपरा लषी इठा सूं
हमारी राषा मगनीराम
बभूतासिंघ पास भादवा
वदी १३थी दीन ४५ पीछे
१०००) नकलपान ५३ भादवा
सुदी६हुंडी १ रतलामकी
तुमारे खाते अजमेरसुं
हंसराजगंभीरचंद भेजी
धनरूपमल राजमल उ-
परा सावण सुदी १५ थी
दीन २१ पीछे.

३२४५

उपरालिखी तुमारी राषा
गणेशलाल सोभागमल-
पास आसाढ सुदी ११
थी दीन ५१ पीछे.
१२५६) नकलपाना ५६ भाद-
वासुदी७हुंडी १रु १०००)
श्रीमुम्बईकी तुमारे षा-
ते तुमाना भेजी गणेश-
लाल सोभागमल उपरा
भादवा सुदी ७ थी दीन
४५पीछे.
१२६५) नकलपान ५८ भादवा
सुदी७हुंडी१रु. १०००)
श्रीइंदोरकी तुमा हमा-
री नेसाणीकी किनी हं-
सराज मेघराज उपरा-
लिषी तुमारीराषा गणे-
शलाल सोभागमल
पास भादवासुदी ७ थी
दीन४५पीछे. प्रत २६।)
लेगया.

षातेर। धड़प्रत ७५

३५२१।

मिसल हमारे घरु

३॥ षातो १ श्रीमम्बई; पाते भाई गणेशदास ठाकुरदासको सेती लेषे हमारे घरु.

१०००) नकलपान ४१ मिती आसोज सुदी ९ हुंडी १ तुमारे उपर लिषी हमारी राषा गणेशदासकिसनाजीपास भादवा सुदी ९ थी दीन ४५ पीछे.

८००) नकलपान४४सावणवदी ९हुंडी १रु. १०००) रतलाम की हमारे षाते लेणी भाई मगनीरामजी वभुतसिंघजी उपर सावण वदी९थी दीन५१ पीछे.

७९६।) नकलपान४८सावणवदी १ हुंडी रु. १०००) श्रीमंदसोरकी तुमा हमारे पाते भेजो गणेशदास पूनमचंद उपर सावण वदी १थी दीन ५१ पीछे

८००) नकलपान४२आषाढसुदी १५हुंडी रु. १०००) रतलाम हमारी हमारे उपरा लिषी हमारेषाते तुमारी राषा गणेशलाल सोभागमल पास आसाढ सु० ५ थी दीन ५१पीछे प्रत ८०) लेषे चिट्ठी तुमारी आसाढ सुदी ७.

१०००) नकलपान ४३ आसोजसुदी ९ हुंडी १ श्रीमुम्बईकी लेणी भेजी गणेशलाल सोभागमल उपर लषी मिती भादवा वदी ९ थी दिन ४५ पीछे.

१०३५) नकलपान४५ सावणवदी१०हुंडी१ रु.१०००) जेपुरकी तुमा हमारे पाते किनी गणेशदास ठा-

५०० )नकलपान ५९ कार्ती वदी७ हुंडी १ रु. १०००) तुमारा उपरा लषी हमारी राषा गणेशदास किसनाजीपास भादवा सुदी ७ दीन ४५ पीछे जणमधे रु. ५०० ) तुमाराघरुं मांडा.

१०३२॥)नकलपान ४६ सावण सुदी १० हुंडी १ रु. १०००)की जेपुरकी तुमे हमारे षाते जेपुरना गणेशदास नारायणदासना भेजी सुषराम गंभीरमल उपर सावणसु० १० थी दीन५१ पीछे प्रत३।)

कुरदास उपरां राषा नेणसुष मुलतानचंद पास सावणवदी १०थीदीन५१ पीछे प्रत १०३॥)

१०३५ ) नकल पान ४९ सावण सुदी १ हुंडी १ रु.१०००) जेपुरकी तुमाना वटाणी भेजी सुषराम गंभीरमल उपर लिषी सावण वदी १०थी दीन २१ पीछे प्रत १०३॥ तुम वटाई तीरा.

४०० )नकलपान६१सावण सुदी १ हुंडी १रु.१०००) तुमारीलिषी सिकारी राषा गणेशदास सोभागमल पास सावण सुदी १ दीन ५१ पीछे जणमधे रु.५०० )तुमारा घरु और रु.५०० ) हमारे घरु कराई सो प्रत ८० लेषे तुमारी चिट्ठी सावण सुदी १ सुं.

१॥ षातो १ श्री जैपुर षाते भाई गणेशदास नारायणदासका सेती लेषे हमारे घरु.

| ० | ० |
|---|---|
| १०००) नकलपान ४९ आसोज वदी १ हुडी १ तुमारे उपरा हमारे षाते श्री मम्बईसूं गणेशदास ठाकुरदासकी राषा नेणसुष सुलतानचंद पास सावण वदी १ थी दीन ५१ पीछे. | १०००) नकलपान ४६ आसोज सुदी १ हुंडी १ श्रीजैपुरकी हमारे षाते मुम्बईसूं गणेशदास ठाकुरदास भेजी सुषराम गंभीरमल उपरा लिषी मिती सावण सुदी १० थी दीन ५१ पीछे. |

१॥ षातो १ मंदसोर षाते षेतसीदास गोविंदरामके सेती लेषे हमारे घरु.

| ० | ० |
|---|---|
| | १०००) नकलपान ४७ भादवा सुदी ७ हुंडी १ श्रीमंदसोरकी लेणी भेजी गणेशदास पुनमचंद उपर सावण सुदी १ थी दीन ५१ पीछे |
| | १०००) नकल पान ५६ भादवा सुदी १० हुंडी १ श्रीमंदसोरकी लेणी भेजी गणेशदास पुनमचंद भादवा वदी १ थी दीन ९ पीछे. |

१॥ षातो १ श्रीइंदोरषाते हंसराज मेघराजको सेती हमारे घरु.

| ० | ० |
|---|---|
| १००० ) नकल पान ५८ काती वदी ७ तुमार उपर लिषी हमारे षाते बम्बई सूं गणेशदास ठाकुरदासकी राषा गणेशलाल सोभागमल पास भादवा सुदी ७ थी दीन ४५ पीछे. | |

मिसल देशावरु तुमारे घरु.

१॥ षातो १ श्रीमम्बईषाते भाई गणेशदास ठाकुरदास तुमारे घरु.

| ० | ० |
|---|---|
| ३२७५ ) धडी १ जमाकोप्रत ७१ सूलाया | ३५२१। ) धडी १ लेषेके प्रत ७१ सूलाया. |
| १२६५ ) नकल पान ५५ भादवा सुदी ७ हुंडी रु. १००० ) श्रीमम्बई री तुमारी षाते श्रीइंदोरसूं हंसराज मेघराज भेजी सुरतराम-रायभाण उपरा भादवा वदी १ थी दीन ५१ प्रत २६॥ ) गई मिती. | ५०० ) नकलपान ६१ आसो वदी ६ हुंडी १ रु. १००० ) तुमारी लीषी सिकारी राषा गणेशलाल सोभा-गमल पास सावण सुदी १ दीन ५१ पीछे जण |

६२५) नकल पान ५९ भादवा सुदी ७ हुंडी १ रु. १०००) तुमारे उपर किनी राषा गणेशदास किसनाजी पास भादवा सुदी ७ दीन ४५ जणमधे रु. ५००) के हमारे घरु. मांडी.

मधे रु. ५००) हमारे घरु मांडा.

१॥ पातो १ श्रीइंदोरपाते हंसराज मेघराजके तुमारे घरु

११६।) नकल पान ५५ भादवा सुदी ७ हुंडी १ रु. १०००) श्री मन्दसोरकी तुमा वटाणी भेजी गणेशदास पुनमचन्द उपरा भादवा वदी १ दीन ५ पीछे प्रत ११॥=) लेपे गई मितीरा.

१॥ पातो १ श्रीतालपाते रामाजी कालूरामके तुमारे घरु.

५४१५॥) नकल पान ६५ काती सुदी १ आफीमकी बट्टी मण२३।१=) तुमारीवेची जणीका पाना १ भेजा.

५१००।-॥) नकलपान ६७सा वण सुदी ५ चिकरा थेला

५१॥=) नकल पान ६४ सावण वदी ५ जिकरा थेला ५ वंधाया जणीका बंधाई परचका.

१००००) रोकडपान ८५भादवा सुदी ११ हुण्डी १ तुमारी

६ मण ३४। तुमारा बेचा जणीका उपनाको पाना १ उतार भेजो.

१००) रोकडपान ८५सावणसुदी १५ चिट्ठी एक हमारे उपर लिषी हमारी राषा सोनार जसराजपास सावण सुदी १४दिन १ पीछे लिषी सिकारी राषा पुनमचन्द खेमचन्द पास भादवा वदी ७ थी दिन ११पीछे.

१००५९॥=)

मिसलबजार.

१॥ षातो १ भाई मगनीरामजी बभुतसिंघजी को सेती.

| ० | ० |
|---|---|
| १०००) नकल पान ४२ भादवा वदी ११ | १०००) नकल पान ४३भादवा सुदी १५ |
| १२५०) नकलपान ३५ भादवा वदी ९ | १२४६।) नकल पान ५१भादवा वदी १३ |
| १३००) नकल पान ४८ सावण वदी १० | १०००) नकल पान ५२ भादवा वदी १४ |
| १०००) नकलपान५०भा०सु.२ | ५८०५) रोकड पान ८८ |
| १२५५) नकल पान५७ भादवा सुदी ७ | १३००) सावण वदी१० |
| ३२४६।) रोकड पान ८८ | १२५०) भादवा वदी ९ |
| १२४६।) भादवा वदी१३ | १०००) भादवा वदी ११ |
| १०००) भादवा वदी १४ | १०००) भादवा सुदी ७ |
| १०००) भादवा सुदी१५ | १२५५) भादवा सुदी ७ |
| ९०५१।) | ९०५१।) |

१॥ षातो १ धनरुपमल राजमलको.

| ० | ० |
|---|---|
| १०००) रोकड पान८३भादवा सुदी ७ | १०००) नकल पान९३भादवा सुदी ६ |

१॥ षातो १ शिवलाल मोतीलालको सेती.

| ० | ० |
|---|---|
| १२६५॥=) रोकड पान८४भादवा सुदी ७ | १२६५॥=) नकल पान९४भादवा सुदी ७ |

१॥ षातो १ गणेशदास किसनाजीको सेती लेषा.

| ० | ० |
|---|---|
| ३५०१।) रोकड पान८४भादवा<br>२२५०)<br>वदी ९ भादवा सुदी ७<br>१२५१।) | १२५०) नकल पान४०भादवा वदी)<br>१२५१।) नकल पान५९भादवा सुदी ७<br>१०००) रोकड पान ८३ भादवा वदी १४ |

१॥ षातो १ वगसीराम संगलचंदको सेती.

| ० | ० |
|---|---|
| ८५३२॥=॥) रोकड पान ९०<br>३०२७।=) सावणसुदी १५<br>५५०५।)॥ काती सुदी १ | ५५०५।) नकल पान६९काती सुदी १<br>३०२७।=) नकल पान६७सावण सुदी ९<br>८५३२॥=॥) |

१॥ षातो १ ठाकुरसी तेजपाल.

| ०/ | ०/ |
|---|---|
| ५००) नकल पान६२आसोज वदी ६ | ५००) रोकड पान८४आसोज वदी ६ |

१॥ षातो १ ठाकुरसी उदेरामको सेती लेषी.

| ०/ | ०/ |
|---|---|
| २९८३॥) रोकड पान८५सावण सुदी १५ | २९८३॥) नकल पान६६साव-ण सुदी ५ |

१॥ षातो १ नेमाजी षेमराजको सेती लेषो.

| ०/ | ०/ |
|---|---|
| ५००) नकल पान६२आसोज वदी ६ | ५००) रोकड पान८४आसोज वदी ६ |

मिसलषरच वगैरेके षाताकी

१॥ षातो १ श्री वीरध.

| ०/ | ०/ |
|---|---|
| २॥) रोकडा पान ८५ | १।) रोकड पान८६षरच षातेर<br>८६।) रोकडपान ८६ बीसीषरचका |

१॥ षातो १ श्री हुंडावण सेती.

| ०/ | ०/ |
|---|---|
| नकल पान मेळ दीन १५ को | नकल मेल दीन १५ को |
| २५०) नकल पान ४१ | २००) नकल पान ४२ |
| २००) नकल पान ४४ | २५०) नकल पान ४३ |
| ३५) नकल पान ५४ | ३२॥) नकल पान ४७ |
| २०३।।।) नकल पान ४८ | |
| १।) नकल पान ५२ | |

| | |
|---|---|
| ॥=) नकल पान ५५ | २६५) नकल पान ४९ |
| ३॥।) गकल पान ५६ | १०० ) नकल पान ६२ |
| १।) नकल पान ५७ | ८४७॥) |
| २६५) नकल पान ५८ | |
| १२६।) नकल पान ६० | |
| ३५) नकल पान ४९ | |
| १०८६॥।= | |
| १) रोकड पान ८६ | |

१॥ षातो १ अफीमको षरच.

| ० | ० |
|---|---|
| ५९॥=) नकल पान ६४ | ३७।) रोकड पान ८४ |
| २=॥।) नकल पान ६६ | |
| ३।) नकल पान ६८ | |
| ६५)॥। | |

१॥ षातो १ श्रीआडत सेती

| ० | ० |
|---|---|
| ३९-॥) नकल पान ६६ | |
| ४७-॥) नकल पान ६८ | |

१॥ षातो १ श्रीदलाली सेती

| ० | ० |
|---|---|
| ५॥।) नकल पान ६६ | |
| ८॥-) नकल पान ६८ | |

१॥ षातो १ श्रीहासल सेती.

| ॰ | ॰ |
|---|---|
| ४१।) नकल पान ६६ | ६८॥।) रोकड पान ८५ |
| ४९॥) नकल पान ६८ | |
| ९०॥।) | |

१॥ षातो १ श्रीधरमादायसेती

| ॰ | ॰ |
|---|---|
| १।=।) नकल पान ६६ | |
| २=) नकल पान ६८ | १) रोकड पान ८६ |

१ षाता १ श्रीसकराई परषाईसेती.

| ॰ | ॰ |
|---|---|
| | |

१॥ विगत कच्ची रोकड उतारणी जणोकी.

पेलां तो श्रीपरमेसरजीको नाम देणो पीछे मेलजणी मितीसू सुरू करणो और जहांतक मेल होवे वो करणो जितरा दीनाको मेल होवे सो करणो.

श्रीपरमेसरजी.

श्रीमहालक्ष्मीजी साहेछे संमत १९२९ मिती भादवा सुदी १ सूं लगाईने मिती भादवा सुदी १५ सूधो मेल दीन १५ को कच्ची रोकडको छ लाभ सुष घणो होईजो.

| ॰ | ॰ |
|---|---|
| १। श्रीमहालक्ष्मीजी भंडारभरपूरहो. | १३००) भाईमगनीरामजी बभूतसिंघजीके लेषे सा- |

२११०१) श्रीपोतेबाकी
१२४६।) भाई मगनीरामजी बभुतसिंघजीका जमा मिती भादवा वदी १३ रोकडा आया सो जमा किना पाना ७८
१२४६। रोकडा हस्ते रामरष.
१०००) भाई मगनीरामजी भबुतसिंघजीका जमाभादवा वदी १४ रोकडा परषरा गणेशदास किसनाजीना परषाया सो तुमारा जमा कीना पाना ७८
१०००) परष गणेशदास किसनाजीके लेषे.
२२५०) भाई गणेशदास किसनाजीका जमा भादवा वदी ९ रोकडा आया सो जमा कीना हस्ते नयालजी. पाना. ७९
२२५०) रोकडा परषरा.
१०००) धनरूपमलराजमलका जमा भादवा सुदी ७ रोवण वदी १० रोकडा दीना सो मांडा पाना ७८
१३००) रोकडा हस्ते रामरष.
१२५०) भाई मगनीरामजी बभुतसिंघजीके लेषे मिती भादवा वदी ९ रोकडा दीना सो मांडा पाना ७८
१२५०) रोकडा परषरा तुमारेवती सीवलाल मोतीलाल परषाया हस्ते रामरष.
१०००) भाई गणेशदास किसनाजीके लेषे भादवा वदी १४ परषरा मगनीराम बभुतसिंघपासे दररीस मांडा पाना ७९
१०००) परषरा मगनीरामबभुतसिंघजीकाजमा.
१०००) भाई मगनीरामजीबभुतसिंघके लेषे भादवा वदी ११ रोकडा दीना सो मांडा पाना ७८
१०००) रोकडाहस्ते रामरष

कडा आया सो जमा की
ना, पाना ७९
१००० ) रोकडा परषरा.
१२६९॥=) सिवलाल मोती-
लालका जमा भादवासुदी
७ रोकडा आया सो जमा
कीना पाना ७९
१२६९ ) रोकडा तुमारे-
वती ठाकुरसी
उदेराम पर-
षाया.
॥=) रोकडा
हस्तेनरसिंग.
१००० ) भाई मगनीरामजी बभु-
तसिंघजीका जमा भादवा
सुदी १९ रोकडा आया
सो जमा कीना.
१००० ) रोकडा परषरा
हस्ते रामरष पाना ७८
१२९१।) गणेशदास क्रिसना
जीका जमा भादवा सुदी
७ रोकडा आया सो
जमा कीना हस्ते दलसु
षजी पाना ७९
१२९१।) रोकडा परषरा

९०० ) ठाकुरसी तेजपालके
० लेषे मिती आसोज वदी ६
रोकडा दिना सो मांडा
पाना ८०.
९०० ) रोकडा हस्ते
लछाराम.
१००० ) मगनीरामबभुतासिंघ-
जीके लेषे भादवासुदी ७ रो
कडा दीना सो मांडा
पाना ७८.
१००० ) रोकडाहस्ते लछीराम-
९०० ) नेमाजी खेमराजके लेषे
०। आसोज वदी ६ रोकडा
दीना सो मांडा हस्ते षुद
पाना ८० )
९०० ) रोकडा सोनारकी
परषरा दीना.
१२९९ ) मगनीरामजी बभुतसिं-
घजीके लेषे भादवा
सुदी ७ रोकडा दीना सो
मांडा पाना. ७८ )
१२९९ ) रोकडा हस्ते
रामरष.
३७।) श्री आफीमकी षरचषाते
लेषे भादवा वदी १ रोकडादी-

३०२७।=)वगसीराम मंगलचंद
का जमा सावण सुदी १५
रोकडा आया सो जमा-
कीना हस्ते हिंगसगवगी.
पाना ७९

२९८३॥) ठाकुरसी उदेरामका
०। जमा सावण सुदी १५
रोकडा आया सो जमा
कीना हस्ते पुनाजी. पा.
ना ८०

२९८३॥० रोकडामोना-
रकी परपरा

५५०५।)वगसीराममंगलचंदका
०। जमा कार्ती सुदी १
रोकडा आया सो जमा
कीना पाना ७९

५५०५।)॥रोकडा था
सोनारकी पर
परा हस्ते
हिंगसगवगी

२॥)श्रीवटेपाते जमा भादवाव-
०। दी५रु.२००)वजार चलण
लाया सो परपरा दीना
जणेका वटे रापा पाना८०

१००)श्रीतालपाते भाई रामा-
जी कालूरामका जमा ह-
ना हस्ते हमाल घासी
पाना ८१

६ तेलमण १ असलका प्रत ६
१।) पालीपीसी मण१प्रत १५
५ पाल आषी माणी १
२५ बंधाई तथा केराई तथा
परचुरण मजुरी तथा थेलाउ-
तराईका चुकता भादवावदी
१४ हस्ते हमाल घासी.

३७।)

६८॥)श्रीहासलपाते लेषे साव-
ण सुदी ११चीकमण५५
का हमालका थेला ११
का सरकारमधे दीना प्रत
१।) मण १ पाना ८२

६८॥) रोकडा हस्ते
भागीरथ.

१०००)श्री तालपाते रामाजी
कालूरामके लेषे तुमा-
रे वरु भादवासुदी ११
हुंडी १ हमारे उपरा
लपी तुमारी राषा पुन-
मचंद दीपचंदपास भा-
दवा वदी १सूं दीन ११
पीछे साहायोग रु. हुं-

मारे घरु सावणसुदी १५ चिट्ठी १ तुमारा उपर कीनी जणीका सोनार जसराज नादेवाया सो तुमारा जमा कीना पान ७८ लषीसावणसुदी १४.

१०१ ) रोकडाराषावाला धणीका आया.

१ ) बाद श्री हुंडावणषाते

१०० ) बाकी षरा

१ ) श्रीहुंडावणषाते जमासावणसुदी १५ चिट्ठीरु. १०० ) तालकीकीनी जणीकाजमाकीनी पान ८१.

२९००० ) २३०० ) ३०० ) ३१ ) २॥ )

४१६३३॥ ) ॥

४१६३३॥ ) ॥

डी चलणका रोकडा दीना सो मांडा.

१००० ) रोकडा मगनीरामजी बभुतसिंघजीनादेवाया सो जमा मांडा हस्ते रामरष.

१ ) श्रीधरमादेषातेलिषीमितीभादवासुदी १ना दीना. पाना ८२

१। श्रीषरचषाते लेषे भादवासुदी २ साईको मसालो तथा काजल आई जणाका दीना हस्ते भगरा. पान ८०

१ ) रोकडा दीना.

८६। ) श्रीवीसीषरचषातेलेषे भादवासुदी ३ पान ८०

२१ ) गंहु मणी १ )

२१ ) घीरत मण १ )

२१ मुंग तथा चावल.

५ ) मिरच मसाला वगैरे परचुण.

२। ) गाडा लकडको.

५ गुड मण १ )

११ ) षांड मण १ )

१६००० ) १७०० ) २७० ) ८ ) १॥

१७९७९

२३६३४।)॥ श्रीषातेबाकी.
२२०००) रोकडतोडा
नग ११
१६३०) रोकडी थेली १
४।)॥ रोकडाटका.

२३६३४।)॥

४१२३३॥)॥

४१६३३॥) ॥

श्रीः ।

१॥ विगत पकी रोकड उतारणी जणी कीके कची रोकडमें जुमले लगावे जूं पकीमें पण लगादेणो और लेषे एक पान उपर कची रोकडकी षतानी करलेणी एक धणीकी दो कलमआवे तो एक पेटमें उतारणी न्यारी न्यारी नहीं उतारणी फेर जोड लगाके मेल कची पकी रोकडको वरष मिलाय देणो और देसावर तथा बजारकी रकम पेलां उतारणी षरच की रकम सबके नीचे उतारणी.

॥ श्रीपरमेसरजी ॥

१॥ श्रीमहालक्ष्मीजीको भांडारभरपुर होईजो सम्वत १९२९ भादवा सुदी १ सूं सुदी १५ सुधोमेल पकी रोकडको दीन १५ को छै लाभ सुष घणो होईजो.

२१००१) श्रीषातेबाकी
३२४६।)मगनीरामजीबभुतसिं-
० घजीका जमा पाना ७८
१२१६।) रोकड पान ८३
भादवा वदी १३
१२४६।) रोकडहस्ते
रामरष.
२०००) रोकडपान ८३
भादवा वदी १४
रोकड तुमारे ब-
दले गणेशदा-
स कीसनाजी प-
रषाया सो जमा
कीना.
१०००) परषा-
यागणेशदा-
स कीसनाजी
रालेषा
१०००) रोकड
पान ८४ भा-

५८०५)मगनीरामजी बभुतसिं-
घजीके लेषे रोकडा दीना
सो नांवे मांडा हस्ते रा-
मरष. पाना ७८
२५५०)रोकडपान८२
१३००) सावण सुदी १०
१२५०) भादवा वदी ९
रोकडपान ८३
२५५०
१०००) भादवावदी ११
१०००) भादवा सुदी २
१२५५) रोकड पान ८४
भादवा सुदी ७
१०००)गणेशदास किसनाजीके
लेषे रोकड पाना ८३ मि
ती पाना भदवा वदी १४
रोकड तुमारे बदलेमगनी
राम बभुतसिंघना दीना
सो मांडा
१०००)परषाया मगना

दवा सुदी १५
रोकडा आ
या सो.
१०००) रोकडहस्ते रामरष
३२४६।)
३५०१।)गणेशदासकिसनाजी
का जमा रोकड आया सो
जमा कीना पाना ७९.
२२५०) रोकडपान
८३ भादवा वदी
९ रोकडा हस्ते
नवलजी,
२२५०)रोकडा
१२५१)रोकडा पान
८४ भादवा सुदी
७ रोकड आया
सो हस्ते दलसु-
षजी,
१२५१)रोकडा
३५०१।)
१०००)धनरूपमल राजमलको
जमापान७९रोकड पाना
६६भादवासुदी ६रोकडा
आया सो जमा कीना
१०००)रोकडा परषरा
१२६५॥=) सिवलाल मोतीला
०। लका जमा रोकड पा-

रामजी बभुतसिं-
घजीके जमा.
५०००)ठाकुरसीतेजपालके लेषे
रोकडपान८४ आसोज
वदी ६ रोकड दीना सो
मांडा.
५००) रोकड हस्ते ल-
छीराम.
५००) नेमाजी षेमराजके लेषे
० रोकडपान८४ आसोज
वदी ६ रोकडा दीना सो
मांडा हस्ते बुद्द
५००) रोकडा परषरा
१०००) श्रीतालषाते रामाजी
कालूरामके लेषे तुमारे
घरु रोकड पाना ८५
हुंडी १ हमारे उपरा
लषी तुमारी राषा पु-
नमचंदपास भादवा
वदी १ थी ११ पीछे
साहाजोग रु. हुंडी च-
लणका पान ७७.
१००००)रोकड मगनीराम-
जी बभूतसिंघजी-
ना दीना सो तुमारे

ना ७९ भादवा सुदी ७ रोकडा आया सो जमा कीना हस्ते नरसिंग.

१२६५॥=) रोकडातुमारावतीठाकुरसी उदोराम परषाया १२६५॥= ) रोकड

---

१२६५॥=)

८५३२॥=॥) वगसीराममंगलचंदके लेषा रोकडपान ७९ रोकडा आया सो जमा कीना हस्ते हीरासरावगी पाना ७९

३०२७।=) सावणसुदी १५ रोकड पान ८५

५५०५)॥ काती सुदी १ रोकडा पान ८५

---

८५३२॥=॥)

२९८३॥) ठाकुरसी उदेरामकाजमा रोकडपाना ८५ सावण सुदी १५ रोकडा आया सो जमा कीना हस्ते पुनो प्रत १२७

२९८३॥) रोकडापरषरा

१००) श्रीतालषातेरामजी कालू नाव मांडा हस्ते रामरष कोठारी.

३७॥) श्रीआफीमके षरच षाते लेषे नकल पान ८१ भादवा सुदी १० रोकडा रकम आई जणीकाहस्ते हमाल पासी

६।) तेल असलको मण १

१।) पालीपासी मण १॥

५) पाली आषी माणी १

२५) हमालीके बंधाई फेराई तथा परचुरण हमालकी दानगीयाका.

---

३७=)

६८॥) श्रीहासलषातेलेषेरोकडे

०। पान ८५ सावण सुदी ११ चींक मण५५ के हासलका सरकार पाना ८२री चबुतरेवालाना दीना हस्ते भागीरथजी

१) श्रीषरचषाते लेषे रोकड

०। पाना ८६ भादवा सुदी २ साहीको मसालो आयो तथा काजल आयो जणीका दीन सो मांडा हस्ते भगीरथ.

रामकाजमाहमारे घरु रोकड पान८५सावणसुदी १५चिट्ठी तमारे उपरा लषी हमारी राषा सोनारजसराज पास चिट्ठीलषी सावणसुदी १४ थी दीन१पीछे साहाजोग रु. हुंडी चलणराषा पान ७८ १०१ ) रोकडा राषावाला धणी पासे आया.

---

१ ) बाद्श्रीहुंडावणषातेजमा
१०० ) बाकी सरे

२॥ )श्रीबटाव षाते जमा रोकड पान ८० भादवा वदी ५ रु. २०० )बजार चलणी नाजणी का वटेकामत ११ ) लेपे पानो ८०

१ ) श्रीहुंडावणखाते जमा रोकडपान ८६ सावण सुदी १५ हुंडी रु.१०० ) श्रीनकलकी कीनी जणीकी हुँडावणका

३९००० ) २४०० ) २१० )

---

२१ )२॥। ) ॥

---

४१६३३॥। )॥

---

४१६३३॥। )॥

८६। ) श्रीवीसाषरचषाते लेषे रोकडपाना ८६ भादवा सुदी ३

४२ ) गेहूं माणी १ ) २१
घीरतमण १ ) २१
२१ ) मुंग तथा चावल
॥ ) ॥ )
१० ) वेसवार सरब ५ )
गुड मण १ ) ५ )
११ षांड मण १
२। लकडीकी गाडी १

---

८६। )

१ श्रीधरमादेषातेलषे रोकडपान ।० ८६ भादवा सुदी १

---

१६००० ) १८०० ) १७० )
२८ ) १॥ )

---

१७९९९॥ )

१३६३४। )॥ श्रीपोते बाकी

---

४१६३३॥। )॥

---

४१६३३॥। )॥

# विगत हिसाब देशावरना तुमारे घरु भेजा जणीमें हिसाब षरच लगावणो जणीकी विगत.

आडत जणेकी लगाणीके जमा चात्रे लेषेके जोडा षाताकी होवे जणी माहे धणी जोड होवे उणीका प्रत=) सेकडा १ लारे लगाणो और जुनी बाकीकी रकम उण जोडकी आडत लगाणी जणी माहे सूं बाद करणी. बाकी आडत लगाणी और कोई जिनसकी रकमबी जोडमाह आवे तो आडत लगाणी नहीं; कारण के उणी रकम माहे तोबी किवा षरीदे उणी वषत प्रत ॥) सेकडेकी लग जावे छे. सो पण जोडमें बाद करणी बाकी रहे उसीकी लगाणी.

सकराई प्रत ।-) हजारकी लारे लगाणीके जो हुंडी देशावरकी लषी सिकारा जणीकी हिसाबमाह लगाणी.

परषाई प्रत=॥) हजार एक लारे लगाणा जमा पासेकी जोड आवे उणाकी लगाणी जुनी बाकी जमाकी जोडमें आय जावे तो बाद कर बाकी जमा रु. होवे उणीकी लगाणी.

दलाली प्रत ।-) हजार १ लेषे लगाणीके ईस रकमकी लगाणीके हुंडी षरीद भेजा तथा उणीके षाते करा जणीकी.

चिट्ठीकी सुषडी साल भरके षातेमें काम पडा होवे सो

देषकर अंदाजसे लगाणी इसका सुमार छे नहीं काम मुजब लगाणी.

और व्याज ज्यो व्याज बहीमें आंक आवे उणाको प्रत ॥)।
सेकडा एकलारे लेणो वादेणा साहुकारी बाकी बोलताबणे जणमुजब जोडनो.

इस तरेहसे देशावरना हिसाब भेजणो जणीको षरच इस तरेहसे लगाणो और इस तरेहसे देशावरवाले हिसाब भेजें सो कापणो पातेमें मीलालेणो षरच पण इस तरेहसे मिलायके जो उपर लिखी जीसी तरेहसे जाच लेणो भूलसे जादा लगायलीनो होवे तो भूललिपणी और देसांवरवालो जितनी रकम षातेमें भरेने बाकी काटनेमें ले उणी मुजब काटणी जोके नवे सालमें मुजरे लेवे तो आपणे षातेमें रेत काटणी जितनी बाकी देशावरवालो काटे उणे मुजब आपापण काटलेणी.

---

## कायदो सराफकीजन कोईणे मुजब.

साहुकार लोक आडता देशावराकी करे जणे कोईणी मुजब छे. सो साहुकार कोई सयेलके माफक चलना चाहिये.

१ आडतीयेको माल बंधावे जणेमें जल जोषाम आस मानी पेमाली माल बंधावणवाले आडतीयेकी छे. साहुकार सुदावो नहीं जो आडतीयो दावो करे तो झुटा छे.

२ आडतीयेके षाते हुंडी षरीद कर भेजे जणीमें राषा आडतीये का कराणा मारफत आपणी कराणी कदास सीधो पुरजो मोल लेके भेजे तो बेचाण आडतीयेके नामकी कराणी. मारफत याके साहुकार षरीदणेवालेकी कराणी नहीं. करावे तो आसामी कचीपकीकी जोषम आपणी रहगा.

३ हुंडी साहाजोग सिकारणीके जो पेठपर पेठ और सनंदाको जबाब देवे जणे जोगसिकारणी और कची आसामी जोग सिकारणी नहीं.

४ कोई जालसाद हुंडी लावे तो बिना साहाजोग सिकारणी नहीं. आसामी येसी देषणीके जिसके घरमें रु. १०००) की ऐवज होवे उसधणी जोग हुंडी रु. १००) की सिकारणी जादा सिकारणी नहीं.

५ देशावरना हिसाब तुमारे घरु काती सुदी १ संमत १९२९ सुधो उतार भेजणो जणेकेपुटे उपर आडी आल षेचके इणी मुजब विगत करणीके हिसाब तुमारे घरु जिस मितीतक होवे उसीतकका करणो फेरसार लेणा तपासने जमा षरच कीनो लष जो रुप्या हमारा लेणा छे सो तुमापण देणा काटलीजो.

---

## और हुंडी कोये नईण मुजब साहुकारकू चाहिये:

१ हुंडी या मोललेके देशावरना भेजी बिचमें डाक माहे

सूं जालसाजने हुंडी चोरके देशावरमधे धोका देके सिकरावलिनी तो हुंडी बेचनेवाला धणीके तो साह जोगकी भरपाई बतावे नहीं तो पेठपर पेठ वह सनद देवे वो सनद नहीं सिकारे तो फेर बेचनेवालो रुप्या देवे.

## और हुँडी पिछी आवे जणेको सरस्तो सबसेरांमे साहुकारके इण मुजब छै.

१ व्याजः प्रत ।॥ सेकडाको लेणो.

२ हुंडी जिस दीन पीछी आवे उणी बषतको भावसरे आसामीको होवे सो लेणा और जिस भावमें ली उसे कमी भाव बजारमें होवे तो जिस भाव ली उणमुजब रुप्या लेणा.

३ नकराई सिकराई इणी मुजब लेणेके जो हुंडीकी मुदत दीन २ सूं दीन २१ तक तो रु. १) सेकडा लार लगाणो और ईकिसदीन सूं मुदत जादा होवे तो रु. २) लगाणा

४ और आगे सरकारी टपा नहींथा जब हुंडी पिछी आती जब बेचनेवालेसे कासीदीका जितना लगता जितनी लिया जाता वो अब सरकारी डाक होनेसे टपेका महसुल देषकर लेना अंदाजसे ये सिरस्ता कासीदीका है.

। विगत रोजनामो उतारणे कीके पेलां तो रोजनामाको मेल लगाणो जणेके उपर श्रीपरमेश्वरजीको नामो देणो वो मेल जितना दीनाको नकलमें होवे उतना दीनाको करणो रोजनामो उतारणो जदी नकल तथा कचो षातो कने राषणो और पेसतर षातेमें रमक देषलेणीके इसमैलमें इणी धणीकी रकम प्रत इतनेसे लगाईने इतनेतक जिस धणीकी रकम होवे सो एक पेठे उतारणी और उपर चाव जमा चावे लेषो उतारो जठे सारी विगत नकल मुजब करणी और पेटेमें जमा चावे लेषे बलतामांडणा जठे कुछ विगत करणी नहीं. देशावरका पेटमें जमा लेषो होवे तो फकत तुमारे तथा हमारे घरु करणा और कुछ करणा नहीं. पेला पेल चावं देशावर तथा बजारकी रकम उतारणी पीछे षरच वगैरेकी रकम उतारणी पीछे रोजनामेकी जोडा लगाणी फकत हुंडावण जोडो लगायने मेल मिलाया पीछे उतारणी. जोडा जमा चावे लेषेकी लगाय उणीको नीचे हुंडावण उतारणा. फेर बराबर जोड लगाय मेल रोजनामेको मिलाय देणी इसीतरेसे नकलको मेल रोजनामेमें उतारणो फेर उणी मेलका दांडा देने उणीके नीचे करको मेल उतारणो पक्की रोकड मुजब षातो पण पास राषणो सो षातेवालेकी तथा नकल रोकड़ वालेकी भूल होवे तो निकल जावे.

---

# श्रीपरमेश्वरजी.

१॥ श्रीगणेशजी साहेछै श्रीमहालक्ष्मीजीको भंडारभरपूर हो. ईजो संमत् १९२९ मिती भादवा सुदी १ सुं लगायेने मिती भादवा सुदी १५ सुधोमेल-नकल जमा षरच रोकडको छे लाभ सुष घणो होईजो.

१

४१२८॥ ) श्रीमम्बईषाते भाई गणेशदास ठाकुरदासका जमा हमारे घरु साहा जोग रु. हुंडी चलणका.

१००० ) नकल पाना४० आसोज सुदी ९ हुंडी १ तुमारे उपरलीषी ईठासूं हमारी राषा गणेशदास किसानजीपास भादवा वदी ९ थी दीन ४५ पीछे

१००० ) गणेशदास किसनाजीके लेषे.

८०० ) नकलपाना ४४ सावण वदी९हुंडी१ रु.१००० ) श्रीरतलामकी हमारे षाते तुमा भेजी मगनीरामजी बभुतासिंहजी

१

२५०१। भाईगणेशदास किसनाजीके लेषेहुंडीरु.२००० ) श्रीमम्बईकी तुमाना दीनी गणेशदास ठाकुरदास उपरलिषी इठासूं हमा राषा तुमारे पासथी दीन ४५ पीछे साहाजोग रु. हुंडी चलणका.

१२५० ) नकलपान४०भादवा वदी ९ प्रत २५

१००० ) श्रीमम्बई षाते गणेशदास ठाकुर दासका जमा हमारे घरु.

२५० )श्री हुंडावणषातेजमा.

स नारायणदास
के लेषे हमारे
घरु.
३२॥) श्रीहुंडावण पाते
लेषे.
७९६।) नकलपाना४७
सावण सुदी १
हुंडी१रु.१०००)
श्रीमन्दसोरकी ह
मारे पाते तुमाभे-
जी गणेशदास पु-
नमचंद उपर लि-
षी श्रीमम्बईसूं
गणेशलाल सो
भागमलकी राषा
हमारे पास मा-
रफत तमारी सा-
वणवदी १ दीन
६१ पीछे साहा
जोग रु. हुंडी
चलणका प्रत
७९॥=) चिट्ठी
तुमारी सावणव-
दी २ सूं
७९६।) श्रीमंदसोरषाते

पा गणेशलाल
सोभागमल पास
आसाढ सुदी ५थी
दीन ६१ पीछे प्र-
त ८० लेषे.
८००) मगनीराम
जी बखुत-
सिंघजी-
का जमा.
१०००)नकल पाना४३
आसोज सुदी९हुं-
डी १श्रीमुम्बईकी
लषी भेजी गणेश-
लाल सोभागमल
उपगालिषी ईठासूं
मगनीराम बखुत-
सिंघजी राषा ह-
मारे पास भादवा
सुदी९थी दीन४६
पीछे.
१०००)मगनीरा-
मजी बखु-
तसिंघजी-
का जमा.
१०२६)नकलपान ४९ सा

षेतसीदास गो-
विंदरामके लेषे
हमारे घरु.
५००) नकल पाना ५९
काती वदी७हुंडी
१ तुमारे उपराल
षी ईठासूं हमारी
राषा गणेशदास
किसनाजी पास
भादवा सुदी७थी
दीन ४५ पीछे
जीमे हुंडी १ रु.
१०००)मधे रु.
५००) तुमारे घरु
मांडा.
५००) गणेशदा-
स किसना
जीके लेषे

४१२८॥)
५८०५)भाई मगनीरामजी बभु-
तसिंघजीका जमा सा-
हाजोग रु. हुंडी चलणका
१०००) नकलपान ४१
भादवा वदी ११
हुंडी १ हमारे उप

वणसुदी१०हुंडी१
रु. १०००) जे-
पूरकी गणेशदास
नारायणदास उ-
परा लषी हमारे
षाते तुमारा राषा
नेणसुष मुलता-
नचंद पास साव.
ण वदी १० थी
दीन २१ पीछे-
प्रत१०३॥)लेषे
चिट्ठी तुमारी सा-
वण वदी ११ सूं
१०००)श्रीजैपुर
षाते भा-
ई गणेश-
दास ना-
रायणदा-
सका ज-
मा ह-
मारे घरु.
३५)श्री-
हुंडावण-
षातेजमा.
१०३५) नकलपान४६सा-

रा लिषी श्रीमुम्बईसूं गणेशदास ठाकुरदासकी राषा गणेशलाल सोभागमल पास आसाढ सुदी १५ थी दीन ५१ पीछे.

८००) श्रीमुम्बई षाते गणेशदास ठाकुरदासके लेषे हमारे घरु.

२००) श्री हुंडावण षाते लेषे.

१२५०) नकल पान ४२ भादवावदी ९ हुंडी १ रु. १०००) श्री मुम्बईकी तुमारी लीनी गणेशलाल सोभागमल उपरालिषी ईंठासूं तुमारी राषा हमारे पास भादवा वदी ९ थी दीन ४५ पीछे प्रत २५) लेषे.

वणसुदी १ हुंडी १ रु. १०००) श्रीजैपुरकी वटाणी भेजी सुषराम गंभीरमल उपरालषी ईंठासूं मगनीरामजी बभुतसिंघजीकी राषा हमारे पास सावण वदी १० थी दीन २१ पीछे प्रत ३॥ लेषे तुमारी चिट्ठी सावण सुदी १ सूं नावें मांडा.

१०३५) भाई मगनीरामजी बभुतसिंघजीका जमा.

४००) नकलपाना ६१ सावण सुदी १ हुंडी १ रु. १०००) श्रीरतलामकी हमारे उपरालिषी तुमारी राषा गणेशलाल सोभागमल पास सावण सुदी १ थी दीन ५१ पीछे जणे

१०००) श्रीमुम्ब-
ईषाते गणे
शदास ठाकु-
रदास के
लेषे हमारे
घरु.
२५०) श्रीहुंडा
वणषाते लेषे
१२००) नकलपाना ४८ श्रावण
वदी १० हुंडी १ रु.
१०००) जेपूरकीतुमारी
लिषी ईठासूं तुमारी
राषा हमारे पास सावण
वदी १० थी दीन २१
छे प्रत ३०) लेषे.
१०३५) श्रीमम्बई षाते
गणेशदास ठाकुर
दासके लेषे.
हमारे घरु.
२६५) श्रीहुंडावण
खाते लेषे-
१०००) नकलपान ५०
भादवासुदी २ हुंडी
१ हमारे उपरा
लीषी श्रीमम्बईसूं
मधे हुंडी रु. ५००)
हमारे घरु प्रत ८०
लेषे तुमारे कीनी
सो चिट्ठी तुमारी
सावण सुदी १ सूं
जमाषरच कीना.
४००) ठाकुरसी
तेजपालका
जमा.

---

४२७०
३२४६।) भाई मगनीरामजी
बभुतसिंघजीके लेषे साहा-
जोग रु. हुंडी चलणका.
१०००) नकलपाना ४३
भादवा सुदी १५
हुंडी १ तुमारे
उपरा लिषी श्री
मम्बईसूं गणे-
शलाल सोभा-
गमलकी राषा
हमारे पास
मारफत गणे-
शदास ठाकुर-
दासकी साव-

गणेशदास ठाकु-
रदासकी राषा ग-
णेशलाल सोभा-
गमल पास आ-
षाढसुदी १९ थी
दीन ५१ पीछे.
१०००) श्रीमम्बई षाते गणेश-
दास ठाकुरदा-
सके लेषे तुमारे
घरु.
१२५९) नकलपान५६ भादवा
सुदी७ हुंडी१रु. १०००
मम्बईकी तुमारी लीनी
गणेशलाल सोभागमल
उपरा लिषी ईठासूंतुमारी
राषा हमारे पास मिती
भादवासुदी७ थी दीन४९
पीछे प्रत २५॥ लेषे.
१२५९श्रीमम्बईषाते ग-
णेशदासठाकुरदा-
सके लेषेतुमारेघरु

---

५८०५)
५१३९) श्रीमम्बईषाते भाईगणे-
शदास ठाकुरदासका ज-
मा तुमारे घरु साहाजो-

ण वदी ९ दीन
५१ पीछे
८००) श्रीमु-
म्बई षा-
ते गणे-
शदासठा-
कुरदास-
का जमा
हमारे
घरु.
) श्रीहुंडा-
वणषाते जमा.
१२४६।) नकलपाना५१भादवा
वदी१३हुंडी१रु.१०००)
श्रीमुम्बईकी तुमाना
दीनी गणेशदास ठाकुर-
दास उपरा लिषा ईठा-
सू हमारी राषा तुमा
पास भादवा वदी १३
थी दीन४९पीछे. प्रत
२४॥=) लेषे.
१२४९) श्रीमम्बई षाते
गणेशदास ठा-
कुरदासका जमा
तुमारे घरु.

ग रु. हुंडी चलणका.

१०००) नकलपाना९२भादवा वदी १४हुंडी१श्रीरतलाम कीलेणीआई मगनीराम बभुतसिंघ उपरालिषी श्रीबम्बईसूं गणेशलाल सोभागमलकी राषा तुमारे पास आसाढवदी ८ थी दीन ९१) पीछे.

१०००) मगनीराम बभुतसिंघजीके लेषे

२४९)नकलपाना ९१ भादवा वदी १३ हुंडी१रु.१००० मम्बईकी तुमारे षाते तुमारे उपर लिषी ईठासूं हमारी राषा मगनीराम बभुतसिंघ पास भादवा-वदी १३ थी दीन ४९ पीछे भ्रत २४॥) लेषे.

१२४९) मगनीरामबभुतसिंघजीके लेषे.

१०००)नकलपाना९२ भादवा-सुदी६हुंडी१ श्रीरतलामकी तुमारे षाते श्रीअजमेरसूं हंसराज गंभीरचंद भेजी धनरुपमल वागमलउप

१।) श्री हुंडावणषाते जमा.

१०००) नकलपान ९२ भादवा वदी १४ हुंडी १ तुमारे उपरा लीषी श्री मुम्बईसूं गणेशलाल सोभागमल की राषा गणेशदास ठाकुरदास पास आषाढ वदी ८ थी दीन ९१ पीछे

१०००) श्रीमम्बईषाते गणेशदास ठाकुरदासका जमा तुमारे घरु.

---

३२४६।)

१०००।)श्री जैपुरषाते भाईगणेशदास नारायणदासके लेषे हमारे घरु नकलपाना ४६ असोज सुदी १हुंडी १ श्री जैपुरकी हमारे षा

रा लिषी श्रीअजमेरसूं धनरूपमल बागमलकी राषा तुमारेपास मारफत हंसराज मेघराजकी मिति सावणसुदी १५ थी दीन २१ पीछे.

१०००) धनरूपमल राजमलके लेषे.

१२६५) नकलपाना ५४ भादवा सुदी ७ हुंडी १ रु. १००० श्रीमम्बईकी तुमारे षाते इदोरसूं हंसराज मेघराज भेजी सुरतराम रायभान उपरा लिषी श्रीजेपूरसूं लछमणदाससिवादासकी राषा सवाईराम हिंमतराम पास मारफत पदमसीतेजसीकी भादवा वदी १ थी दीन ५१ पीछे प्रत २६॥-) गया मितीईसु दी बटाई सो तुमारी जमा किनी.

१२६५) सिवलाल मोतीलालके लेषे.

६२५) नकलपाना ५९ भादवासुदी ७ हुंते मम्बईसूं गणेशदास ठाकुरदास भेजी सुषराम गंभीरमल उपरा लिषी श्रीमम्बईसूं गणेशदास सोभागमलकी राषा गणेशदास ठाकुरदास पास सावण वदी १० थी दीन ५१ पीछे साहा जोग रु. हुंडी चलणका-

१०००) श्रीमम्बई षाते गणेशदास ठाकुरदासका जमा हमारे घरु.

२०००) श्रीमंदसोर षाते षेतसीदास गोविंदरामके लेषे हमारे घरु हुंडी २ श्री मंदसोरकी लेणी भेजी गणेशदास पुनमचंद उपरा साहाजोग रु. हुंडी चलणका.

१०००) नकलपाना ४७ भादवा सुदी ७ हुंडी १ लिषी श्रीमम्बइसूं गणेशलाल सोभागमलकी राषा हमारे पास मार-

डी १रु.१०००)
तुमारे उपर ली-
षी इठासूं ह-
मारी राषा गणे-
शदास किस-
नाजी मगनी-
राम बमुतसिं-
घ पास भादवा
सुदी ७ थी दिन
४९ पीछे तीके
मधे हुंडी रु०
९००) हमारे
घरु मांडी प्रत
२९ लेषे.
६२९) गणेश-
दास कि-
सनाजी
के लेषे.

९१३९

१०००)श्रीजेपुरषाते गणेशदास
नारायणदासका जमा ह-
मारे घरु नकल पाना४९
आसोज वदी १ हुंडी १
तुमारे उपरा लिषी ह-
मारे षाते श्री मुम्बई ग-
णेशदास ठा-
कुरदास मम्बई षा-
तेकी सावण वदी १
थी दीन ९१ पीछ.
७९६) श्रीमम्बई
षाते गणेशदास
ठाकुर दासका
जमा हमारे घरु
२०३॥) श्री-
हुंडावण
षाते ज-
मा.

१०००)नकलपाना९६ भाद-
वा सुदी १० हुंडी १
लिषी श्रीइंदोरसूं फ-
तेचंद सेवगकी राषा
हंसराज मेघराज
श्री इंदोरवाले पास
भादवा वदी १ थी
दीन ९ पीछे.
९९६)श्री इंदोरषाते
हंसराज मेघ-
राजका जमा
तुमारे.
३॥)श्री हुंडावणषाते जमा.

२०००)

५००) ठाकुरसी तेजपालका ज-
मा नकलपाना ६२ मिती
आसोज वदी ६ हुंडी १
हमारे उपरा लिषी श्रीमु-
म्बईसूं गणेशदास ठाकुर-
दासकी राषा गणेशलाल
सोभागमलपास सावण
सुदी १ थी दीन ५१पीछे
साहाजोग रु. हुंडीचलण
का जीमेंहुंडी१रु.१०००
मधे रु. ५००) नेमाजी
षेमराज जोग सीकारी.
५००) श्रीमम्बईषाते ग-
णेशदास ठाकुरदास-
के लेषे तुमारे घरू-
५००) नेमाजी खेमराजका जमा
नकलपाना६२मिती आ-
सोज वदी६हुंडी १ हमारे
उपर लिषी श्रीमम्बईसूं
गणेशदास ठाकुरदासकी
राषा गणेशलालसोभाग-
मलपास सावण सुदी१थी
दीन५१पीछेसाहाजोगरु.
हुंडी चलणकाजुमले हुंडी
रु.१०००)मधेरु.५००

राषा गणेशलाल
सोभागमलपास
भादवा सुदी ७
थी दीन४५ पीछे.
१०००)श्रीइंदो-
र षाते हंसराज
मेघराजका ज-
मा हमारे घरु.
२६५)श्री हुंडावणषाते
जमा.
१२५६।)नकलपाना५६
भादवा सुदी ७ हुं-
डी१रु.१०००)
श्रीमम्बईकी तु-
मारे षाते तुम-
ना भेजी गणेश-
लाल सोभागम-
ल उपरालिषी इ-
ठासूं मगनीराम
बमुतासिंघजीका
राषा तुमारे पास
मारफत हमारी
मिती भादवासु-
दी ७ थी दीन४५
पीछे भाव प्रत
२५॥=) लेषे.

कीठाकुरसी तेजपाल
जोग सिकारी.
४००) श्री मम्बईषाते ग-
णेशदास ठाकुरदास
के लेषे हमारे घरु
१००) श्री हुंडावण षाते
लेषे.
९९६।) श्रीइंदोरषाते हंसराज मे-
घराजका तुमारे घरु नकल
पाना ५५ भादवा सुदी ७
हुंडी १ रु. १०००) श्रीमं-
दसोरकी तुमा वटाणी भेजी
गणेशदास पुनमचंद उपरा
लिषी श्रीइंदोरसूं फत्त-
चंद सेवगकी राषा तुमारे
पास भादवा वदी १ थी
दीन ५ पीछे साहाजोग
रु. हुंडी चलणका प्रत
रु. ९९॥=) लेषे बटाईगई
मितीसुधी.
९९६।) श्रीमंदसोरषाते षे
तसीदास गोविंदरा-
मके लेषे हमारे घरु
११२१५॥-॥) श्रीतालषाते-
भाईरामजी कालु-
रामका जमा तुमारे

१२५५) भाई म-
गनीराम
बभुतसिं-
घजीका
जमा
१।) श्री-
हुंडावण
षाते
५००) नकलपाना ६१
आसोज वदी ६
हुंडी १ हमारे उ-
परा लिषी तुमारे
राषा गणेशलाल
ठाकुरदास पास
सावणसुदी १ थी
दीन५१पीछे हुंडी
रु.१०००) जणी
मधे रु. ५००)
निसाणी हमारे
घरु मांडी.
५००) नेमाजी षे-
मराजका जमा.

---

४०२१।)
५९॥= श्रीतालषाते भाई रामा
जी कालूरामके लेषे तु-

घरु आफीमकी वटी तथा चीक तुमारो वेचो जणीका जमा परच कीना उपनाका पाना २ तुमाना उतार भेजा जणे मजव.

९४१५॥ ) नकलपाना ६५ कातीसुदी १ आफीमकी वटी मण. २३। ) १=)भरष री प्रत ९९ लेपे परासूं तुमारी वेची.

९४९३॥=॥ ) असल वटी- मण २३।१=) प्रत ९९

---

७८=)॥वाद परचका

२७।≡॥)आडतरु.९४९३॥=॥

९॥।-)दलाली मण २३। प्रत.।.

१।≡।धरमादाय प्रत-)मण

२=)॥। परचुरणपरच मण प्रत दे़ड आना

मारे घरु नकल पाना६४ मिती सावण सुदी ५ जीकरा थेला मण५ तुमारे वंधाया जणेका मण२८॥ जीकरा वंधाई परचका प्रत २-॥)मण १ लेषे ५९॥=) श्री आफीमके परचपाते जमा.

८५३२॥=॥)वगसीराम मंगलचंदके लेषे.

९५०५)॥नकलपाना६५काती सुदी १ आफीम की वटी मण २३।१=) परा प्रत ९९) लेषे परासूं तमाना दीना १ जणेका नावे मांडा हस्ते दलाल रघजी कोठारी तथा नाहालचद.

९४१५॥) श्रीतालषाते भाई रामजी कालूराम का जमा तुमारे वरु.

३९-॥ श्रीआडतषाते जमा.

४१।़ हासल मण ३० का
प्रत १।=़

---

८=॥ ़
५४१५॥ ़ बाकी परा बगसी-
राम मंगलचंदके
लेषे.

५९००॥-ृ नकलपाना ६७
सावण सुदी५जीकरा
थेला मण ६ तुमारा
वेचा जणेको चीक
मण ३४।ृ परा प्रत
४३॥।ृ लेषे बेचा तीरा
५९९३॥।ृ असलचीक
मण३४।
प्र० ४३॥।

---

९३।=॥ृ बादपरचा घाट
३० ़॥आडत रु. ५९९२॥।ृ
प्रत ॥ृ
८॥-ृ दलालीका प्रत।ृ
मण १
४९॥ृ हासलमण ३६ प्रत
१।=ृ मण १
३।ृ परचुरण परच प्रत-॥ृ
२=ृ धरमादाय प्रत-ृ

५॥।ृ श्री दलाली
पाते जमा.
१।=ृ श्रीधरमादायषा-
ते जमा.
४१।ृ श्रीहासलपाते
जमा.
२-॥।ृ श्रीआफीमके
परचपाते जमा
५५०५।ृ॥

---

३०२७।=ृनकलपान६।७सावन
सुदी५चीक मण१७।
प्रत ४३॥।=ृ लेषे
तुमाना दीनाजणेका
जमापरच कीना.
२९७३।=ृ श्रीताल
षाते राम
जी कालू-
रामका
जमा तुमारे
घरु.
२३।=ृ श्रीआडतृ
षाते जमा
४।-ृ श्री दलाली-
षाते जमा

मण १

९३।=॥)

५९००।-॥) बाकी षरा

२९२७॥=) ठाकुरसी उदेरामके लेषे.

२९७३।=) बगसीराम मंगलचंदके लेषे.

५९००।-॥)

११३१५॥।-॥)

९०॥।)श्रीहासलखातेजमा मिती सावण सुदी ५ जीकगथे लानग ११ श्रीतालका आयाजणीके हासल मण ६६ को प्रत १।=) लेषे ४१।) नकलपान ६६ मण ३० ४९॥) नकलपाना ६८ चीकमण ३६

९०॥।

६४॥=) बगसीराम मंगलचंदके लेषे ४१।) २३।=)

२६=) ठाकुरसीदास उदेरामके लेषे.

१॥।=॥) श्रीआफीमके षरच षाते जमा.

१-) श्री धरमादाय षाते जमा.

३०२७।=)

८५३२॥=)॥

२९८३॥) भाई ठाकुरसी उदेरामके लेषे नकलपाना ६६मिती सावण सुदी ५चीक मण १७)प्रत ४३॥।=)लेषेषरासूंतुमाना दीनों जणीकानावे मांडा.

२९२६॥।≡॥।) श्रीताल षाते रामजी कालूरामका जमा तुमारे घरु.

२३।≡॥) श्रीआडतषाते जमा)

२६=) श्रीहासलषातेजमा.

४।) श्रीदलालीषाते जमा)

८६≡) श्रीआडत षाते जमा बटी तथा चीक तालवाला रामाजी कालूरामको बेचो तकर आडतका प्रत ॥) सत १ लेषे.

४७-॥)नकलपाना ६८ सावण सुदी ५ चीक मण ३४.

३०॥=) बेचवालपासे रु.

५०९३॥।)

१७=)लेवालपासे प्रत=)घडी १

४७=॥)

२३।≡॥) ठाकुरसीदासउदेराम के लेष.

२३॥=) बगसीराम मंगलचंदके लेषे.

३९-॥) नकल पाना६६काती सुदी १ बटी२३।१= की

२७।≡॥) बेचवालपास रु.

५४९३॥=॥ प्रत -॥.

११॥=)लेवालपास प्रत ॥) मण १

३९-॥)बगसीराम मंगलचंदके लेषे.

८६≡)

१॥=)श्रीअफीमका षर्चषाते जमा.

१।-) श्रीधर्मादाय-षातेजमा.

२९८३॥।)

१०००)धनरूपमल राजमलके लेषे नकलपाना९३भादवा सुदी ६हुंडी तुमारे उपरा लिषी श्रीअजमेरसूं धनरूपमल बागमलकी राषागणेशदास ठाकुरदासका मुम्बईवाले पासेमारफत हंसराज गंभीरचंदकी सावण सुदी १५ थी दीन२१ पीछे साहाजोग रुप्या हुंडी चलणका.

१०००) श्रीमम्बईषाते भाई गणेशदास ठाकुरदासका जमा तुमारे घरु.

१२६५॥=)सिवलालमोतीलाल के लेषेनकलपाना ५४ मिती भादवा सुदी ७ हुंडी १रु.१०००) श्री मम्बईकी तुमाना दी-

१४।=)श्रीदलालीषातेजमाआ-
फीमकी बट्टी तथा चीक
तालवालाको बेचो जणी
का दलाली रा.
९।।।-) नकलपाना ६६
कातीसुदी १ वटी मण
२३।।=)
९।।।-) बगसीराम
मंगलचंद-
के लेषे.
८।।-) नकलपाना ६८
सावण सुदी ५ ची-
कमण ३४। प्रत ।
४। ) ठाकुरसीदास
उदेरामके लेषे.
४।) बगसीराम मं-
गलचंदके लेषे

१४।=

६५)।।।श्रीआफीमकेषरच षाते
जमा.
५९।।=) नकलपाना६४
सावण सुदी५ची
कमण २८।। रा-
माजी कालूराम
की वधी जणीका

नी सुरतरामराय भा-
ण उपरा लिषी श्री-
सवाई जैपूरसूं लछ-
मणदास सिवदासकी
राषा सवाईराम हिंम-
तराम पास मारफत
पदमसी तेजसीकी भा-
दवावदी १ थी दीन५१
पीछे साहाजोग रु.
हुंडी चलणका प्रत
२६।।-)लेषे मितीया
को व्याजभावमेलिनो.
१२६५) श्रीमम्बई षाते
गणेशदास ठा-
कुरदासका ज-
मा तुमारे घरु
।।=) श्रीहुंडावण
षाते जमा.

२८०००)२५००)३५०)२७)३=।।।

३०८८०=।।।)

८४७।।) श्रीहुंडावणषाते लेषे.
२००) नकलपाना४१मिती
आषाढ सुदी ५ हुंडी १
रु. १०००) श्रीरत-
लामकी हमारे षाते

५९॥=)श्री ताल
षाते रा-
माजी का-
रामके
लेषे तु-
मारे घरु
२=॥।)नकल पाना ६६ काती
सुदी१बटी मण२३।)१=
तालवाला रामजी का-
लूराम रीवेची तीरा.
२=॥।) बगसीराम मंगलचं-
दके लेषे.
३।)नकलपाना६७सावण सुदी
५चीकमण३४।) तालवाला
रामजी कालूरामके बेचाती-
राप्रत-॥) मण लेषे.
१॥=) ठाकुरसीउदेरामके लेषे
१॥=) बगसीराम मंगलचंदके
लेषे.

---

६९)॥।
३॥-।)श्री धरमादाय षाते जमा
आफीमकी बटी तथा ची-
क तालवाला रामाजीका-
लूरामको बेचो जणेका प्रत
-) मण १ लेषे.

हमारे उपर श्रीमम्बई
सूंगणेशदास ठाकुरदा-
सकी नीती केई हुंडा-
वणका प्रत ८०) लेषे
२००)भाई मगनीरा-
मजी बख्तसिं-
घजीका जमा.
२५०) नकलपाना ४३
मिती भादवा
वदी९हुंडी१ रु.
१०००)श्रीम-
म्बईकी मगनी-
राम बख्तसिंघ-
की लीनी जणे-
की हुंडावणका
प्रत २५) लेषे.
२५०) मगनी-
रामजी ब-
ख्तसिंघ-
जीकाज०
३२॥)नकलपाना४६सावणसुदी
१० हुंडीरु.१०००) श्रीजै-
पुरकी हमारे षाते श्रीमम्बई-
सूं गणेशदास ठाकुरदासजेपु-
रना भेजी जणेकी हुंडावणका
प्रत ३।) लेषे.

१।≡) नकलपाना६६काती
सुदी १ बटीमण २३।
१।≡) बगसीराम मंग-
लचंदके लेषे.
२=) नकलपाना६७
सावण सुदी ५
चीकमण ४४।
१-) बगसीराम मंग-
लचंदके लेषे.
१-) ठाकुरदास उदेरामके लेषे

३।।-)

२७००)२२००)३९०)४७)३।।।)।।
३०६४०।।।)।।
१०८६।।।=) श्रीहुंडावणषातेज.
२५०) नकलपाना४१ भा-
दवा वदी९हुंडीरु.
१०००) श्रीमम्बई
की गणेशदासकि-
सनाजीना दीनी
जणेकी हुंडावणका
प्रत २५)
२५०) गणेशदास
किसनाजी-
के लेषे.
२००) नकलपाना ४४

२२।।) श्रीमम्बई षाते गणे-
शदास ठाकुरदासका
जमा हमारे घरु.
२६५) नकलपाना४८ सा-
वण वदी १०. हुंडी१
रु. १०००) श्रीजैपुर
की मगनीराम बभु-
तसिंघकी लीनी प्र-
त ३०) लेषेतको श्री
मम्बईना वटाणी
भाई गणेशदास ठा-
कुरदासना भेजी सो
प्रत ३।।) लेषे वटाई
तकोई हुंडावणका
नावें मांडा.
२६५) भाई मगनी-
रामजी बभु-
तसिंघजीका
जमा.
१००) नकलपाना६२मिती
सावण सुदी १ हुंडी
१ रु.१०००) श्रीर-
तलामकी हमारे उ-
परा श्रीमम्बईसूं ग-
णेशदास ठाकुरदास-
की मितिके मधे रु.

सावणवदी ९ हुंडी १ रु. १०००) रतलामकी हमारे पाते बम्बईसूं आई जणीका प्रत ८०) लेषे.

२००) मगनीराम बभुतसिंघके लेषे.

२०३।।।) नकलपाना४८सावण वदी१हुंडीरु.१०००) श्रीमंदसोरकी हमारे पाते मम्बईसूं आई प्रत ७९।।=) लेषे.

२०३०।।। श्रीमंदसोरषाते षेतसीदास गोविंदरासके लेषे हमारे.

२) नकलपाना५२भादवावदी१३ हुंडी१रु. १०००)मम्बईकी मगनीरामबभुतसिंघने दीनी मम्बईवाले गणेशदास ठाकुरदासके षाते कीनी तीरीहक साहीरा प्रत=)

११) भाई मगनीराम बभुतसिंघके लेषे.

।।=) नकलपाना५९ भादवा सुदी७हुंडी१रु. १०००)

५००) जणाको घरु मंडाई बाकी रु. ५००) हमारे घरु मंडाई जणी की हुंडावण का प्रत ८०) लेषे लगासो नावें मांडा.

१००) मम्बईषाते भाईगणेशदास ठाकुरदासका जमा हमारे घरु.

८४७।।)

३१७२७।।=।।)

३१७२७।।=)।।

५८०५भाईमगनीरामजी बभुतसिंघजीके लेषे रोकड पाना८८ रोकडा दीनासो नावें मांडा हस्तेरामरष.

१३००) सावणसुदी१०
१२५० भादवावदी ९
१०००)भादवा वदी११
१०००) भादवा सुदी २
१२५५)भादवा सुदी ७

५८०५)

१०००)गणेशदासकिसनाजीके लेषेरोकडापाना ८८भा-

मम्बईवाले गणेशदास ठाकुरदासके षाते बटाईतीरा ॥=) सिवलाल मोतीलालके लेषे.

३॥।नकलपाना ५५ भादवा सुदी७हुंडी १ रु. १०००) मंदसोरकी इंदोरसूं हंसराज मेघराज वटाणी भेजी तीका प्रत. ९९॥=)

३॥) श्रीमंदसोरषातेषेतसीदास गोविंदरामके लेषे हमारे घरु.

१।) नकलपाना५७भादवासुदी ७हुं०१रु.१०००)मम्बईकीमगनीराम बभुतसिंघकी लीषी मम्बईने भेजी तीका.

१।) श्रीमम्बईषाते गणेशदास ठाकुरदासके लेषे तुमारे घरु.

२६५)नकलपाना५८ भादवा सुदी७हुंडीरु.१०००)इंदोरकी हमारे नीसाणीकीश्रीमम्बईसूं गणेशदास ठाकुरदास कीनी ती काई हुंडावणका प्रत२६॥

२६५) श्रीमम्बईषाते गणेशदास ठाकुरदासके लेषे तुमारे घरु.

दवा वदी १४रोकडा तुमारे बदले मगनीराम बभुतसिंघना दीना सो नावें मांडा १०००) तथा मगनीराम बभुतसिंघका जमा.

५००)ठाकुरसी तेजपालके लेषे आसोजवदी ६ रोकडादीना सो नावें मांडापाना८९

५००) रोकडा

५००)नेमाजी षेमराजके लेषे रोकडा पाना८९ आसोजवदी ६ रोकडा दीना सो मांडा.

५००) रोकडा

१००००) श्रीतालषाते भाईरामाजी कालूरामके लेषे तुमारे घरु रोकडपाना ८९ हुंडी १ हमारे उपरा लिषी तुमारी राषा पुनमचंद दीपचंदपास भादवा वदी १ थी दीन ११ पीछे साहाजोग रु. हुंडी चलणका.

१००००)रोकडा परषरा मगनीरामजी बभुत सिंघजीना दीना.

॥२६।)भादवा सुदी ७ हुंडी रु. ५०० )मम्बईकी गणेशदास किसनाजीना दिनी जणीका प्रत २५=) लेपे जमा रु. १००० )मधे रु. १००० ) तुमारे घरु मांडा प्रत २५) लेषे तीकेरी हक साईरासुदा नकल पाना ५९

१२६। )गणेशदास-किसनाजीके लेषे.

२५) नकल पान ४८ सावण वदी १० हुंडी १ रु. १००० ) जैपुरकी हमारे षाते मम्बईसूं कीनी तीकाइ हुंडावणका प्रत ३॥)

२५)श्रीमम्बईषाते गणेशदास ठाकुरदासके लेषे हमारे घरु.

१०८६॥=)

३१७२७॥=॥)

३१७२७॥=॥)

११) श्रीमहालक्ष्मीजीको भंडारभरपुर होई जो.

३७।)श्रीआफीमकेषरचषातेलेषे रोकडपाना८४ भादवावदी१ रोकडा रकम आई जणीका दीना हस्ते घासी हमाल.

६) तेल आलसको मण १

११)पालीपीसी मण १

५) पाली आषी मणी १

२५)हमालीका तथा बंधाईका परचुरणका चुकतादीना.

३७।)

६८॥।)श्रीहासलषातेलेषेरोकडा पाना ८५ सावणसुदी ११ जीकरा थेला नग ११ तालका आया जणीके हासलका सायर चबुतरे दीना.

६८॥।)रोकडा हस्ते भागीरथजी.

११) श्रीषरचषाते लेषे रोकड पाना ८६ भादवासुदी २ साहीको मसालो आयो तीका दीना.

८६।)श्रीवीसी षरचषाते लेषे रोकडपाना ८६ भादवासुदी २ रकम आई तीका रोकडा दीना.

२१००१॥ श्रीपोते बाकी.
३२४६।॥मगनीराम बसुतसिंघ का जमा रोकड पाना८८ रोकडा आया सो जमा कीना.
१२४६॥ भादवासुदी १३ हस्ते रामरष.
१०००॥भादवावदी १४ तुमारेबदले गणेशदास किसनाजीसूं पटा.
१०००॥ गणेशदास किसनाजी केलेष.
१०००॥ भादवासुदी १५ हस्ते रामरष.

३२४६।
३५०१।भाईगणेशदास किसनाजीका जमा रोकड पाना ८९ रोकडा आया सो जमा कीना.
२२५०॥भादवावदी ९ हस्ते नालाजी.
१२५१। ॥भादवासुदी ७

६३॥ गेहूँ मणी १
२१॥ चीरत मण १
१०॥॥मूग मण.
१०॥॥ चणा.
५॥ वेसावर षरच.
५॥ गुड मण १
११॥ षांड मण १
२॥ लकडीको गाडो १
१श्रीधरमादाय षाते लेषे रोकड पाना ८६ भादवा सुदी १

१६०००॥१८००॥१७०॥२८॥
१॥॥१७९९॥
२३६३४।॥।षाते बाकी.

४१६३३॥।॥।

हस्ते दलसुषजी
३५०१।)

३०००)धनरूपमल राजमलका जमा रोकडपाना ८९भादवा सुदी ६ रोकड आया सो जमा कीना.
१०००) रोकडा परषरा.

१२६५॥=)सिवलाल मोतीलालका जमा रोकड पाना ८९ भादवा सुदी ७ रोकड आया सो जमा कीना हस्ते नरसिंघ.
१२६५) तुमारे बदले ठाकुरसी उदेरामना दीना
॥=) रोकडा आया.

८५३२॥=॥)बगसीराम मंगलचंदका लेषेरोकडपाना९० रोकडा आया सो जमा कीना हस्ते हीरो.
३०२७।=) सावण सुदी १५
५५०५।)॥काती सुदी१

८५३२॥=॥)

२९८३॥)ठाकुरसीदास उदेरामका जमा रोकड पाना९०

सावण सुदी १५ रोकडा
आया हस्ते पुनो.
२९८३॥ ) रोकडापरषरा
१०० ) श्री ताल षाते रामाजी
कालूरामका जमा हमारे
घरु रोकडपाना ९० साव-
ण सुदी १५ चिठ्ठीएक तुमा-
रे उपर लिषी हमारी रा-
षा सोनार जसराज पास
चिठ्ठी लिषी सावण सुदी
१४ थी दीन १ पीछे तकेरा
आया सो जमा कीना.
१०० ) रोकड रु. १०१ ) रा-
षावाला धणी पाससूं
२॥ ) श्रीबटेषातेजमा रोकड
पाना ९१ भादवा वदी ५ रु.
२०० ) बजारचलणी ली-
ना तारे वटारा प्रत १ )
१ ) श्रीहुंडावणषातेजमा
रोकडपान ९१ सावण सु-
दी १५ हुंडी रु. १०० )
श्रीतालषाते नीतेकेरी
हुंडावणका १

३९००० ) २४०० ) २१० ) २१ ) २॥ ) ॥

४१६३३॥ ) ॥

४१६३३॥ ) ॥

१॥ श्रीपरमेसरजी ।

१॥ व्याजको फेलानेकी रीत सादेकी रकम बराबर.

१०००) माह सुदी ४
११०१) चेत सुदी ९
१०००) सावण सुदी १५

३१०१)
५८॥-॥।वाकीलेणासं० १९३० सावण सुदी १५ सुदी

३१५९॥-॥।)

३१५९॥-॥।

१॥ व्याजकी फेलावट

रु० १०००) माह सुदी ४
रु० ११०१) चेतसुदी ९
रु० १०००) सावण सुदी १५

१०००) काती सुदी १
११०१) पोह वदी ५
१०००) फागुन सुदी १५

३१०१)
५८॥-॥।)व्याजका सावण सुदी १५ संमत् १९३० सधा आंक

१२१००) प्रत।=॥।) लेषे

३१५९॥-॥।)

३१५९॥-॥।)

५८॥-॥।)बा० ले० सा० सु० १५

३१००रु. १०००)काती सुदी १ म. ३) ३ दीन
४०००रु. ११०१ पोहवदी५म. ३॥) ४ दीन
५०००रु. १००० फागुणसुदी १५ ५)

१२१००)

६०॥)व्याजका प्रत॥) सेकडा

१॥।=।) बाद छुटका प्रत)॥
५८॥-)॥। बाकी परा.

और व्याजको फेलानो जेठे महिना का तो अंक जितना रुप्या जितना आंक एक महिनेका और दीनोंमें पण जितना रुप्या होवे उतरा आंक एकदीनका काचा होवेछे सो आंक ३० को आंक १ लेषणो और दीन दीनका आंक करणा जितना रुप्या होवे उतरा आंक माहे सो एक आंक दबा देणो जो आंक दबे उणीनो तीन गुणा देने फेर तीसके एकके हिसासें होवे तो अंक दबने बाकीरहे जिसमें मिलायदेणा और विंदी देवे तो जितना आंक होवे उतना आंक दीन २ का करणा इसतरहसे व्याजका कचा टुकडा करणा और कचाटुकडाका रुप्या करणाके जितरा आंक व्याजका होवे उणामा सुदो आंक दाबदेणा और दो आंक दबे जणेका जीस भावसे व्याज होवे सो प्रत १ सैंकडासे करके दो आंक दबे फेर बाकी रहे जीमे मिलादेणा. सो व्याज प्रत १ लेषे तो इतरा होवे छे और आठ आणाको व्याज होवे तो आधा करणा और प्रत "॥।" को व्याज होवे तो पुणा करणा. दो आंक दाबणा जणेका बाकी रहे जणेना"

---

१॥ हिसाब १ भाई गणेशदास किसनाजीको.

| ० | ० |
|---|---|
| ७०० संमत् १९२७ कातीसुदी १ | ५०० संमत् १९२६ जेठसुदी १ |
| २००० सं० १९२८ चेतवदी १ | ११०० सं० १९२७ माह सुदी ३ |
| २१५१ सं० १९२९ चेतवदी २ | १५०० सं० १९२८ जेठ वदी ५ |
| १००० सं० १९३० जेठसुदी १५ | ३५०० सं० १९२९ चेत सुदी ३ |
| ५८५१ | ६६०० |

| | |
|---|---|
| १२३२॥) बाकी लेणा संमत् १९३० कातीसुदी १ सुधा. | ४३२॥व्याजका अंक८९२८६॥ प्रत.।=॥।काती सु० १ लेषे सं. १९३० |
| ७०८३॥ | ७०८३॥ |
| ७०८३॥) | ७०८३॥ |
| | १२३२॥ बाकीलेणा काती सुदी १ संमत् १९३० सुधा. |

१॥ व्याजकी फेलावट छे.

| ॰/ | ॰/ |
|---|---|
| ६१३।)रु. ७००संमत् १९२७ काती सुदी १ | ८५०० रु.५००संमत् १९१६ जेठ सुदी १ |
| रु. ५००) | १२०९० रु.११००सं०१९२७ |
| ६१३। रु. २००) ३)= | माहसुदी ३रु. २००) |
| रु. २०००० संमत् १०२८ चेत वदी १ | १२०९०रु.९००)१३॥ दी २धा. |
| रु. ९००) | १९६२६॥ रु.१५००सं१९२८ |
| रु. ११००) | जेठ वदी ५१०८५३। |
| रु. २१५१) सं १९२९ चेत वदी ३ | रु. ११००)१०)४ धा० |
| | ८७७३।) रु. ४००) |
| रु. ४००) | २२) २धा० |
| रु. १७५१) | ४१६८३।)रु.२५५१सं.१९२९ |
| रु. १०००) संमत् १९३० जेठ सुदी१५ | चेतसुदी३रु. १७५१) |
| | ११॥ १४४००) रु. १०००)१४॥)३धा० |

| | |
|---|---|
| रु.८०० ) बाकीलेणा संमत् १९३० काती सुदी १ सुधा. | १५१४६।। रु. ८००) |
| | १९) २ धा० |
| | ८९८९९।।। |
| ६१३।) | ६१३।) बाद तुमारा |
| | ८९२८६।। ) बाकी हमारा. |
| | ४४६।≡) व्याजकाप्रत।।सेकडा |
| | १३।।≡) बात छुटका प्रतना. |
| | ४३२।। ) बाकी छुटता षरा. |

१।। व्याज एकंदर फलाणो जणेरी केफियत इसमुजब है. जिस धणीका हिसाब होवे उसका लेषाकरना होवे तो जदे जिस मिती सुधा लेषा करे जिस मिती सुधी दोनो रकम देषलेणी. व्याज जमाका होवै तो रकम जमाकीपेली लेणी लेषकी व्याज होवे तो षेली लेषके रकम लेणी जिस मिती सुधो व्याज जोडै जणे मिती सुधी रकम व्याजकी जोडणे रुपिया बरनामे मांडदेणा. जणीरी विगत पछा आगाडी दोष नामे लषी है.

१।। लेषो भाई पदमसीजी तेजसीशी श्रीजेपूरवालेको तुमारे घरु संमत् १९२९ कातीसुदी १ से लगाई संमत् १९३० काती सुदी १

| | |
|---|---|
| ७०००) मितीकातीसुदी १ बाकी | ५०००) मिती मागसरवदी |
| ५०००) मितीमागसरवदी १३ | १०००) मिती मागसरसुदी |

४००० )मिती माह वदी ३
८००० )मिती फागण वदी १
४५०० )मितीचैत सुदी १
५००० )मिती जेठ सुदी १
९००० )मिती आषाढ वदी २
२००० )मिती सावण सुदी १
३००० )मिती आसोज वदी २
२००० )मिती काती वदी ७

४१५००
२९३२५॥=व्या०ले०सं०१९३०
काती सुदी १
६२४२५॥=

६२४२५॥=

५००० )मिती पो वदी
२५०० )मितीह माहसुदी
१५००० )मिती चेत वदी
१००० मिती चेत सुदी
२००० ) मिती वैशाष सुदी
१००० ) मिती आषाढ वदी
१५०० ) मिती आसोज वदी

५२०००
४३२५॥=)व्याजकासंमत् १९३०
काती सुदी १ सुधा अंक
८९९३३।प्रत.।=॥।घाट

६२४२५॥= )
२९३२५॥=) बाकी लेणा संमत
१९३० काती सुदी १

---

१॥ व्याजकी फेलावट भाई पदमसीजी तेजसीजी श्रीजैपुरवाले‌की संमत् १९३० काती सुदी १ सुधा.

४३२५॥=) व्याजका काती सुदी १ सं. १९३० सुधा अंक
८९९३३ ।प्रत॰॥॰ त घाट
४४२८६६॥ रकम लेषे पासेकी
६७५०० रु. ५०००)मागसर वदी १ मास ११।
११०००० रु. १००००)मागसर सुदी १ मास ११
६२५०० रु ५०००) पोह वदी १ मास १०।।

२२५०० रु. २५००) माह वदी १ मास ९
११२५०० रु. १५०००) चेत वदी १ मास ७॥
७०००० रु. १००००) चेत सुदी १ मास
११९३३।रु.२०००) वैशाष सुदी २ मास६।१घाट
४४३३।रु.१०००)आसाढवदी ३ मास४॥।२ घाट
१५०० रु. १५००) आसोज सुदी १।१ घाट

४४२८६६॥

३५२९३३। बाद रकम जमा पासेरी
८४०००रु. ७०००)कातीसुदी १ मास १२
५५०० रु.५०००)मगसरवदी १३ मास१।३उपर
३७७३३।रु.४०००)माहव दी३ मास ९. ।२दी.घा,
६८००० रु. ८०००) फागण वदी १ मास८॥
३१५००रु. ४५०००) चेत सुदी १ मास ७
२५००० रु. ५०००) जेठ सुदी १ मास
४०२००)रु. ९०००)आषाढवदी२ मास ४॥घाट
६०००) रु. २०००) सावण सुदी १ मास ३
४४००रु.३००० आसोज वदी२मास १॥.१घाट
६०० रु. २०००) काती वदी ७ दीन ९

३५२९३३

८९९३३ । बाकीरहा.

---

३४९॥) =॥ प्रत) लेषे.

१४)॥।बाद छूटका
४३५॥=)वाकी परा सिरे

लेषा जो रकम सरांसे विके जिसका.

। रुपया १ की सेर ५ जदी मणका करणा सो रुपे एक की जितरा सेर होवे उतरा मणका रु. ४०)लेषणा और जिता आना भरको आनो एक काटणो. और रुपे एक की जिता आना भर होवे तो उतरा सेरां का रुप्या १६ हुवा और जितरा मणका रु.६४०)हुवा इसीतरे से जितरा मणाको लेषो घालो उतराको हिसाव जोडदेणा.

४०८)रुप्या १) की s५ जदी मण ५१ ) का मण ५ का रु. ४०) हुवा.

२४०) रुप्या १) कीs३।=जदी मण २०) का कतरा मण३) ।s५ का रु. ४० हुवा.

११२) रुप्या १ )की s।=) भर जदी मण १ सेर २ का कितरा सेर ६ का रु. १६ हुवा. भर हुई.

s॥=) रुप्या १ की s५।।) जदी रु. =) कि कितरी.

३८५६॥)रुप्या १)की s।=॥ भर जद मण ३९s६॥ का कितरा हुवा मण ६॥ का रुप्या ६४०)हुवा.

भर s१४—रुप्या १ की s३॥।) जदी रुप्या ३॥।)की कितरी सो जितानाजिता गुणा देने उणाको अध घटायने रु.—), बधाय देणो.

मण भर ८—) रु १, कीs४।)जदी रु. ४।)की कितरी सपों-

ण इणे मुजब गुणाकार देने आधा बधाने रु.–)फेर बधाय देणा.

मण॥)ऽ।रु. १ कीऽ४॥) जदी रु, ४॥)की कितरी होई सो रुपे की जता सेर घालने उता रुप्याकी पूछे तो उतागुण देनें साठमें उताई बधाय देणा. फेर रु. ।) बंधावणो.

मण ॥३.॥)।रुप्या १ की ४॥।=) जदी ४॥।=)की कितरी हुई पांच गुण देने चोथी पाती घटायने न बधाई देणा,

---

# १॥ हिसाब धान वगैरेका जो रकम माणीयासूं विके जणीका लिषते.

। जितने रुपे माणी होवे ने मण एकका पूछे तो जिते रुपे माणी जिता अंक मण एकरा लेषणा और रुपे एकका अंक १२ काटणा. जो माणी मण १२ की होवे तो कदास माणीमें मण ओछाहोवे तो रुपे १ का अंक माणीमें जितना मण होवे उतरा काटणा और सेर १ को पूछे तो पण जिते रुपे माणी होवे उतरा अंक सेर १ का लेषणा. और रु.–) का अंक जिता मणाकी माणी होवे उणीसूं अढाई गुणा करणे. उतरा आकारो आनो १ का काटणो और रु. १ को लेषो. पूछे तो रु. १ का अंक माणी मण १२ की होवे तो अंक ४८०) लेषणा और जो माणीमें मण कमजादा होवे तो उतरा मणका सेर होवे उतरा अंक रुप्या १) का लेषणा और जिते रुपे माणी घाले उतरा आकारोऽ१ लेषणो और इणीसुबी जलदी किया चोवतो रु. १ का अंक जिते मणाकी माणी

होवे उणीसूं अढाया करणा और जिते रुपे माणी उत्ता आ-
नाका अंक सेर लेषणो. और रु. -) का चाले तो पण मणीमें
मण१२) के होवे जदी तो आने एकका अंक ३० लेषणा.
सेर एक भरका अंक जिते रुपे माणी उतारा लेषणा. फेर जि-
ता मणकी माणी होवे उणीसूं आढाया अंक रु. १ का पण
लेषणा और रु.-) का पण लेषणा रुप्याकां लावणो जदी तो
जिता रुपे माणी उता आणा अंको सेर १ काटणो. और
आनेको लावणो जदी जिते रुपे माणीउता अंकरो ऽ१ गुणनो.
१॥।-) रु. २१॥।) को माणी १) जदी मण एकको कांई होवे
के मण १ का अंक २१॥।) रु. १) का अंक १२ काटणा.

७॥।२ रु. २७।=) माणी १) जदी सेर १ को काई हुवो सो
सेर १ का अंक २७।=) आने एकरा ३० काटणा
आने एककी अंगरेजी पाया १२ होवे सो अंक २॥
पाई १ का काटणा सो आनो पूणने पाई २ हुई.

मण ५। रु. ३१॥) को माणी १) जदी रु. १) को कतरो हुवो
माणी १२ की जदी अंक ३० हुवाऽ१ भरका अंक
१॥।=)॥काटणा जदी मण ५ हुई.

भरऽ॥।=। रुप्या ३१) को माणी १ जदी रु.-) को कितरो
हुवो. अने एकरा अंक ३० हुआ सेर १ भरका अंक
३१।) काटणा सो सेर॥।=। भरहुवो.

## लेषो मणासूं रकम विके जणिका लिषते.

जिते रुपे मण १ जदी रु. १) को पूछे तो अंक ४० गुणता

और जिते रुपे मण उता अंकरो ऽ१ काटणो और आने-) को पूछे तो मण अंक ४० लेषणा. जणे भाव होवे उतरा अंकारो आने एक भरका करणा और जिते रुपे मण १ होवे तो उतरा आनाकीऽ२॥ लेषणो और जिते रुपे मण होवे ने सेर एकरो लेषो पूछे तो सेर एकरा आंक उतराई लेषणा और आने एकरा आंक २॥ काटणा और आने एक भरको लेषो पूछे तो पण आनिते रुपे मण होवे उतरा लेषणा अने-) का अंक ४०) काटणा इणतरेहसूं लेषा पुछे जणेको जवाब देणो

ऽ१॥-) मण १ का रु० २५॥) जदी रु० १ की कीतरी होई आंक ४० लेषणाऽ१) भरका अंक २५॥ काटणा.

ऽ-)॥। मण १ का रु. २२॥) जदी रु-) की कितरी आंक ४० हुवा अने-) भरका अंक २२॥) काटणा.

॥=) मण १ का रु. ३५॥) जदीऽ१ को कांई हुवो सेर एकरा अंक ३५॥ हुवा प्रत -) का अंक २॥)

-) दमंडी ४।) मण १ का रु. ४५॥) जदी आना-)भरको अंक ४५॥) हुवा आनेका अंक ४०)

# हिसाब मोतियोंका.

जतना रतीको दाणो केवे तो उतराना उतरा गुण देणा फेर उणा आंकना आंक एकको रु. ॥-) गुणना फेर जतरा आंक गुणाकारका होवे उतरा कचा अंक फेर गुणना जण को अंक को एक चव गुणो ओ आगल नव आणाके हि-

सावका होवे उणांके सामील कचा आंका कापणा ९६ के हे-
सावसूं होवे सो सामील करके हिसाब बताय देणा.

चव १४।. १ मोतीको दाणो १ रु. को जणका अंक २५ हुवा
सो अंक १ का रु. ॥-) के हिसाबसूं चव १४-) हुवो
और अंक २५ काचा फेर बधिया जणांका ९६ के हि-
सावसूं रु. ।) १ हुवो सो चव १४-) के सामल करदि-
यो सो चव १४-) तुकड १ हुवो सो जणे भाव चव
होवे उणे भावका दाम जोड देणो.

१६०९।-) मोतीका दाणा ५ टांक २ रु.५ टांक एककीरु. २४
जणेकी रु. ५३ होई जणेनां तरपन गुण देने जो आगे
उपर करी जण मुजब चव करणे जतरा दाणा होवे
उणांको भाग दे देणो चव १६०९।-) हुवा उणा नाप-
को भाग दीयो ३२१॥।=) चव हुवा.

## जरीब बनानेकी रीत.

और मुलकोंमें जरीब बनानेकी और रीति है लेकिन
यहां ये कायदा है कि ५ पांच आदमीके पांच हात और पांच
उंगलीसे नापे तो एक बीसवा यानी एक गट्ठा होता है. इस
तरेहसे बीस गट्ठा १०० सौ हातके नाप लें वोही जरीब होती
है और अंगरेजी फूटसे पेमायस जरीबकी हुई तो फी गट्ठा
फूट ७ इंच ४ के हिसाबसे फूट १४६ इंच ४ की है.

## बिघा बिसवा करनेकी रीत.

गट्ठा गट्ठामें गुणा करनेसे बिसवानसी और गट्ठा जरीब-

में गुना करनेसे बिसवा और जरीब जरीबके गुणा करनेसे बिघा होते हैं, और बीस २० विसवांसीका एक बिसवा और बीस २० विसवाका एक बिघा होता है.

## रीत पेमायश त्रिकोन षेत.

समबाहु त्रिकोन यो षेत है कि जिसकी तीन भुजा बराबर हों और दो समकोन हों और दो भुजा बराबर हों और दोसमकोन. हों उसकी ये रीत है कि, कोनेसे सामनेकी भुजा पर लंब डाले चाहे लंबव चाहे भुजाकी जिसपर लंब गिरा है दोनोंमेंसे एकका आधा करके आपसमें जरब यानी गुनाकरे हांसील उसका छेतरफल होगा.
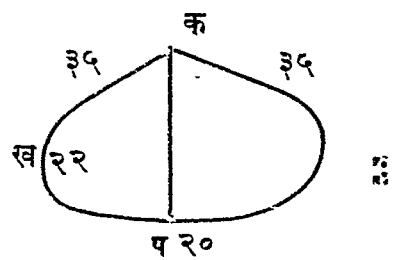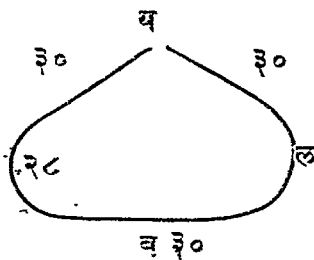
तीन भुजा बराबर समकोनकी ये रीत है कि **य** कोनेसे **रा** भुजा **ल** पर लंब डाला तो २८ गट्ठा आये और ३० गट्ठाकी ३० तीनी भुजा हैं इसवास्ते लंबके आधे गट्ठा १४ और भुजा **ल र** की जिसपर लंबगीरा गट्ठा ३० है १४, ३० में गुना करनेसे ४२० बीसवांसी उसके बीघे १ ) १ विश्वा यही छेतरफल हुवा.

**क ख ग** त्रिकोणकी जिसकी दो भुजा बराबर हैं उसपर

क कोनसे लंब भुजा खग पर लंब **क प** डाला तो २२ गट्ठा और **क ख** भजा २० गट्ठा है. और उसीपर लंब गिरा है दोनोंसे एक यानी भुजाके १० आधे हुये आपसमें गुना करनेसे२२० बीस-वांसी उसका बिसवा ११ यही छेतरफल हुवा.
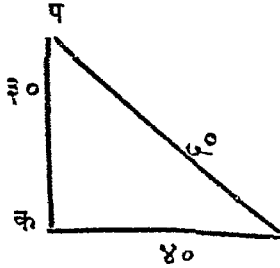
इस त्रिकोनकी **प क** भुजा नापी तो गट्ठा३०और **क ब** भुजा नापी तो गट्ठा४० आये उनमें एकके आध किये तो ३० केआधे १५ उसको ४०में गुना करनेसे ६०० बिसवानसी जिसका डेढ १॥ बिघा छेतरफल हुवा.
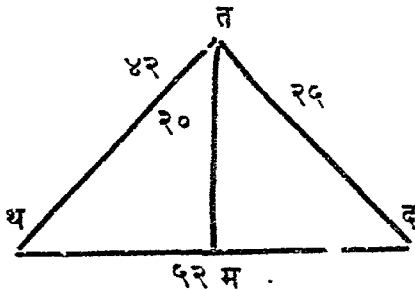
इस त्रिकोनके **थ द** भुजापर लंब सिधमें पडा तो गट्ठा २० आये और उसके आधे गट्ठा १० भुजा **थ द** गट्ठामें (५२) गुना करनेसे ५२० वीसवांसी उसके ११ बिघा छेतरफल हुवा.

# रीत चौकोन.
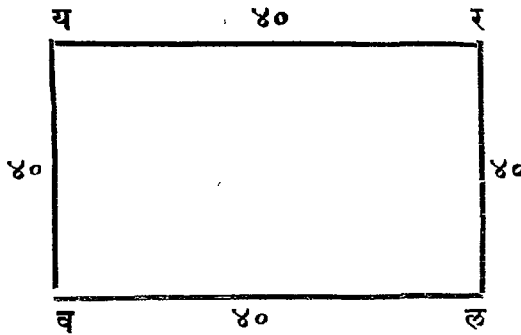
इस षेतके चार भुजा बराबर हैं आपसमें और चारों समकोनहैं उसकी ये रीत है दो भुजाको नापके आपसमें गुना करनेसे छेतरफल होताहै मसलन य र भुजा गट्ठा और य व गट्ठा ( ४० ) आपसमें गुना करनेसे १६०० विसवानसी जिनकी बिघा ४ छेतरफल हुवा.
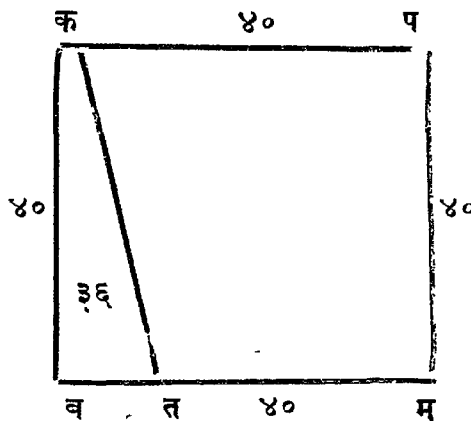
जिस षेतके चार भुजा बराबर आपसमें हों और समकोन न हों तो उसपर बमुजब इसके यानी ब ग भुजापर

लंब डाला तो गट्ठा (३६) और उसको ४० म गुना करनेसे १४४० विसवानसी उसका ३॥२ बिघे छेतरफल हुवा.

## लंबा षेत.
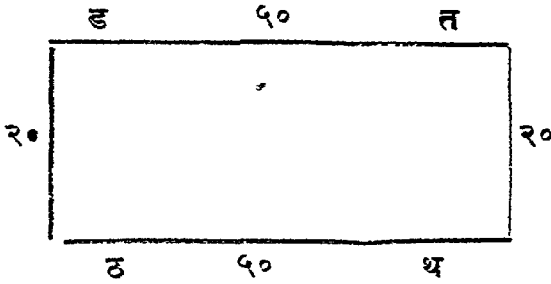
जिस षेतके आमने सामनेकी दो दो भुजा आपसमें बराबर हों और चारों सम कोन हों उसके अंक छोटी एक बडी भुजाको नाप आपसमें गुना करनेसे छेतरफल होताहै मसलन डत भुजा गट्ठा ५० और डठ भुजा गट्ठा २० आपसमें गुना करनेसे वीसवानसी १००० उसका बिघा २॥ छेतरफल हुवा.
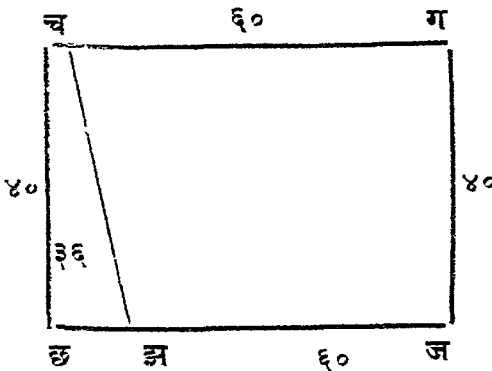
इसतरहांके षेतकी ये रीत है कि इसके आमने सामनेकी दो दो भुजा आपसमें बराबर हैं और चारों समकोन नहीं हैं

इस वास्ते छज भुजापर लंब सीधमें डाला तो गट्ठा ३६ आये उसको ६० गट्ठामें गुना करनेसे चझ वीसवानसी २१६० जिसके बिझा ५।८३ छेतरफल हुवा.

## टेढा षेतकी रीत.

इसमें पेहले चौकोंन क स म घ नापा तो क स भुजा गट्ठा १८ और घ म भुजा गट्ठा २० दोनोंको जोडा तो ३८ उसके आधे १९ हुये और दोनों भुजाके २२।२२ हैं उसके २२ हुये आपसमें गुना करनेसे ४१८ वीलवांसी १८८।।। १३ छेतरफल हुवा और इसीतरहां चौकोन घ न प ब ५५। ४८ गट्ठाको जोडा तो १०३ उसके आधे ५१।। और दोनों भुजा ३७ । ३७ जिसका औसतमें ३७ गुना करने १९०५।। विसवांसी जिसके बिघा ४।।।ˈ।ˈ।। छेतरफल हुवा और त्रिकोन म ग ब को इसरीतसे की भुजा ग ब गट्ठा ८ के आधे ४ और भुजा म ब गट्ठा १७ आपसमें गुणा कीधा तो ६८ वीसवानसी जिसके वीसवां ८३।३ छेतरफल और त्रिकोन प फ य है. उसमें प भुजापर ५ य र लंब गट्ठा १८ को भुजा फ प गट्ठा २८ आधे के १४ में गुना करनेसे वीसवांसी जिसके २५२ वीसवा ।। २ ।। २ ।। छेतरफल जुमला ६।३ ।।। छेतरफल हुवा.

## गोल षेत.
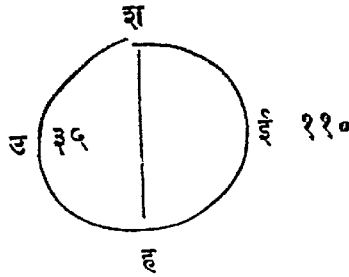
## रीत लंब व गोलाई दरयाफत करनेकी.

जिसका लंबापनी कुतर मालूम हो उसको २२ में गुना करके ७ का भागदेदो हासील गोलाई यानी मुहीत होगा मसलन श ह लंवपानी कोतर गट्ठा ३५ उसकी २२ में गुणा करनेसे ७७० हुये ७ पर भाग देनेसे ११० गोलाई यानी मुहीत हुवा और अगर गोलाई याने मुहीत मालूम हो उसको ७ गुना करके २२ पर तकसीम करनेसे हांसील बयानी कोतर होगा. मसलन गोलाई ११० है उसको ७ गुना करनेसे ७७० हुये उसका २२ पर भाग देनेसे ३५ उ ई लंब यानी कोतर हुवा.

## पेहली रीत छेतरफल निकालनेकी.

गोलाई यानी मुहीत लंब यानी कोतर दोनोंको आधे आधे करके आपसमें गुना करनेसे छेतरफल होता है मिसल उ इ गोलाई यानी मुहीत गट्ठा ११० व लंब यानी श ह कुतर

गट्ठा ३५ दोनोंकी आधे ५५। १७॥ गोलाई लंबको आपसमें गुना करने ९६२॥ वीसवानसी २। ३५२॥ छेतरफल हुवा.

---

# दूसरी रीत.

अगर कोतर यानी लंब मालूम है उसका वरग याने उसको उसीमें गुना करके हासीलको ७८५ में गुनाकरके १००० भाग दो हासील छेतरफल होयगा मसलन लंबयाने कोतर गट्ठाका बरां.

$\frac{३५ + ३५ + ७८५ = ७६९३}{१००० \quad ८}$ = ९६१ $\frac{६}{८}$ वीसवांसी जिसका बिघा ४।३५१ $\frac{५}{८}$ छेतरफल हुवा,

---

# तीसरी रीत.

अगर गोलाई यानी मुहित मालुम हो उसका वरगयानी उसको उसीमें गुना करके ७९६ में गुना करके १०००० पर भाग दो हासील छेतरफल होगा मसलन गोलाई यानी मुहीत गट्ठाका वरग करके ७९६ में गुणा करके १०००० का भाग दिया जैसे ११०+ ११०= १२१०० +७९६= ९६३१६००÷१००००=९६३ $\frac{१६००}{१००००}$ अपबरतत यानी मुषतसीर भीनयानी कसरको करनेसे ९६३ $\frac{४}{२५}$ वीसवांसी जिसका बिघा २।३५३ $\frac{४}{२५}$ छेतरफल हुवा,

---

# विगत हिसाबकी.

और जिता आना कोन होवे और उता मणका करणा होवे तो उतराना उतरा गुणा देने एक बिंदी धरदेणी तो उत्ता मणका रु. होय जावे. ११९९॥= ) रु. ॥=।॥ से २ऽ। जदी मण १०।॥ का क्या हुवा के पुणाअगारेना पुणा आणारे गुणादीमातो रु. ११९॥-) हुवा और उसके उपर मिंडी दी तो रु. ११९९॥=) हुवा.

और रु. कीऽ ४।॥= जदी रु. १४।॥=)कि कितरी होईतो पन रेना पांच गुण देणा और पनेरेना और पांच वीसका=) आन गुणके हिसाबसूं पनरेपचु ७९ माहे सूं वीस दुणाचालीस आनाका २॥ बादकरके उपर बाकी रहे जिसमें आना पाव और मिलादेना सो मण १।॥२॥ )

१॥ जगाकाचांदा जो मकान बणावे जिसकी राह इस मुजब है सो इसतरहसो जो चाले तो चांदेका झगडा मकान बणानेवालेको न रहे.

। जगा बणती है उसमें चांदा दो होता है एक तो जगा बणानेवालेका और दूसरा पडोसकी जगा इसतरहसे तरीका कदीमी है और जगा बणावे उसकी जगाकी मंजल ऊंची चढलेने पडोसकी मजल नीची रहे तो उंचे चांदे चढनेकी कीमतका रु. जगा बणाणेवाला और उस पडोसका हक्क नीची जगावालेका इतना रहे. अव्वल

तो राजीनामा दूसरा उसके घरमें आला भंडारा एक चसमेमें इसका रहे एक चसमेमें नीचले जगावालेका रहे और थंबा तथा चलचणी मगराका हक्क बराबर रहे.

और एक धणी जगा बणावे और उसका पडोसकी जगा बीर न रहे तो जगा बणाणेवाला उसवेरान जगा वालेसे कुछ देकर बणावे और कदास जादाये उसका हकरषीयासे न बणावे देवे तो दूसरा चांदा बणाना होवे तो उसकी आषणी हदमें बणे तो पडो-सका हक्क दिवाल उसचांदेमें कुछभी रहे नहीं अपनी मोज आवे सो करे.

१ और एक जगा निची होवे पडोसकी जगा उंची होवे तो उस पडोसकी तरफ जाली बारी कुछबी रहे नहीं.

१ और जगाके बीचमें रास्ता आयजावे तो जगामें जाली तथा बारी बे तलास कमें किसीका अटकणेका दाखल नहीं फकत सरकारके सिवाय.

१ और जगा भीतडा गारेका बणे जिसकी मापणेकी यह रीत है इस मुलुकमें जगाकी भीता कतरीका उंची हाथ और घना हाथ १ और लंबी कात्रा व हाथ ८ सू लगाय हाथ २० तकका भी भाव रुप्या १ एकका होता है और इस में बुरज तथा भीताकी दिवाल तथा चांदा होत है उसकी म णेकी रीत इसतरेहसे है.

दिवाल बाहरसे हाथ ३० भीतरसे हाथ २८ ऊंडी ० ४ तो अठाईस और तीसका भेला करने उसका आ॰ उसको चार गुणाकरणे जिस भाव होवे उसका दाम काटणा

और जो पना डेढ़ा होवे तो डेढा दाम देणा सवायी होवे तो सवाया दाम देणा और दुणा होवे तो दुणादेणा यह जमीन मापणा और इसतरहसे चांदहवी मापता है. इसतरेहसे उसकोबी दाम जुडते हैं.

और भुरज मापणे जावे एकदफे तो बारसेमापणा और एक दफे भीतरसे मापणा उणाका आधा करणा जै हाथ होवें सो दोनोंका आधा धरणा और इस सिवाय ऊंची बहोत होवे तो उंचाईमें तीन जाँयगे मापणीमां थारे और गरभमें और गोडमें इण तीनोंना भेलीकर और पीछे तीनको भाग देने और जमीन तथा आगे दोका भागकी जमीन होवे उणाना भेलीकर और दोनोंका आधाकर जितनी जमीन ऊंची होवे उसका तो तीनका भागसे कर लंबाईके बीचमें मिलाकर जिस भागकी निरष होवे उस भाव काट देणा; पानेके उपर लिषे मुजब.

और कुवाँ तथा तलाव षोदे उसकेबी नापकीमपती इसीतरेहसे होवे है के हाथ १० लंबी और १० हाथ चवडी और हाथ १ ऊंची उस पानेका भाव रु. २) से लगावने रु. ४) लकका होता है और अब षुदाई मापणा जब हाथोंसे मापणो चवडी और लंबीका गुणा देणा और उंडीकुबी उसमुजब गुणा देने जितना सो होवे उतनाका भाव सेठेका चुका देणा ५७॥=॥। कुवा एक लंबा १३ चवडा हाथ ९ उंडा हाथा ११

प्रत ४॥) सेकडा सो तेरे और नवकागुण ११७
हुवा और उसकुं ११ गुणदिया तो हाथ १२८७
हुवा प्रत ४॥) के हिसाब रु. ५७॥=॥)

१॥ और सठो वगैरे का नूंध तथा जमा षरच करणेकी विगत इणीतरे.

१॥ और सटा लेणाचावे देणा जिसकूं नूंधणा इसमुजबका मिती उपर देणी.

। वोज १ गणेशदास किसनाजीको लीनो प्रत ६१। ॥ लेषे हस्ते दलाल कुंदनमल सराफ चिट्ठी आई और लिषदी नी करनी.

१ जिसके षाते होवे उसके षाते करणी.

। और जमा षरच करणेकी रीत नकलम.

१४७० गणेशदास किसनाजीके जमा मिती काती सुदी १
बोज प्रत ६१ ॥ लेषा तुमारे लीना हस्ते दलाल कुंदनमल
१४७० जिणषाते होवे उणीके नामें मांडणा.

। और षातेमें पण सटाका मेल इसमुजब षातापानाके नकलको पानो रु. ९ का अंक सटा नग होवे सो करणा.

। षातो १ गणेशदास किसनाजीरे.

---

१४७० नकलपाना

आडतेके षाते पण इणतरे घालणा.

---

भाव काटणा.

१४७० नकलपाना.
नकलपान अडत षरच
आडत
दलाली
रु. सम

इस तरहसे सेठको.

इस मुजबपातो सटाकी.

विगत वही माह.

## कवित्त.

श्रीपत सुजान श्रीबेरीसालजी महाराज यादव कुल गादी जेसलमेर कीतो भारीहै। लक्ष्मीनाथ इष्ट जाके अटल भंडार भरे नारायणदास व्यास हुवा वोई अवतारीहै। ताके वंश हूके पांचसे प्रतापी जान व्यासोंका पडा जामें खुली गुलकारी है। मथुरादास आमोलप उनहूके वंशमें इस्ट महाबीर वाके चितमनसे धारीहै॥ १॥ व्यासोंमें सूरजके मंदिरकी पूजा होत किला गढ वंका जेसलमेरका तो जंगी है। कुवा बुलासरगंगा समान वाचेनकरे वसती वा जवरहे पुनवाः आनसके दुरंगीहै। गडीसरतलाव परपूरणभरारहे आत्माराम कहे वाकीरअव्यत खुशरंगीहै। व्यास आमोलप ईस्टरसे बली हुकसदाफ तरहे जाके महाबीर संगीहै॥ २॥ मथुरादास वैकुंठगये तादिनकी वातकहूं अकलके सागर जाकी बडी हुसियारी है। सबनकूं भलवान देके याखुसीरी जो सबैः आमोलपकूं कया भाई यातुतो आज्ञाकारी है। ग्रंथकूं चलाय दीजो छापामें छपाय जाय मोयेक भरोसा बडा तेरी अखत्यारी है। कहे गुनी आत्माराम उमर करतूत ओ मथुरादास भये जगमें यशपारी है॥ ३॥

विद्याज्ञानप्रकाश ऐसो दूजो ना ग्रंथ कोई जगतको हिसाब सारो याहीमें पेहचानिये । एकसूं लगाय करोडतकको हिसाब जान ग्रंथकूं विचार फेर अकलमें जानिये । याके परसते ज्ञान बुद्धि यश कीर्ति होत जो कोई पढेगा लाभ होवे बहुमानिये । आत्माराम कहै याते कोई मत दूररहो नीतिका हिसाब सब याहीमें जानिये ॥ ४ ॥

दोहा—व्यास हि मथुरादासजी, उमर कर गये नाम । मनुष्य नहीं वे देव थे, पोचे वैकुंठ धाम ॥ ज्ञान ध्यान परवीण थे, पुण्य रूप थी जाय ॥ भलो केहीयो कोकण ये, ऐसा ना कोई आज ॥ १ ॥

मथुरादास आज्ञा करी, आमोलषकूं आप । विद्याज्ञानप्रकाशकूं, जलदी डलावो छाप ॥ आमोलष अरजी करे, चाकरकी अरदास । हुकुम आपको शीशपै, हो वैकुंठो वास ॥ २ ॥

इति विद्याज्ञानप्रकाश सम्पूर्ण ।

---

व्यासमथुरादासकृत कविता तथा दुहो बणावे
जणेमें दध अषर इतर छाटण इणीकी विगत.

दोहा—वरण छंदको बंदसे, तीन वरण गनमान ।
मनत्रयसत जर आठहै, अदापिंगल करत बषान ॥ १ ॥
हजवंन घरषुव आग्यो, अक्षर अशुभकेदान ।
कबित आदणीगल कहे, भूल न कबहूं आन ॥ २ ॥
मनभावे चारी सुचारहे, कवित आदसुषदान ।
अषर अशुभ चारु कहे, भूल न कबहूं आन ॥ ३ ॥

दोघंनको विचार ॥ प्रगन लगन दोय मित्रहे, भगन यगन बिरतमान ॥ जगनरगन दोय शत्रुहैं, सगन तगन समजान ॥ ४ ॥

## अंगरेजी चलन पैसेका कोठा

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| ४ फार्दिंगका | | १ पेन्स या | | ४ दोकडा |
| ४ पेन्सका | | १ ग्रोट | | १५ दोकडा |
| १२ पेन्सकी | | १ शिलिंग | | ॥ रुपया |
| ४ शिलिंग | ६ पैं० | १ डालर | | २।रुपया |
| ५ शिलिंग | | १ क्रोन् | | २॥ रुपया |
| ६ शिलिंग | ८ पैं० | १ नोजल | ३। रु. | ८ दोकडा |
| १९ शिलिंग | | १ आंजल | | ५ रुपया |
| १३ शिलिंग | ४ पैं० | १ मारक | ६॥ रु. | १५ दो० |
| २० शिलिंग | | १ पौण्ड | | १० रुपया |
| २१ शिलिंग | | १ गिनी | | १०॥ रुपया |
| २३ शिलिंग | | १ करोलस | | ११॥ रुपया |
| २७ शिलिंग | | १ मयडोर | | १३॥ रुपया |
| २५ शिलिंग | | १ जकोवश | | १२॥ रुपया |
| ३६ शिलिंग | | १ जेनिस | | १८ रुपया |
| २ शिलिंग | | १ फोलोरिंग | | १ रुपया |
| ६ पेन्स | | १ टष्टर | | । आना |

## अंगरेजी सोनारोंकी तौल

| | | | |
|---|---|---|---|
| २ ग्रेन | १ पेनिवेट | २० पेनिवेट | १ अंश |
| १२ अंश | १ पाण्ड | अर्थात् पन | |

## अंगरेजी बेपारकी वस्तुकी तौल।

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| १६ | ड्राम | १ औंश | १६ औंश | १ पौण्ड |
| २८ | पौण्ड | १ क्वारटर | ४ क्वारटर | १ हण्डरवेट |
| | | २० हण्डरवेट | | १ टन |

| | | | |
|---|---|---|---|
| १४ पौण्ड | १ स्टोन | २ स्टोन | १ टाट |
| ६। टाट | १ वे | २ वे | १ साक |
| १२ साक | १ लाष्ट | | |

## डाक्टरोंकी तौल ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| २० ग्रेन | १ स्कुपल | ३ स्कुपल | १ ड्राम |
| ८ ड्राम | १ औंश | १२ औंश | १ पौण्ड |

## काठ जमीन आदि मापना ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| ३ वारलेकरन | १ इंच | १२ इंच | १ फ़ुट |
| ३ फ़ुट | १ गज | ६ फ़ुट | १ फादम |
| ५॥ गज | १ पोल | ४० पोल | १ फर्लांग |
| ८ फर्लांग | १ मैल | ३ मैल | १ लीक |
| ६९$\frac{1}{2}$ मैल | १ डिगरी | | |

## चौकोर जमीन मापना ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| १४४ वर्ग इंच | १ फ़ुट | ९ वर्ग फ़ुट | १ व० गज |
| ३०। वर्गगज | १ व० पोल | ४० वर्ग पोल | १रुड |
| ३ वर्ग रुड | १ एकर | | |

## क्यूमेजर अर्थात् घन ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| १७२८ घनइंच | १ घनफ़ुट | २७ घनफ़ुट | १ घनगज |
| ४ घनगज | १ लोड | ४२ घनगज | १ टन |
| ५० घनगज | १ टन या लोड काठ वजनमें | | |

## कपडेकी अंगरेजी माप ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| २। इंच | १ नेल | ४ नेल | १ क्वाटर |

| | | | |
|---|---|---|---|
| ४ क्वाटर | १ गज | ५ क्वाटर | १ इंग्लिशएल |
| ६ क्वाटर | १ फेरेंचएल | ३ क्वाटर | १ फेलेमिशएल |

## सेराबकी माप

| | | | |
|---|---|---|---|
| ४ जिल | १ पैण्ट | २ पैण्ट | १ क्वार्ट |
| ४ क्वार्ट | १ ग्यालन | १० ग्यालन | १ अन्कर |
| १८ ग्यालन् | १ रन्लेट | २४ ग्यालन | १ टीआर्स |
| २ टीआर्स | १ पंचीअन | ६३ ग्यालन | १ हगसेड |
| २ हगसेड | १ पाइप | २ पाइप | १ टन |

## वीरसराबकी माप

| | | | |
|---|---|---|---|
| २ पैण्ट | १ क्वार्ट | ४ क्वार्ट | १ ग्यालन |
| ९ ग्यालन | १ फारकिन | १८ ग्यालन | १ किलडरकिन |
| ३६ ग्यालन | १ वारल | ५४ ग्यालन | १ हगसेड |
| २ हगसेड | १ वट | २ वट | १ टन |

## अन्नकी अंगरेजी माप

| | | | |
|---|---|---|---|
| २ क्वाट | १ पटल | २ पटल | १ ग्यालन |
| २ ग्यालन | १ पेक | ४ पेक | १ बुशल |
| २ बुशल | १ स्टाईक | ४ बुशल | १ कम |
| ८ बुशल | १ क्वाटर | ५ क्वाटर | १ लोड |
| २ लोड | १ लाष्ठ | | |

## विलायती कोयलाकी माप

| | | | |
|---|---|---|---|
| ४ पेक | १ बुशल | ३ बुशल | १ साक |
| ३६ बुशल | १ चालड्रन् | | |

## गिनतीका कोठा

| | | | |
|---|---|---|---|
| १२ को | १ डजन | १२ डजन | १ ग्रोस |
| २० को | १ स्कोर | १२० को | १ लांगहाण्डरेड |
| २४ ताव कागज | १ दिस्ता | २० दिस्ता | १ रीम |
| १० रीम | १ वेल्स | | |

## अंगरेजी कालज्ञान

| | | | |
|---|---|---|---|
| ६० सेकन्ड | १ मिनीट | ६० मिनीट | १ घण्टा |
| २४ घण्टा | १ दिन | ७ दिन | १ हफ्ता |

## अंगरेजी मासका प्रमाण

| | |
|---|---|
| ३१ दिन जानेवारी | ३१ दिन जुलाई |
| २८ दिन फेब्रुवारी | ३१ दिन आगस्ट |
| ३१ दिन मार्च | ३० दिन सपटंबर |
| ३० दिन अप्रेल | ३१ दिनआक्टोबर |
| ३१ दिन मै | ३० दिन नवेम्बर |
| ३० दिन जून | ३१ दिन दिसेम्बर |

४ बरस अंतर २९ दिनका फेब्रुवारी होता है।

## मुंबई चलन पैसा

३ अध्धियां अंगरेजी पाईका । पाव आना. ४ पाव आनेका १ आना १६ आनेका १ रुपया १६ रुपयाकी १ मोहर. ।

## मरेहठी तौल

८ रत्तीका १ मासा । १२ मासाका १ तोला । २८ तोलाका दोडी अरी सेर । ४० सेरका १ मण । २० मनकी खांडी ।

## मुंबईमें सोने रूपेकी तौल

| | | | |
|---|---|---|---|
| २$\frac{3}{5}$ रत्तिया | १ वाल. | ४$\frac{16}{4}$ ग्रेन | ८ रत्ती अथवा |

२३ वाल १ मासा. १४ $\frac{11}{12}$ ग्रेन १२ मासा तथा
४० वाल १ तोला. १७९ तोलेका १ ग्रेन.

## बेपारी लोगोंकी तौल

१ टांक २०४८८ ड्राम ७२ टांकका १ सेर
११ अंश २२ ड्राम ४० सेरका १ मन
औं २८ पौंड २० मन १ खांडी
५६० पौंड.

## मुंबईमें हीरा मोतीकी तौल

१०० दांकडेका १ आना १६ आनेका १ चव
१४ चव १ रत्ती २४ रत्ती १ टंक

## चौरस जमीनकी माप

४ आंगुलकी १ मुठी २५ मुठीकी १ काठी
२० काठी १ विसा २० विसा १ बीघा

## चीनदेशकी तौल चलन

२ टांकका १ तोला १ रत्ती= ४ पन याने= ४ चोजा

## चीनमें टुकडे चांदी सोनेके चलतेहैं

चीनमें टकशाल नथी इससें रुपये पैसे भी नहीं थे चलन डालरका है सो भी और देशका है.

१० कास की १ टुंदरी १० टुंदरी १ मास १० मास १ टेल १६ टेल १ कचाटी १०० कचाटी १ पीकल १ टेल=९ वाल ४ मुंबईके मनका १ पीकल १ तोलाके २०० कास.

## जमीनकी माप

२४ अंगुलका १ हाथ ४ हाथका १ दंड या बांस

२०००दंडकी १ गाइ २ गाइ १ गव्यूति या
२ कोस २गव्यूतिका १ योजन या ४ कोस.

## मुबईमें अन्नकी माप

२ नवटांक का १ पासेर २ पासेर १ टिपरी
२ टिपरी १ सेर २ सेर १ अधपाईली
२ अधपाईली १ पाईली १६ पाईली १ फरा.
८ फराका १ खांडी.

## कपडा या काठकी माप

२ अंगुलका १ तसू २४ तसू १ गज

## मुंबईमें निमककी माप

१०॥ अधोली का १ फरा १०० फरा १ आना
१३ आना १ पास २५ फरा १ मुंडो
१ फरा= १६७६१ १ आना= १६७६१
२॥टन= १ आना ४० टन= १ रास

## अगरेजी और हिन्दुवोंका कालज्ञान

६०विपल का १पल अंगरेजी २४ सेकन्ड.
६० पलकी १ घडी अगरेजी २४ मिनेट.
६० घडीके ८ प्रहर १ दिन रात अंगरेजी २४ घण्टा
३० दिन १ मास १२ मास १बरस.

## सरकारी चलन

१०० रेसका १ पावला ४ पावला १ रुपया.

## अगरेजी वक्त

६० सेकन्डका १ मिनेट ६० मिनेट १ अवर या घण्टा

२४ अवर १ दिन ३६५ दिन ६ घण्टा का १ जुलियन बरस ३६५ दिन ५ घण्टा ४८ मिनेट ४८ सेकन्डका १ सोलर बरस. ३० दिनका १ महीना. १२ महीना १ बरस ७ दिनका १ वीक या आठवडा. ४ आठवाडा १ महीना. ५२ आठवाडे और १ दिनका १ बरस. १३ मास. ६ दिनका १ लीनर बरस.

## हिन्दुओंके महीना

| संस्कृत | भाषा | संस्कृत | भाषा |
|---|---|---|---|
| १ कार्तिक | कातिक | ७ वैशाख | वैसाख |
| २ आग्रहाण | अगहन | ८ ज्येष्ठ | जेठ |
| ३ पौष | पूस | ९ आषाढ | आसाढ |
| ४ माघ | माह | १० श्रावण | सावन |
| ५ फाल्गुन | फागुन | ११ भाद्रपद | भादों |
| ६ चैत्र | चैत | १२ आश्विन | कुआर |

## हिंदुओंके छः ऋतु।

१ वसन्त—चैत वैशाख.
२ ग्रीष्म—ज्येष्ठ आषाढ.
३ वर्षा—श्रावण भादों.
४ शरद—कुआर कातिक.
५ हेमन्त—अगहन पूस.
६ शिशिर—माघ फागुन

## मुसल्मानी महीना

१ मोहर्रम
२ सफ्फर
३ रबिउल्अव्वल
४ रबिउस्सानी
५ जमादिउल्अव्वल
६ जमादिउल्सानी
७ रजब
८ साबान

९ रमजान
१० सव्वाल
११ जिल्काद
१२ जिल्हेज.

## अथ ज्योतिष विचार

यह जानो कि जब हरएक बालक जनमते हैं तो उनके नाम रखनेकी रीत यह है कि जन्म होनेकी वेला जिस नक्षत्रका जो चरण होय उस चरणका अक्षर नामके अक्षरोंमें प्रथम राखै. और एक नक्षत्रके चार चरण होते एक एक चरण १५ घडी रहताहै और सवा दो नक्षत्र अर्थात् ९ चरणकी १ राशि होती है. राशि १२ हैं.

१ मेष २ वृषभ ३ मिथुन ४ कर्क ५ सिंह ६ कन्या ७ तुला ८ वृश्चिक ९ धन १० मकर ११ कुम्भ १२ मीन.

## २७ नक्षत्रोंके नाम

| | | |
|---|---|---|
| १ अश्विनी | १० मघा | १९ मूल |
| २ भरणी | ११ पूर्वा | २० पूर्वाषाढा |
| ३ कृत्तिका | १२ उत्तरा | २१ उत्तराषाढा |
| ४ रोहिणी | १३ हस्त | २२ श्रवण |
| ५ मृगशिरा | १४ चित्रा | २३ धनिष्ठा |
| ६ आर्द्रा | १५ स्वाती | २४ शततारका |
| ७ पुनर्वसु | १६ विशाखा | २५ पूर्वाभाद्रपद |
| ८ पुष्य | १७ अनुराधा | २६ उत्तराभाद्रपद |
| ९ आश्लेषा | १८ ज्येष्ठा | २७ रेवती. |

## अथ योगोंके नाम

१ विष्कम्भ २ प्रीति ३ आयुष्यमान ४ सौभाग्य ५ शोभन ६ अतिगण्ड ७ सुकर्मा ८ धृति ९ शूल १० गण्ड ११ वृद्धि १२ ध्रुव १३ व्याघात १४ हर्षण १५ वज्र १६ सिद्धि १७ व्यतीपात

१८ वरीयान १९ परिघ २० शिव २१ सिद्धि २२ साध्य २३ शुभ २४ शुक्ल २५ ब्रह्म २६ एन्द्र २७ वैधृति.

## अथ करण

१ बव २ बालव ३ कौलव तैतिल ५ गर
६ वणिज ७ विष्टि

## होढा चक्र अर्थात् नक्षत्रके चार चरणके चारों अक्षर।

| | | |
|---|---|---|
| १ चु चे चो ल<br>अश्विनी | १० म मी मु मे<br>मघा | १९ जे जो भ भि<br>मूल |
| २ लि लु ले लो<br>भरणी | ११ मो ट टि टू<br>पूर्वा | २० भू ध फ ढ<br>पूर्वाषाढा |
| ३ अ ई उ ए<br>कृत्तिका | १२ टे टो प पि<br>उत्तरा | २१ भे भो ज जि<br>उत्तराषाढा |
| ४ ओ व वि वु<br>रोहिणी | १३ पु पा ण ठ<br>हस्त | २२ खि खु खे खो<br>श्रवण |
| ५ वे वो क कि<br>मृगशिरा | १४ पे पो र रि<br>चित्रा | २३ ग गि गु गे<br>धनिष्ठा |
| ६ कु घ ङ छ<br>आर्द्रा | १५ रू रे रो त<br>स्वाती | २४ गो स सि सु<br>शततारका |
| ७ के को ह हि<br>पुनर्वसु | १६ ति तु ते तो<br>विशाखा | २५ से सो द दि<br>पूर्वाभाद्रपद |
| ८ हु हे हो डा<br>पुष्य | १७ न नि नु ने<br>अनुराधा | २६ दु था झ ञ<br>उत्तराभाद्रपद |
| ९ डि डू डे डो<br>आश्लेषा | १८ नो य यि यु<br>ज्येष्ठा | २७ दे दो च चि<br>रेवती |

## नक्षत्र नाडी भेद

| आदिनाडी | मध्यनाडी | अन्तनाडी |
|---|---|---|
| अश्विनी | भरणी | कृत्तिका |
| आर्द्रा | मृगशिरा | रोहणी |
| पुनर्वसु | पुष्य | आश्लेषा |
| उत्तरा | पूर्वा | मघा |
| हस्त | चित्रा | स्वाती |
| ज्येष्ठा | अनुराधा | विशाखा |
| मूल | पूर्वाषाढ | उत्तराषाढ |
| शततारका | धनिष्ठा | श्रवण |
| पूर्व्वाभाद्रपदा | उत्तराभाद्रपदा | रेवती |

जो वर कन्याके जन्म नक्षत्र एक नाडीमें पडें तो नाडी वेध लगता है. अर्थात् विवाह नहीं होसकता है.

## अथ वर्ग विचार

जन्म नामके प्रथम अक्षरके अनुसार वर्ग होता है जैसे-

| अवर्ग | कवग | चवर्ग | तवर्ग |
|---|---|---|---|
| गरुड | बिडाल | सिंह | सर्प |
| टवर्ग | पवग | यवग | सवर्ग |
| श्वान | मूस | मृग | मेष |

जिस वर्गका जिसके साथ जैसा भाव हो सोई जानो.

## अथ वर्ण विचार

| विप्रवर्ण | क्षत्रियवर्ण | वैश्यवर्ण | शूद्रवर्ण |
|---|---|---|---|
| कर्क | मेष | कन्या | तुला |
| वृश्चिक | सिंह | वृष | कुम्भ |
| मीन | धनु | मकर | मिथुन |

वरके वर्णसे अधिक वर्णकी कन्या अयोग्य है।

# अथ नक्षत्र योनि।

| | गज | छाग |
|---|---|---|
| अश्विनी शतभिषा | रेवती भरणी | पुष्य कृत्तिका |
| नाग | श्वान | मूष |
| रोहिणी मृगशिरा | आर्द्रा मूल | पूर्व्वफा० मघा |
| मार्जार | गऊ | महिष |
| पुनर्वसु आश्लेषा | उत्तरा तीनों | स्वाती हस्त |
| मृग | व्याघ्र | वानर |
| ज्येष्ठा अनुराधा | चित्रा विशाखा | श्रवण पूर्वाषाढा |
| सिंह | अभिजित् नकुल योनि है। | |
| पूर्वफा० धनिष्ठा | | |

इन सबका भी वैर प्रीति लोकरीतिसे जानोगे।

## अथ नक्षत्र क्रमसे गण कहते हैं।

### मनुष्य गण

३ उत्तरा ३ पूर्वा आर्द्रा रोहिणी भरणी.

### राक्षस गण

कृत्तिका मघा आश्लेषा विशाखा शतभिषा चित्रा ज्येष्ठा धनिष्ठा मूल

### देवता गण

अश्विनी मृगशिरा रेवती हस्त पुष्य अनुराधा श्रवण स्वाती पुनर्वसु।

अपने अपने गणमें प्रीति होती है और मध्यम देव मनुष्यकी प्रीति है तथा कलह देव राक्षसमें और राक्षस तो मनुष्यको खाताही है।

## इति ज्योतिष विचार।

# शिक्षाकी रीत.

१ सूर्य उदयके समय देवता गुरुका स्मरण करना सबेरे उठ नहाय धोय लेना.

२ पहले पूजा देवताकी करना

३ पीछे मा बापको नमस्कार करो

४ माता पिताकी आज्ञा बिना कहीं जाना नहीं.

५ बैठनेको कहैं तो बैठो और उठनेको कहैं तो उठो.

६ शिक्षा मानके गुरुके यहां पढने जाना.

७ पाटी खडी भूलना नहीं, नंगे पांव चलना नहीं

८ कपडा अच्छी तरह हरना

९ रस्तेमें अकेले जाना नहीं रस्तेमें कुछ खाना नहीं.

१० राह चलते दौडना नहीं, बेजाना फल खाना नहीं. मुँहसे भोंडी बात बोलना नहीं.

११ तमाशा देखनेको खडे रहना नहीं.

१२ झूँठ कुछ बोलना नहीं. किसी का कुछ चुराना. नहीं.

१३ झूंठी साक्षी देना नहीं. किसी की जामिन होना नहीं.

१४ कोई बुलावै तो आदरसे बोलना.

१५ आवो, बैठोजी, कुछ जलपान करोजी.

१६ आतेहैं जी. लावते हैं जी. कहां पधारोगे जी ?

१७ किसीको कहीं मारना नहीं बहुत चढके बोलना नहीं.

१८ पराई लडाई सिरपर लेके लडना नहीं.

१९ अनजानकी चीज कुछ खाना नहीं.

२० अनजानी बात कहना नहीं; बहुत किसीको हराना नहीं

२१ रुपये विना बाहर निकलना नहीं.

२२ बेजानी राह जाना नहीं.

२३ बेपारमें किसीकी बराबरी करना नहीं.

२४अपनी गांठका भरोसा करना

२५ लेना देना देखके करना.

२६ लहनेका तगादा करना.
२७ राठमें जोखम थोडी रखना,
२८ खरच बिचारकै करना.
२९ गुमास्ता जानकर रखना.
३० गुमास्तेपर बही खाता छोड़ना नहीं.
३१ गुमास्ता नादान होतो खाता अपने हाथ रखना बही खाता रोज मिलाये विना सोना नहीं.
३२ खातेको वढने देना नहीं. रुपयेकी थैली उलटकर रुपया लेना नहीं.
३ चेसे लेन देन न करना.
४ जोखम बीमाकेबिना छोडना नहीं
३५ मुनाफा बिना माल वेचना नहीं
३६ सबके साथ भलाई करना. पानीकी लकीर करना तिनका तोड़ना नहीं.
३७ जीव जंतुको दबाना नहीं.
३८ एकवारगीलहनालगानानहीं
३९ वजारजाकेसबकाभावपूछना.
४० भले आदमीके आगे ऊंची नीची बात बोलना नहीं.
४१ परस्त्री माँ बहन कर जानना
४२ माता पिताकी सेवा करनी
४३ बिना बुलाये बोलना नहीं
४४ जितना पूंछे उतना उत्तर देना.
४५ जीव पर दया करना. धर्म्मका काम तुरत करना.
४६ जीव बचे तो झूँठ बोलना
४७ किसीके घर बे बोलाये जाना नहीं.
४८ सुपारी थोडी खानी और पान बहुत खाना.
४९ किसीसे अवगुण करना नहीं
५० रातको बहुत जागना नहीं
५१ गहरे पानीमें पैठना नहीं.
५२ क्रोध किसीपर बहुत करना नहीं.
५३ क्लेश बहुत बढाना नहीं.
५४ राह चलते आगे पीछेकी खबर रखना.
५५ कमरपर हाथ रखके चलना नहीं.
५६ दो हाथसेमाथा हिलानानहीं
५७ कान बहुत खोदना नहीं.
५८ बात वातमें कसम खानी नहीं.
५९ किसीको गाली देनी नहीं.

६० कोई चार गाली देय तो सहिलेना.
६१ रास्ते चलते भलेसे तगादा करना नहीं.
६२ बहुत चञ्चल होना नहीं.
६३ अपने कुटुम्बकी खबर लेते रहना.
६४ नंगे शिर बहुत रहना नहीं.
६५ लडकेका बहुत विश्वास करना नहीं.
६६ वैर किसीसे करना नहीं.
६७ हुनर सब सीखना भला.
६८ स्त्रीके साथ बहुत गुजबात करना नहीं.
६९ स्त्रीका विश्वासरखना नहीं.
७० स्त्रीका कहा सब सच मानना नहीं.
७१ परोसीसे वैर करना नहीं
७२ भांजा और दामादके साथ लडाई न करना चाहिये.
७३ धन हो तो इनको मानते रहना.
७४ अपना धर्म छोडना नहीं.
७५ धनका अभिमान करना नहीं
७६ देहकाअभिमान करना नहीं
७७ वस्तुबहुत जाकड रखनानहीं
७८ खुले हुए अन्नको खानानहीं
७९ बासी अन्न खाना नहीं.
८० नई फसिलका अन्न रखना
८१ बे छाना पानी पीना नहीं.
८२ सूर्यकी पूजा करना.
८३ ताला भारी रखना.
८४ सोनेका घर दिया वार देख लेना.
८५ अनजानकाविश्वासनकरना
८६ भरोसा भगवान्का रखना.
८७ अपने मतसे विचलना नहीं.
८८ अच्छे बुद्धिमान्से पूँछके काम करना.
८९ श्रीभगवान्का नाम मुखसे लेना.
९० परउपकार करना.
९१ भूखे प्यासेकी खबर लेनी.
९२ अन्न चोरी करना नहीं.
९३ ससुरको गाली देना नहीं.
९४ आँख देखना सो सचमानना.
९५ किसीके रंगमें भंगकरना नहीं
९६ किसीसे झूंठा वाद करनानहीं
९७ कपडे सफेद पहरना.
९८ कोई किसीसे बात करता हो तो बीचमें बोलना नहीं.
९९ बडेआदमीसे बातकरनानहीं.
१०० देखा अनदेखा करजाना.
१०१ बजारमेंकिसीसेलडनानहीं

नीचे अंक जो एकसे लेकर बीसतक लिखे हैं सो सब आदमियोंको मालूम नहीं हैं फकत व्यापारी लोग अपने व्यापारमें बोल चाल करते हैं. और अनजान लोगोंके समझमें नहीं आते इससे वे गुप्त अंक यहां नीचे लिखे बमूजिब जानना.

| | | | |
|---|---|---|---|
| सांग | ...१ | फोंकलाय | ...१४ |
| स्वान | ...२ | बुधलाय | ...१५ |
| एकवाई | ...३ | डहंकलाय | ...१६ |
| फोंक | ...४ | पैंतलाय | ...१७ |
| बुध | ...५ | मंगलाय | ...१८ |
| डहंक | ...६ | कोनलाय | ...१९ |
| पैंत | ...७ | सुत | ...२० |
| मंग | ...८ | सुत पचोतर | ...२५ |
| कोन | ...९ | | |
| सलाय | ...१० | | |
| एकलाय | ...११ | | |
| जोलाय | ...१२ | | |
| रेकलाय | ...१३ | | |

पैसे को छव्वी आने को रत्ती चार आने को मासा कहते आठ आने को टाली रुपयेको बजना और चिट्ठा भी कहते हैं.

सांग दहाई १० स्वान दहाई २० एकवाई दहाई ३० फोंक दहाई ४० बुध दहाई ५० हडंक दहाई ६० पैंत दहाई ७० मंग दहाई ८० कोन दहाई ९० सलाय दहाई १०० टाट १००० लकडी १००००० बोलने को उकडो कहते हैं ।

---

# बोधवचन ।

बडे सबेरे उठके ईश्वरका सुमरन करना. बडे सबेरे उठके पढे तो विद्या जल्दी आवे. विद्यामें चित्त लगाये विना विद्या आती नहीं. पढ़ते पढ़ते खेलवाडमें चित्त देना नहीं. विद्याविना सयानपन कहे चातुरी नहीं. सयानपन विना लोगोंके बीच प्रतिष्ठा भी नहीं होती है. लोकमें जिसकी प्रतिष्ठा नहीं उसका जीवन वृथाहै. विद्यावान्की गर्ज सबको आन पडती है; इसवास्ते जो लडकोंको पढ़ानेका अभ्यास रखता है उसके ऊपर सब लोग हित करते हैं. यह लडका कैसा है यह देखके सब लोगोंको अचरज होता है. घरमें सबकी और माँ बापकी आज्ञासे चलना. सोलह वर्ष तक लडके लोगोंको अपनी बुद्धिसे चलना नहीं पाठशालामें जाना तो गुरुकी आज्ञासे चलना. लडकपनमें जो विद्या आती सो बडेपनमें आती नहीं; इसवास्ते लडकपन खेलमें जाने देना नहीं. भला बुरा जो गुण बालपनमें लगजाता सो सारी उमर छूटता नहीं. नरम पेड जैसे नवावो वैसे नवे कठोर होनेसे झुकता नहीं; ऐसेही मनुष्यकी बुद्धि बडेपनमें जड होजातीहै. माँ बाप गुरु या अपना धनी जो कहै सो करना आनाकानी करना नहीं. अपने जब बालकथे तब माता पिताने जो रक्षा किया है इससे माँ बाप जो कहैं सो अपने भलेके वास्ते कहते हैं. माता पिता जो कहैं कि गुरुकी आज्ञासे चलो तो वैसाही चलना इसमें अपना कल्याण है. माँ बाप जो कहैं कि ओछे छिछोरे की संगत न करो तो उस बातको मान लेना इसमें अपना भलाहै. माँ बाप कहैं सोही करना उसमें अपना भला है. विद्या पढानेवाला, अन्न देनेवाला, भयसे बचानेवाला ये पिताके समान हैं ये जो कहें सो सुनना. पढ़ने जानेका वक्त चूकना नहीं. नित्य जाते

रहना. पाठशालामें जाके बैठनेकी जगहमें लड़कोंके साथ ठट्ठेमें समय बिताना नहीं क्योंकि जो बेला एकबार बीत गई सो फेर आती नहीं. पाठशालामें लड़कोंके साथ खेलवाड करके बेला व्यर्थ जाने देना नहीं. सब लड़कोंसे अपना पाठ हम जल्दी सीखें ऐसा मन-में रखना. गुरु जो पाठ पढ़ावे उसकी तरफ चित्त रखना; न समझमें आवे तो पूछके समझ लेना. आज हम नया कितना सीखे इस बात का विचार करते रहना. जो लड़का पाठशाला जायके ज्यादा सीखता नहीं तो उसके बराबरके लड़के उसको पीछू डालके उसे हँसते ऐसी विडम्बना दूसरी नहीं. विद्या पढ़नेके लक्षण शास्त्रमें कहा है. जो पाठ लिखते हो सो अपने जोडीदारोंके आगे पढ़ देखाना; अर्थ कर कुछ पढ़ना हो तो आप अर्थ कर देख-लेना और दूसरेसे भी अर्थ कराय लेना. आठ पहर पाठमें लय लगानी, इसीका नाम अभ्यास; बाकी मेहनत वृथाहै. हम एकदम पढ़ना सीखें ऐसी जल्दी न करना. थोड़ा थोडा पढोगे तो भूलोगे नहीं. पाठशाला जाते राहमें खेलवाड़ी लड़का बुलावे और अपना भी मन हो पर जाना नहीं. कोई काम आरम्भकर जो पूरा न करे तो वह कीहुई मेहनत वृथा जाय और लोग हँसैंगे. जिसको चार चतुर कहते हों उसकी संगत करना. जिसको हर तरहका व्यसन है उसके पास खड़े होना नहीं. क्योंकि वह अपने को बिगाड़ेगा. किसीकी निन्दा करना नहीं इसमें अपनी निन्दाहै. किसीकी चाई चुगुली करना नहीं लोग चुगुल कहेंगे और विश्वास उठ जायगा. सबसे नम्रता रखना, अभिमान किसीसे करना नहीं दूसरेका अच्छा कपड़ा गहना देख अपने माँ बापसे हठ कर माँगना नहीं क्योंकि जो वे दे न सकें तो कहां से लावेंगे? जो परमेश्वरनेदिया उसीमें संतोष रखना; सन्तोष विना किसीको कुछ सुख होता नहीं वैरियोंके बीचमें बैठना नहीं. कोई नादानी या खिलाफतकी बात

करै वहां ठहरना नहीं. जहां जुआ होता हो वहां खड़े होना नहीं जुआरी और रण्डीबाजका संग करना नहीं, उनके संगसे चोरीकी लत पड़जाती है और उससे जानपर भी खतरा है और अपनी सात पीढ़ी पर बट्टा लगता है. जुएके पैसेसे कोई आजतक सुखी न हुआ. जुएके सबब कितने मारे मारे फिरे कितनोंका पता न लगा कितनोंकी जान गई. हँसते हँसते बात न करनी. लजाते लजाते बात न करनी. निडर बोलना चाहिये. अभिमानसे बड़ा बोल बोलना नहीं. जैसी जिसकी योग्यता हो उस प्रमाण उसके साथ बोलना. अपने बड़ेसे अधीन और नम्रतासे बोलना. अपने बराबरीवालोंसे हिलमिलके बोलना. अपनेसे नीचहो तो काम मुवाफिक बोलना. अपना लाभ देख उससे कम खर्च करना लाभसे अधिक खर्च करै तो बजारका देना होता है जो देना कर खर्च करते वे अन्तमें पछताते हैं. जिसका देना हो उसको वादापर देना और वादाखिलाफ हो तो वह राहमें आंख दिखावेगा इससे दूसरी और शरम नहीं. अच्छे कामोंसे पैसे पैदा करना और अच्छे काम विना वह पैसा खर्च करना नहीं. धन सफल वही जो पर उपकारमें लगे. बुरे कामसे द्रव्य इकट्ठा करना नहीं. क्योंकि उस बुरे कामका पाप आप अकेलेको लगेगा और पैसा खायँगे. हम तुम्हारा काम करैंगे ऐसा भरोसा देना नहीं और जो देना तो काम करनेसे चूकना नहीं. विश्वास देकर घात करना इसके समान दूसरा पाप नहीं. कहै कुछ और करै कुछ वह जो-सच भी बोले तो लोग विश्वास न करेंगे. और जो उसपर झूँठी तोह-मत लगे तो लोग सच कर मानैं जो आदमी सत्यवादी हो वह सब लोगोंमें मान आदर पावे. सत्यके ऊपर सब व्यवहार चलते हैं इससे सत्य छोड़ना नहीं. एक बारभी झूँठ बोलते जो पकड़ा जाय तो उसकी प्रतिष्ठा जन्म भरको गई; इसवास्ते झूँठ बो-

लनेकी टेंव लगाना नहीं. मित्रकी परीक्षा सङ्कटकी बेला होती है. पहले विचारे बिना कोई काम एकाएकी करना नहीं. जो क्रोधके वश भया सो अंधेके समान है. भली शिक्षा न सुने वह बहरे के बराबर है, अपने योग उचित अनुचित काम है कि. नहीं, यह जो न जाने सोई पशुहै, समयके अनुसार जो बोलना न जाने सोई गूंगा है. शूरवीर वही है जो वैरियोंके मोहजालके फंदेमें न फँसै और धीरवीर वही है जो सङ्कट आनपडे निडर होरहै. सयाना उसको कहिये जो अपना काम अच्छीतरह करै और दूसरेको कुछ दुःख न होय, शत्रु उसको कहना जिसका कुछ काम नहीं है या निर् उद्योगी हो.सावधान वे हैं जो धन यौवन और आयु का भरोसा नहीं करते हैं. धनवान् वही है जो सदा सन्तोष से रहै. और दारिद्री वही है जिसकी आशा न पूरी होय लोभ बढ़ताही जाय. और सुखी वह है कि जिसका चित्त चञ्चल नहीं है. बडा संसारमें वह है जिसके हाथसे हमेशा पर उपकार होता रहता है. देखो परोपकार समान और दूसरा पुण्य नहीं है, चोर जगत्में सो है जो अपना विभव आपही भोग करै. कोई अपनी स्तुति करै उसपर भूलना नहीं,क्योंकि अपना काम निकारनेके वास्ते लोग झूँठ भी बोलते हैं. कहीं कोई अपनी निन्दा करै तो उससे लडनान हीं क्योंकि पीठ पीछे सब सबकी निन्दा करतेही हैं. मित्रके साथ किसी बात का परदा रखना नहीं मित्रतामें फरक पडता और अपना हरतरह का नुकसान है, भाई बन्धु इष्ट मित्रको बेउकुर न करना, प्रतिष्ठा अपनी चली जायगी,मुद्दई कैसाभी हो उससे हमेशा डरते रहना. समर्थके साथ वैर न करना वैर कर पार न आवोगे,अपनेसे अनहोनी बात पर कमर न बांधना वहपूरी न पडेगी, गरीब बिचारे की हँसी नकरनी क्योंकि क्या जानै वह वक्त अपने परभी न आन पडे बडोंकी मर्यादा रखना इसमें अपना भला है. अपने बडे को जो

मानैगा तो उसकी भी बडाई लडकोंसे रहैगी किसीके साथ हो हित कर मीठी और सत्य बात बोलो, अपना गुण और बडाई तबतकहै जबलौं दूसरेसे मांगना न पडै, मांगने बराबर दूसरा दुःख नहीं है और याचकके समान कोई वस्तु हलकी नहीं है. शरम वहां खोलना जहांसे काम निकले और फेर परदा पडजाय. अपने पास धन हो तो प्रीति करने सब आवेंगे पर तुम भी भला बुरा आंखसे देखो खरी बात कहना बहुत कठिन है. सबेरे घडेमें पानी ठंढा होता पर टूटे को माटीमें मिला देता है शरण आवे तो उसे रखना और बल बुद्धिके अनुसार रक्षा करनी. मरे मनुष्य की निन्दा करनी नहीं. अपने जीकी बात हरएकसे विश्वास कर कहनी नहीं. द्रव्य संग्रह करना दुःखकी वेर काम आवेगा. आगे धन मिलेगा इसपर भरोसा रखना नहीं, जो करना हो आज करो कल पर उसे छोडना नहीं क्योंकि जीना वेतादाद है. दमडी दमडी जोड रुपया होय है इससे दमडी का अनादर न करना. व्यसन में पैसा खर्चना नहीं वह वृथा है. विद्या और गुणसे जो मनुष्यकी शोभा है सो टाम टीमसे होती नहीं. और धन चोरी जाय सकता पर विद्याका चोर से भी डर नहीं है. विद्या सफल तब हो जब दूसरेको पढावे क्योंकि धन मरेबाद दूसरेके काम आता और विद्या पीछे रहती नहीं धन खर्च करनेसे घटता और विद्या ज्यों ज्यों दूसरेको देय त्यों त्यों बढ़ती जाती है. कपडे गहने शरीरकी शोभा हैं पर हलके काम हैं स्त्री की चर्चा हो या नाच रंग गान हो वहां विद्यार्थीको जाना न चाहिये. नाहक बेकाम इधर उधर फिरना नहीं. मनुष्यको खाली बैठ रहना ठीक नहीं पर नींदमें और खेलमें भी दिन काटना नहीं. गाली देनेकी बानि डालनी नहीं; जबान खराब होजातीहै. वृथा वैर किसीसे करना नहीं. किसीकी चढाया उतार कर न बोलना इसमें निन्दा है. किसीके मर्म की बात खोलना नहीं लोग ओछा-

कहैंगे. किसीके ढके दोषको उघारना नहीं बनै तो मुट्ठीभर धूल डालनी. किसीकी नकल करना नहीं. मेवा, मिठाई खानेकी बहुत टेंव डालनी नहीं. लुच्चोंके संग बैठना और उनसे व्यवहार रखना नहीं. हिसाब ठीक रखना. अपनी आमदनी और खर्च लिखा करना उधार लेनेकी बानि रखना नहीं. बहुत दिन खाता बढाना नहीं. व्यवहारकी रीतिमें शरम रखना नहीं. हम तुम्हारा काम करैंगे यह कहकर उसे पीछे लगाना नहीं. धर्मका काम तुरंत करना उसे घडी भर भी टालना नहीं. दूसरेकी बराबरी कर खर्च करना नहीं पेंडपर चढना नहीं ये बडी भूल है. जहां झगडा हो वहां खडे रहना नहीं. राज्यकी मसलहतमें चित्त डालना नहीं. किसी की हो खोटी बात उडावना नहीं. जो अच्छा काम किया हो तो जब याद पडे तब सुख हो. बुरा काम हमेशा दुःख देता है. अपना किया भलाकाम आप अपने मुँहसे कह सुनाना नहीं क्योंकि धर्म जाय और लोकनिन्दा हो. अपना गुण अपने मुख बखानना नहीं इससे मूरखपन ठहरता है. किसी गुणी आदमीको जो बुरा व्यसन हो तो आप देख उसको करना नहीं. खालीगुण लेना अवगुण देखना नहीं. युक्तिकी भलीबात छोटेसेभी लेलेना. विद्या नीचसे भी सीखलेना. हम जो करते सो ईश्वर देखताहै यह जानते रहना. हम धनवान् हैं यह गर्व होतो अपने से बडे धनीकी ओर देखना. मैं बडा दुःखियाहूं ऐसे मनमें संताप हो तो अपने से अधिक दुःखीको देख संतोष करना. हम धर्मात्मा हैं यह अहंकार होतो अपनेसे बडे अभिमानीको देखो छूट जायगा. दूसरे आदमीसे हम थोडा पाप किया यह मनमें लाना नहीं. आदमी जहां बात करते हों वहां बे बुलाये जाना नहीं. अपनी बात जो चित्त दे न सुनै तो उसे बरजोरी कर सुनाना नहीं. आप किसी काममें है और दूसरा कामको आवे तो उसकी हर्ज करनी नहीं. इस बेला उस बेला आवो ऐसे वादेसे

किसीको हैरान करना नहीं. लंबी जबानसे बोलना नहीं. बात करते बात बातमें युक्तिसे अपनी बात जनावनी भली नहीं. बातका वजन जाता रहता है. अपनी बडाईकी बात हितकर सुनना नहीं. विद्याका स्वार्थ यह कि अच्छी समझ हो और किसीके साथ वादविवाद करना नहीं. धनका स्वार्थ यह कि धर्म करना खाली अपनाही पेट भरना नहीं. बलसामर्थ्यका स्वार्थ यह कि दूसरेकी रक्षा करना और पीडा किसीको देनी नहीं. धर्म्मका स्वार्थ यह कि उसको जहां लों होय गुप्त रखना उघारना नहीं. आप बुद्धिमान् बनके आगेसे आगे बोलना नहीं. गुण दूसरोंके जरूर कहना और सुनना दोष कहने सुनने से नाहक अपनेको दोष लगता है. जिस बातमें बहुतोंका भला हो उसमें आलस करना नहीं. दूसरेको थोडा और हमको बहुत श्रमहै ऐसा चित्तमें लाना नहीं. चार आदमीके भले होनेमें जो पैसा खर्च हो उसको गया समझना नहीं. आहार नींद भय मैथुन और प्रीति आदि अपने कामोंमें पशु पक्षी भी लगे हैं पर मनुष्यको यही अधिक है कि धर्म्म चीन्हैं और पर उपकार करै. जो घरमें कजिया चुकि जाय तो सरकार दरबार जाना नहीं, बडे पहाडको भी जो नित खोदो तो एकदिन बराबर हो जाहीगा. रगरा ऐसी चीज है कि रस्सीसे पत्थर में भी निशानी पडजाती है. और बडी भी इमारत हो पर रोजके काम होनेसे एक दिन तैयार होहीगी. बडी पोथी नित्य पढो तो उसका पार भी एकदिन देखोगे. विद्या कैसी भी कठिन हो पर मनदे नित्य सीखे तो आवैहीगी. धनसे प्रतिष्ठा बडी है क्योंकि धन जायके फेर भी मिलता प्रतिष्ठा गई फिर आवती नहीं. सरवस जाय पर शरीरकी रक्षा करनी; क्योंकि शरीर रहने से फेर सब मिलेगा. शत्रुता जिससे एकबार होजाय फेर मित्रता कर उस पर विश्वास करना नहीं. हर एक काम करनेका ख्याल रखना प्रारब्धके ऊपर रहना नहीं. जो

आदमी प्रारब्ध पर काम छोड बैठता है,उसकी सहाय ईश्वर करता नहीं;क्योंकि श्रम विना प्रारब्ध लंगडा है. भूत प्रेत साधनकी विद्या सीखना नहीं. जो बात आप चूके हों और कोई कहे तो हठ छोड़ मान लेना.अपनी भूल और बुरी बातपर वादविवाद कर चौकसाई कराना नहीं.बोलते बोलते गर्म हो जाना नहीं. जो बातचीतमें क्रोध हो उठे तो गाली गुप्ता करना नहीं.कोई क्रोधकर गाली दे तो आप गरम हो बदलेमें गाली न देना उसकी बराबरी है.दूसरेकी पूरी बात सुनके उसको उत्तर देना,और बीचहीमें उकताके बोल उठना नहीं एक काम पूरा करके तब दूसरेमें हाथ डालना. सब काम इकट्ठा करै तो एक भी हो उठता नहीं. कोई कुछ बोले उसका सार अंश लेलेना. जो दूसरा कोई तिरस्कार या अनादर करै तो क्षमा करना इसमें अपनी बडाई है. जो किसीकी दुष्टता या अन्याय आप क्षमा करलें तो ईश्वर इसपर राजी हो उसको सजा देगा. अपनी इच्छा न हो पर तोभी जो किसीका भला करै इसका एहसान ईश्वर मानैगा और अपना भला करेगा. तू मनमें समझ कि सब तेरी करनी तेरे ऊपरहै.जैसा करोगे वही होगा.अमृत पिये अमर और विष खाये नाश है. मान अपमानसे अमृत विष होता है. विषहू अमृत समानते बखानो है, असमयमें कोई किसी का मीत होता नहीं,लोग सब मुँह देखी बात करते हैं, बनावते बहुत दिन लगते पर बिगाडते कुछ देर होती नहीं.प्रीति बहुत दिनोंमें होती उसको चट पट तोडना नहीं, तोडके जो जोडेगा तो गांठ उसमें पडेगी, हम कौन हैं, और क्या करते कहते हैं इस पर ख्याल रखना चाहिये,अपनी सामर्थ्य देख काम करना उचित है, संसार झूँठा स्वप्नेकी ऐसी संपत्ति देख कर ना भूलो. जगतमें जीना अचरज और मरना सचमुचहै, जो तुम बडाई लोकमें चाहो तो नमके चलो.निंदा किसीकी न करो छल अधर्मसे दूर रहो, ब्राह्म-

ण देवता हैं प्रणाम करनेसे पाप दूर होजाते हैं इससे ब्राह्मणको दे-खतेही प्रणाम करना. यथालाभ सन्तोषमें बडा सुख है यत्न कितनो करो होगा उतनाही जो विधाताने लिख दिया. जीव मारनेके बराबर और पाप नहीं है, पर इससेभी बढके जीविकाको मारनेमें है जगत्में एक धर्म छोड और कोई अपना नहीं है. संग मरे बाद धर्म्मही जाता और सब यहांही पडा रहता है.

## कहानी ।

एक दिन एक बादशाह पुत्र सहित शिकार खेलनेको गये. गर्मी-के तो दिनहीथे, इसपर तप्तवायु ( लू क)चलने लगी तब बादशाह घबडाकर अपना दुशाला उतार सेवकको दिया सो देख पुत्रनेभी वैसाही किया तब बादशाह हँसीसे बोले कि अय सेवक ! अब तो तेरे ऊपर एक गधेका बोझा होगया, सेवकने चट उत्तर दिया कि नहीं साहब दो गधेका ॥

**खुलासा यह कि दूसरे की हँसी करनेसे अपनी भी हँसाई होती है ।**

---

## बाघ लोखडी और शृगालकी वार्ता ।

एक सियारन गर्भिणी थी. उसने अपने पतिसे कहा कि स्वामी अबकी बार ऐसी जगह चलिये जहां आनंदपूर्वक बच्चा जनूं और कोई न आवे, सियारने शोचविचारकर कहा प्यारी और कहां ऐसी जगह मिलेगी ? चलो बाघके घरमें रहैं तब उसने उत्तर दिया कि ऐसी जगह तो मैं कदापि न जाऊँगी जानबूझकर कालके मुँहमें पडूँ ? सियारने कहा घबडावो मत मैं एक युक्ति करूंगा जिस काल बाघ आवे तब तुम अपने बच्चे रुलादेना मैं पूछूंगा कि बच्चे क्यों रोतेहैं तब तुम कहना ताजा बाघका मास मांगते हैं ऐसा मताकर नाहर के घरमें रह इतनेमें नाहर भी गर्जता हुआ अपने घरको चला

सो सियारे ने देखकर कहा प्यारी ! बच्चोंको रुलादो बाघ नजदीक आगया, जब बच्चे रोने लगे तब सियार बाघको सुनाकर सियारिनिसे पूछता है कि आज क्या है जो भोरही से बच्चे रोरहे हैं उसने उत्तर दिया कि स्वामी ! ताजा बाघका मांस मांगते हैं, सियारने कहा पलमात्र बिलमावो वह देखो बाघ चला आता है अभी मारकरमांस लाताहूं. नाहर यह बात सुनकर निपट डरा और जाना कि कोई मुझसे भी अधिक बली यहां आया निदान पिछले पांवों भगा. यह सब हाल एक लोखरी दूरसे देखती थी सो बाघको शपथ दिलाकर खड़ा किया और कहा कि बनराज! क्यों इतना भयातुर हो भगेजाते हो ? तुम्हारे मकान में तो सियारिन व्याईहै. मैं आगे२चलतीहूं और तुम मेरे पीछे२चलकर सब माजरा देखलो ऐसा कह दोनों चले सियार ने देखा कि लोखडी बाघको लौटारे लिये आतीहै. सियारिनसे कहा फिर बच्चोंको रुलादो, बच्चोंका रोना सुन सियार अपनी प्रिया से कहता है कि किंचित् धैर्य रखावो देखो लोखडी जो हमारी परम मित्र है सो बाघ को भगाजान फुसलाकर लिये आती है अभी मारकर ताजा रक्त पिलाऊंगा. सो सुन बाघ लोखडीको सियारका मित्र जान और भी भगा और एक चपेटासे लोखडीकी जानले अपना क्रोध शांत किया ॥

**खुलासा यह कि बुद्धिमान् बुद्धिबलसे सब कुछ कर सकते हैं और चुगुलखोर हमेशा फजीहत में पडते हैं.**

## काजीकी वार्ता।

एक काजी ने रातके समय पढ़ते पढ़ते एक किताब में यह देखा कि जिसका शिर छोटा हो और डाढी बड़ी वह अवश्य मूर्ख होता है, चुनांचे काजीकाभी शिर छोटा और डाढ़ी बड़ी थी. विचाराकि

शिरतो बड़ा नहीं हो सक्ता परन्तु डाढ़ी कतरनेसे छोटी हो जायगी ऐसा ध्यान में आतेही कतरनी ढूंढने लगे जब कतरनी न पाई तब दियाकी टेम में डाढ़ी लगाई; लगाते ही चोटीतक जल बल मुख काला हुआ तब तो बडा पश्चात्तापकर कहने लगे कि किताब में जो लिखा है सौ अत्यंत ही सत्य है ॥

**अभिप्राय यह कि जो बात लिखी देखो या किसीसे सुनो उसको बहुत विचार पूर्वक सावधानी से करो.**

---

## बिल्ली की वार्ता।

एक बिल्लीने कुम्हारके घर कच्चे घडेमें बच्चे दिये उसदिन कुम्हार ने आंवा लगाया और अनजानसे वह भी घडा जिसमें बिल्लीने बच्चे दियेथे आँवामें रख आग लगा अपने दूसरे काममें उद्यत हुआ जब बिल्ली आई और देखा कि मेरे बच्चे प्रबल प्रचंड आगमें गये ऐसा शोच परमेश्वरका ध्यान धर और परमेश्वरके नामसे अँवाके तीन परिक्रमा कर तीन रात तीन दिन तक पास बैठे राम राम जपकिया. जब अँवा पककर तय्यार हुआ तब कुम्हारने सब घडे निकाले तो एक घड़ेसे बिल्लीके बच्चेभी ( म्याऊं म्याऊं ) करते निकलकर भगे कुम्हार यह देख आश्चर्यमें हुआ ॥

**तात्पर्य यह कि परमेश्वरकी भक्ति होनेसे सब काम सुलभ हैं और किंचित् भी आश्चर्य्य नहीं है.**

---

| पगाररुपिया. | फलाने पगारसे १ दिनका क्या इसका कोठा. | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | २८ दिन०म० | | | ३० दिन०म० | | | ३१ दिन०म० | | |
| | रु० | आ० | पै० | रु० | आ० | पै० | रु० | आ० | पै० |
| १ | ...... | ...... | ७ | ...... | ...... | ६ | ...... | | ६ |
| २ | ...... | १ | २ | ...... | १ | १ | ...... | १ | |
| ३ | ...... | १ | ९ | ...... | १ | ७ | ...... | १ | ७ |
| ४ | ...... | २ | ३ | ...... | २ | २ | ...... | २ | १ |
| ५ | ...... | २ | १० | ...... | २ | ८ | ...... | २ | ७ |
| ६ | ...... | ३ | ५ | ...... | ३ | २ | | ३ | १ |
| ७ | ...... | ४ | ... | ...... | ३ | ९ | | ३ | ७ |
| ८ | ...... | ४ | ७ | ...... | ४ | ३ | | ४ | २ |
| ९ | ...... | ५ | २ | ...... | ४ | १० | | ४ | ८ |
| १० | ...... | ५ | ९ | ...... | ५ | ४ | | ५ | २ |
| ११ | ...... | ६ | ३ | ...... | ५ | १० | | ५ | ८ |
| १२ | ...... | ६ | १० | ...... | ६ | ५ | | ६ | २ |
| १३ | ...... | ७ | ५ | ...... | ६ | ११ | | ६ | ९ |
| १४ | ...... | ८ | ... | ...... | ७ | ६ | | ७ | ३ |
| १५ | ...... | ८ | ७ | ...... | ८ | ... | | ७ | ९ |
| १६ | ...... | ९ | २ | ...... | ८ | ६ | | ८ | ३ |
| १७ | ...... | ९ | ९ | ...... | ९ | १ | | ८ | ९ |
| १८ | ...... | १० | ३ | ...... | ९ | ७ | | ९ | ३ |
| १९ | ...... | १० | १० | ...... | १० | २ | | ९ | १० |
| २० | ...... | ११ | ५ | ...... | १० | ८ | | १० | ४ |
| २१ | ...... | १२ | ... | ...... | ११ | २ | | १० | १० |
| २२ | ...... | १२ | ७ | ...... | ११ | ९ | | ११ | ४ |
| २३ | ...... | १३ | २ | ...... | १२ | ३ | | ११ | १० |
| २४ | ...... | १३ | ९ | ...... | १२ | १० | | १२ | ५ |

| पगार रुपिया. | फलाने पगारसे १ दिनका क्या इसका कोठा. | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | २८ दिन०म० | | | ३० दिन०म० | | | ३१ दिन०म० | | |
| | रु० | आ० | पै० | रु० | आ० | पै० | रु० | आ० | पै० |
| २५ | | १४ | ३ | ...... | १३ | ४ | | १२ | ११ |
| २६ | | १४ | १० | ...... | १३ | १० | | १३ | ५ |
| २७ | | १५ | ५ | ...... | १४ | ५ | | १३ | ११ |
| २८ | १ | | ...... | ...... | १४ | ११ | | १४ | ५ |
| २९ | १ | | ७ | ...... | १५ | ६ | | १५ | |
| ३० | १ | १ | २ | १ | | | | १५ | ६ |
| ३१ | १ | १ | ९ | १ | | ६ | १ | | |
| ३२ | १ | २ | ३ | १ | १ | १ | १ | | ६ |
| ३३ | १ | २ | १० | १ | १ | ७ | १ | १ | |
| ३४ | १ | ३ | ५ | १ | २ | २ | १ | १ | ७ |
| ३५ | १ | ४ | .... | १ | २ | ८ | १ | २ | १ |
| ३६ | १ | ४ | ७ | १ | ३ | २ | १ | २ | ७ |
| ३७ | १ | ५ | २ | १ | ३ | ९ | १ | ३ | १ |
| ३८ | १ | ५ | ९ | १ | ४ | ३ | १ | ३ | ७ |
| ३९ | १ | ६ | ३ | १ | ४ | १० | १ | ४ | २ |
| ४० | १ | ६ | १० | १ | ५ | ४ | १ | ४ | ८ |
| ४१ | १ | ७ | ५ | १ | ५ | १० | १ | ५ | २ |
| ४२ | १ | ८ | .... | १ | ६ | ५ | १ | ५ | ८ |
| ४३ | १ | ८ | ७ | १ | ६ | ११ | १ | ६ | २ |
| ४४ | १ | ९ | २ | १ | ७ | ६ | १ | ६ | ९ |
| ४५ | १ | ९ | ९ | १ | ८ | ० | १ | ७ | ३ |
| ५० | १ | १२ | ७ | १ | १० | ८ | १ | ९ | १० |

पच्च्यासतक हिसाब करणेकी रीत.

ENGLISH NUMBER.

# अंग्रेजी गिनती.

¼ Quarter क्वार्टर पाव, चार आना.

½ Half हाफ़ आधा, आठ आना.

¾ Three Quarters तीन पाव. -III-

1 One वन् ... ... ... ... १

2 Two टू ... .. ... ... २

3 Three थ्री ... ... ... ... ३

4 Four फोर ... ... ... ४

5 Five फाइव्ह ... ... ... ५

6 Six सिक्स ... ... ... ६

7 Seven सेव्हन् ... ... ... ७

8 Eight एट... ... ... ... ८

9 Nine नाइन् ... .. ... ९

10 Ten टेन् .... ... ... ... १०

11 Eleven इलेव्हन् ... ... ११

12 Twelve ट्वल्व ... ... ... १२

13 Thirteen थर्टीन् ... ... १३

14 Fourteen फोर्टीन् ... .. १४

15 Fifteen फिफ़टीन् ... ... १५

16 Sixteen सिक्सटीन् ... ... १६

17 Seventeen सेवनूटीन् ... ... १७

18 Eighteen एटीन... ... ... १८

19 Nineteen नाइनटीन् ... ... १९

20 Twenty ट्वन्टी... ... ... २०

21 Twenty-one ट्वण्टी वन् ... २१

22 Twenty-two ट्वंण्टी टू... ... २२

23 Twenty-three ट्वंण्टी थ्री .... २३

24 Twenty-four ट्वंण्टी फोर ... २४

25 Twenty-five ट्वंण्टी फाइव्ह... २५

26 Twenty-six ट्वंण्टी सीक्स ... २६

27 Twenty-seven ट्वंण्टी सेवन... २७

28 Twenty-eight ट्वंण्टी एट ... २८

29 Twenty-nine ट्वंण्टी नाइन् ... २९

30 Thirty थर्टी ... ... ... ३०

40 Forty फॉर्टी .. ... ... ४०

50 Fifty फिफ़्टी .. ... ... ५०

60 Sixty सिक्सटी ... ... ... ६०

70 Seventy सेवनूटी ... ... ७०

80 Eighty एटी ... ... ... ८०

90 Ninety नाइनूटी... ... ... ९०

100 Hundred हण्डरेड ... ... १००

1000 Thousand थौजण्ड ...१०००

Ten-thousand टेनूथौजण्ड ...१००००

Lac लाक ... ... ... ...१०००००

Million मिलियन... ... १००००००

One-crore वन् क्रोर ... १०००००००

Ten-crores टेन क्रोरस... दशकरोड.

Hundred-crores हंड्रेड क्रोरस.सौ करोड.

NAME OF MONTHS महीनोंके नाम.

31 January जानेवारी.
28 February फेब्रुवारी.
31 March मार्च.
30 April एप्रिल.
31 May मे.
30 June जून.
31 July जुलाई.
31 August आगस्ट.
30 September सेप्टेम्बर.
31 October अक्टोवर.
30 November नोवेम्बर.
31 December डीसेम्बर.

WEEK DAYS हफतेके दिन.

Monday [ मण्डे ] सोम.
Tuesday [ ट्युईस्डे ] मङ्गल.
Wednesday [ वेडनसडे ] बुध.
Thursday [ थर्सडे ] गुरु.
Friday [ फ्रायडे ] शुक्र.
Saturday [ साटर्डे ] शनि.
Sunday [ संडे ] आदित.
Week [ वइक ] हफ्ता.

इति विद्याज्ञानप्रकाश समाप्त ।

पुस्तक मिलनेका ठिकाना–

खेमराज श्रीकृष्णदास,

"श्रीवेङ्कटेश्वर" छापाखाना––मुम्बई.